TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4504**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

दीन्हीःसुराजपुत्रकौंआयुमैंचांणक्यतैंअधिकवीर्य
लांवनिवंतीकौंदेषिःसुषपायआंनंदसौंगाढेआ
लिंगनदेःपलिंगऊपरिक्रीडाकरिःमनोरथपूरनकी
यौःयहदेषिचारुदंतवनिकेपुत्रअधिकपछितायौः
पछितायकरिचितमैंभ्रांतिकउपायौःसोकछूक
रतनवनैःअत्यंतकरिदुषपायौःतातैंहौंकहतहौंः
मित्रमंथरतैसैंतुंमहुंपायहैःयहवचनसुनिमंथ
रनभांन्यौःमंथरउरकरिवहसरोवरछांडिःऔर ४९
सरोवरकुंचल्यौःपाछैंतीन्यौंमित्रहुचलेःजातजात
वनमैंऐकवधिकनैंमंथरपकस्यौःपकरिकरिधनु
षसौंबांधिघरकौंलेचल्यौःआगैंम्रिगमूसाकागः
इन्हतीन्यौंबहुतकष्टपायौःतवहूंनिकैंविलाप 1

करनलागौ:आजहुंमैंऐकदुषकौपारपाइनही।यहहूसौं
दुषआयपर्यौ:औरसाहोयतबदुषऊपरिदुषपरै:सुना
नहीतैमित्रहोयसोबऊपुनितैपायजे:जातेवहसहैजस
नेहीमित्रबडीदुःषआपदातेनछूटै:जातेनमातासौंन
सवीसौंनभाईसौंऐसेनिस्वासनहोय:जैसोसकहै
जमित्रसौंसनेहहोय:औरअहोमेरोभाग्यअपनेंकी
येकरमकौफलयाहीजन्ममैंपायौ:अथवायहहै
हीकौअबहिनासहोयतौभलोहैऔरसौकितै:सु
तै:नषुतैइन्द्रतैंमैत्रीलक्षीतिहैसुप्रीतिकौपात्रहै:
ऐसोयहदोयअक्षरकौजनरतनमई:किनिसिरज्योहै:
औरमैत्रीजुहैसुआपनुकेसंतोषकौंरसायनहै:चि
तकुंआनंदकरै:सुषदुषकौपात्रमैत्रीहै:ऐसीमैत्री

सहजमित्रसौंदुरलभनाहीं:औरमित्रसंपदामैं[redacted]
ओयभाई[redacted]
की[redacted]नयतैबहुतहै:तिन्हमित्रकीकसोटीआप
दाहै:जातैआपदामैंग्रहघाटषरउघरिजातहै:इहिभां
तिबहुतबिलापकरि:चित्रांगसौंअरुलघुपतनकसौं
हिरन्यककहीमित्रसुनौ:जोलौंयहबधिकबनतैंन
हीनिकसै:तौलौंयाकेछिद्रायबेकौजतनकरहु:त
बवहदोन्यौंबोले:बेगिजौकरनौंहोयसुकरो:तब
मूसेकही:चित्रांगतुपांणीकेतीरम्रितंगसौहोयप ४२
रिरहौ:कागतुम्हचित्रांगकीपीठिपरबैठिचौंचन
करिषोदतरहौ:तबयहबधिकमैंघरकौंछाडि:म्रि
गकौंलेनजायहै:तबहुंमैंघरकौबंधनकाटिहौंय
हवचनसुनि:म्रिगकागदोन्यौंपानीकैतीरजाय

तैसीहीकीनी: कछीपांनीपीकरिऊपतरविश्रांमकरन
वैठो: तबपांनीकेंतीरम्रिगपस्योदेष्यो: तबकातीलें
म्रिगकौंबधी चल्यो: इहिबीचिहिरन्यकमंथरकेबं
धनुकाटे: तबमंथरजायजलमैंपैठ्यो: म्रिगबधीकौं
आवतदेषिउडिगाज्यो: बधीफिरिऊपतरिआयें
देषेतौकछुहानांहि: तबकछुहाकौंबिनुदेषेबिचारें
तनयौ: कहतुहै: यहमोकौंऐसेंभूलबूझीऐ: जातैंमैंबि
नुबिचारेंयहकांमकीयौ: नीतिबिषेयहकहीहै: जु
हाथकौछाडि अनपायेकौजतनकरै: ताकोहाथहू
कौजाय: तबआपणोंअनागपतैंबधीनिरासह्वैकट
कमैंगयौ: मित्रचारोमित्रआपदातैंछूटिआपनीगौर
जायबिश्रांमकरतनये: यह…सुनिसंतोषपाय

आनंदसौंराजपुत्रन्हकहीतैंसबसुषीनये: तातैंहमारो
मनोरथसिधिनयो: तबबिसनुश्रमांब्राह्मणकही: यह
तोतुम्हारोमनोरथसिधिनयो: औरयहहो: सजनकौ
मित्रलाभहो: देसमैंलक्ष्मीअधिकहोय: राजाअपनें
धरमबिषैस्थिरहोय: राजाप्रिथवीकौप्रतिपालअधिक
करै: साधुजनकौमनकोसंतोषकौ सदाहीस्यौंप्रीतिहोय:
जैसेतुम्हारेमनकेसंतोषकौं नवजोबनास्त्रीहोहु:
श्रीमहादेवजीसकललोककौंकल्यांण: ॥ १ ॥ ४3

आगैंराजपुत्रन्हबिसनश्रमांस्यौंकही: अहोगुरु:
मित्रलाभतौहमसुन्यौ: अबहमकौंसुहृदभेदसुनिबे

कीइछ्याहे: तबबिसनस्रमांकहतुहै: ऐकसमयेबनमें
स्यंघस्यौंग्ररबंदरसौंबध्यौसनेह: सुलोत्तीदुष्टस्यालनें
उन्हदोउकोसनेहदूरिकरायौ: तबराजपुत्रन्हकहीस्रह
कैसीकथाहै: बिसनुस्रमांकहतुहे सुनौ: दृष्यणदेसमें
सुमतितिलकनामनगरहे: तहांबिरधमांननामांएे
कबनियांकोपुत्रबसे: जाकौंनिश्राकेबहुतधनुहो: तबवहु
ग्रौरबनियांकौबहुतधनदेषिबाकौइछ्यानई: जुहौ
ग्रौरधनुउपार्जिजे: जातेग्रापुकौंघटिदेषिकौंनकोऊ
रबनहोय: ग्ररुग्रापुतेंग्रधिकदेषि: ग्रापुकौदरद्री
कौनुनजांनें: ग्रौरजाकेबहुतधनहे: सोहत्यारोहुपूजी
ये: ग्ररुनिरधनुकौजेचंद्रमांकेबरावरिबसउंचौहा
यतो: ताकौंकोउनमांनें: ग्रौरजाकेउछाहनहोय:

ग्रालसीहोय: जाकेंबलाक्रमहीकौंस्थापे: सोहसीन
होय: ग्रेसजुहेप्रांणीतिन्हलक्ष्मीनमिले: जैसेंब्रिधिकौं
तरुणीतबचैं: ग्रौरग्रालसीहोय: स्त्रीकेबसिहोय: रो
गीहोय: जन्मभूमिछांडिनसके: ग्रौरथोरोपायेंसंतोष
मांनें: ग्ररुसदाहीनयहीकरतुहे: येछहैप्रकारबडाईकौं
न्हसावै: जातेजुथोरेहीसंपदाकरिसंतोषमांनेंताकों
बिधाताग्रौरलक्ष्मीनबढावें: ग्रौरजाकेउछाहनांही:
ग्ररुधाकेमनांही: ग्रांनंदनांही: ग्ररुसत्रुकौंसुषदेष
तरहे: ग्रेसोपुत्रमतिकाहूकैहोय: जातेंयहकहीहे:
जुनांपायोहोयताकौजतनकरिजे: ग्रौरजोपायोहोयसो
नीकौराषिये: राष्योहोयसुबढाइजे: बढ्योधनहोयसु
पात्रकौंदीजे: जौग्रनपावैतौचाहेताकौंनहोय: जोपा

योधनु नराखिमें सखिजीव हु आपही तैं जाय: वा क्रोध
नु पात्र कौं न दीजे तो वा धनु को कारज कहा: यह धनु अ
वरथा जांणिजे: अरु नीति विषै यह कही है: तिहि द्रव्य
कौ कौंन कारज: जु नदी जी पैं न षाइ ये: तिहि बल कौ कौं
न कारज: जिहि बल करि सत्रु न मारिजे: तिहि पढे कौ कौं
न कारज: जिहि पढे तैं धरम न करै: तिहि सरीर कौ कौं
न कारज: जिहि सरीर करि पर बिषै उपकार न
करिये: अरु तिहि बचन कीये कौ कौंन कारज: जु म
रणताई प्रतिपालन न करै: तिहि बढे कौ कौंन कारिज:
जो सबही बिषै दया न करै: अर जैसैं थोरैही थोरै
अंजन करत काजल कौ नास देषिजे: तैसैंही यह सरी
र कौ छिन दिन नास होत है: तातैं ऐकै दिन दान बिना

बिद्या के अभ्यास बिना न जानौ न कीजे: जातैं यह कहीसैकै
जलबुंद परै धरा भरिये: [redacted] तैसीही गति बिद्या अ
रु धरम की: अरु धनु की: अरु जाकौ दिन दांन जोग बि
ना जाय सो स्वास लेत हि म्रितकु जांणिजे: जैसैं लुहार की
धंवनि स्वास लेत ही म्रितकुं: यह बिचारु करि बनिकपु
त्र संजीवक के नंदनै नांमां बलद गाडा मैं जोति कै बहुतस
मदा बचण्य बनिज कौं कासमीर देस कौं चल्यो:
जातैं समरथ होय कौं कोन भार सांह सी होय ताकौं कौं ४५
न देस दूरि करि कहिये: पंडित कौं कौं न बिदेस कहिये:
जु प्रीय बचन कहै: ताकौ सत्रु कौंन कोउ: तब पैंडे मैं 5
जात जात सुदुरग नामां परबति ऊपरि संजीवक बरद
कौं पाव टूटि तैं गिरयौ: वाकौं देषि बनिक धरमान बिचार

५ न्यो: अहो जो नीति जानै: सोउ सिम नित बहुत करै: परु तानो
सोही सुबिधी ताके मन मैं रहै: तो तौ दुषन कीजे: जातै दुषकी
ये कारज सिधि न होय: तातै दुष छांडि आगिलो कारज हो
य सु बिचारियै: यह बिचार करि वह बैल कों छोडि आगैं च
ल्यौ: तब संजीवक बरद बडे कष्ट करि उग्रा जातैं सहक
ही है: समुद्र मैं परै होय: परबत तैं गिरो होय: सांमक रि
काटयो होय तौ जीवै: आवरदा होय तौ जीवै: आगैं संजी
वक वा बन मैं पांणी पीय त्रिण षाय: पुष्टि होय आनंद
सौं गरज्यो: सुतिस ही बन मैं पिंगलक नांमा सिंघ राज्य करै:
अबधि अनिषेकु मं न नाहि राजा कों संसकार नांहि: त
बहुं आपनें पराक्रम तें सिंघ म्रिगराज कहावै: सो सिंघ
पेक समै पांणी पीबे कौं जमुनां के काछ मैं गयौ: तहां

सिंघ हि जे सैं कावहुं न सुन्यौं: असो सो संजीवक कौ सबद सु
न्यौं: सुनि करि बिनु पांणी पीयें डरकरि अपुनी गैर आ
यौ: आय मन मैं यह बीचारी: अहो यह है कहा: तब मंत्री
के पुत्र करकट दमनक: पै दोउ सिंघ राजा कों देषि: आप
स मैं बिचार तनये: तब करकट स्यौं दमनक कही: मित्र
काहे तैं सह बिनु पांनी पीयें सोचित ह्वै आय बैठे है: तब क
रकट कही मेरे बिचार याकी सेवा नां करियें: याकी बा
त पूछै: सो हमारो कौंन कारज: जातै इनि हमारी अवग्या
करी: तातैं हम अधिक कैं कष्ट पायौ: और देषु जो सेवा
करि धन चाहत है सु कैसे हैं: तिन्हौं अपुनें बसि कौ सरी
र सौ उपराये बसि दीयौ: और पराये आधीन ह्वै करि कौं:
जाउ वा पंथा मैं इन्ह कौ दुष सहत है: जो ऐकौ हु अंस अ 6

८ पनैंदुषतपस्याकरिसहेतौकौंमसुषीनहोयःयतनेंहीमैं
मन्मसफलजाजेःजोपरायोंआधीननहोयतोंमुपराये
आधीनह्वैजीवतेंमूवोकौंनकहियेंःसेवकहिमूवोःओ
रजिन्हसौंगाकुरइन्हनांतिषेलतहैःआउजाहिंपरेउगी
बोलमतिबोलैःइहिनांतिआसाकरैजातेमूरषघन
पाम्मबेकोंपढिगुनिकैंपरायेआधीनहोयहैःजैसैंबेस्यां
कोंअलंकारऔरकेकारजकोंहोयःऔरजोसुनावही
तैचंचलअरुबुरीहीबातजपरिमनराषैंःऐसेठाकु
रकीसेवाकुंबहुतकरिमांनतहैंःकाहतैजातेंउंचेहोंए
कोनमतहैःजीवनकौंमरतहैःसुषकोंदुषसहतहैःतातें
सेवकसौंमूरषऔरकौंनहैःनकोउःतबदमनककही
मित्रयहबातमनमैंमतिआनैंःजातेंजतनकरिबडेम

कुरकीसेवाक्यौंनकरियेजोवेहीप्रसनह्वैःसेवककी
कांमनांपूरनकरैःऔरुदेषुजोसेवानकरैताकौंचमरछ
त्रयोरेहाथीन्हकीसंपतिकहांतेंहोयःतबकरटकही
तबहुंहमकौंयाबीचारेसौंकारजकहाःजातैंजोजिहिको
कांमनुहोयःसोकरैतोःजैसैकीलकेउपारतःबांदर
मूवोःतैसैंदुषपावैःतबदमनककहीःयहकैसीकथात
हैःकरटककहतहैःमगदेसमैंधरमारन्यवनकेनीरैसु
भदंतनांमकाईथकीठास्थलकोंआरंभरच्योःतहां
येककाठचीरिःयेजवघोरोसोरह्योःतबवीचिऐक ४७
कीलसौंदेराष्योःतहांऐकबनकौबांदरषेलतषेल
तआयौःसुकालकरीप्रस्योवहकीलाषकरिबेंस्योःवो
सिहलांबनलागोःतहांहुलावतेंबांदरकेदोन्योंपेपा

सरीरकादहुंकामकेबीचिपरेः आगैंउनिबहोतजततक
रिकीलाउधारीः तबदोन्यौपोतांचांपेगयेः तातैंबांदर
मूवोः सुहौंकहतुहौंः बिनुकारजहीचेष्टानकरियेः त
बदमनककहीः तौभीठाकुरकीचेष्टासेवककौजानि
चाहियेः तबकरकटकहीः जोपरधांनमंत्रीसबकारज
करैः सुयहेविचारैः जुसेवक[illegible]कौअधिकारनंकरै
देषुजुठाकुरकेकाजकौंपरायौअधिकारकरैसो[illegible]
पावैः जैसैस्वांमिकेकाजकौंपुकारतगदहामास्यौ
दमनककहीयहकेसी[illegible]बांहैः तबकरकटकहतुहैः
बाणारसीमैंकपूरपटनांमांधोबीहैः सुएकदिनितरु
णीअपुनीसत्रीसौंक्रीडाकरिसोयगयौः पाछैंवाके
घरिचोरपैठेः वाकेआंगणमैंगधहाबांध्यारहैः कुकर

बैठोरहैः तबचोरकौंदेषिगदहैकूकरस्यौंकहीः अहोइ
हिओसरतेरौकारजहैः तुंस्वामिकौंठाकुरकौंजगावत
काहेनांहीः तबकूकरकहीमेरौहुकाजतूकरीहैः तूंही
जांनतहैः जैसैंहौंयाकौघररापतहौंः याअबबहुतधनी
भयौः मोहिचाहतनांहिः षाबेहूकूं नांहिदेतुः तातैंजौ
ठाकुरकौंजौलगिआपदानपरैः तौलगसेवककौआ
दरनकरैः तबगदहैकहीः सुनिरेबावरेकूकरः जब
ठाकुरकौकांमपरैः अरुकामपरैमांगैसुकहासेवक
हैः सुकहामित्रहैः तबकूकरकहतुहैः सुनिरेगदहा ४८
सुकांमहीपरेसेवककौचाहैसुकहाठाकुरहैः सुनु
जातैसेवकन्हंकौभरणपोषणठाकुरकीसेवाः धरम
कौकरिबौः संततिकौउपराजिबौः एबातेंओरसौंनक

५६

ऐं तातें ... सगमोनरएषोषणमरैः तबतिसे गते सेवाहूपः सोश्वै मेरी ... मौनत है

राइ कै। तब गदहै कहीतूं पापी है स्वांमिकौ कारज नांहि कारतु है
जैसैं स्वांमि जागैः तैसैं हूं करिहौंः जातैं यह कही है स्वरजकौं
पीठि पीछैं करि धांमली जेः आगैं धरि आगि तापिजेः स्वांमि
सबहि नावहै सेवजेः परलोक निकपट है साधिजेः यह
कहि गदहा पुकार्‍योः तब धोबी वह सबद सुनि काची
नींद जागिः गदहा लागि निहमार्‍योः तातैं हौं कहतु हौंः औ
रके कारजकौं अधिकार आपु कबहुन कीजे। तातैं मि
त्र हमारो काज सावजकौं षोजिवो सोई करियेः आजु
सावजहु के षोजिनेकौं कांमु नांहिः हमकौं आजु षाये
पाछैं मांस बहुत उबर्‍यो हैः तब करटक कही तो मित्र तु
आहार ही की सेवा करतु हैः यह तैं नलीन कहीः जातैं
मित्र के उपगार कौंः सत्रुको बुरो करिबेकौंः राजा की से

वा करियतु हैः पेट तौ सबको उं भरै हैः और जाकौं आंश्रै
बहुत लोक जीवै सोई जीवत जांनियेः नांतरु षगुला
आपनौं पेट नांही भरतु हैः और सुनौं देषु मित्रः ऐक सेव
क पांच ... कौं डी करि पावै हैः ये कलौ षहु न पावै हैः
जातैं मनुष्य सब बराबरि हैंः परु जो और को सेवक है।
यसो न कछुः और कौ सेवक न होय सोही पहलै जीवत तह
मैं गिणिजेः जातैं घोरो हाथीः लोहः काष्टः पाषांणः वस्त्र
स्त्रीः पुरुषः पांणीः इन्हमैं बहुत अंतर हैः देषु कूकरयो। ४९
रौ हुल्लो हूमांस करिः लपटानौ हाड पायें संतोष मानैः अ
रु सिंघ आगैं गाठौं स्याल छोडि बड़े हाथीकौं जाय मारै
हैः तातैं बड़े हु कष्ट मैं आपुने बलके अनुसार कारज क
रैः और देषु गाकुर सेवक कौ अंतरः कूकर पुंछ डुलावै

पावन्तरिलोटैः मुषयसालैमेरदियावैः तबजायटकसपा
वैः और हाथी थांनहीबांध्यावहुंतबारिरं नायजैः तब[illegible]
[illegible] नागपाय: और ज्यानसु[illegible] प्राकरमसु[illegible]: जससु[illegible]
[illegible]: अहंकारसु[illegible] इन्हसु[illegible] जो ऐकौघडीजीवे सोहीजी
वतजानिये: नातुरकागुनाहिबहुतदिनजीवतअरुजातेः
जातैआपुनोहितु: अहितूनजांनि[illegible]: मंत्रकिंसमैबाहरि
काढि[illegible]: केवलपेटभरिजांनैः असे पुरुषमैः अरुपसूमै
कछुअंतरनांहीः जैसापसुतैसांवहः पुंष: तबकरकटक
हीहमतुम्हराजकेप्रधांननांहिः हमक[illegible] असैंबिचारै
सौंकारजकहाः दमनककहतुहेः जातेमंत्रीसमैपायअ
पुनीकरणीतैवडे होयः छोटेहूहोयः कोउजन्मतहीसुना
मतेभलोवुरोहोयः जैसैपरवतउपरि पाथरवडेजतन

चढायइयेः जोगिरायदीजेतौ सुषमांहिगिरैः तैसैं प्रांणीव
होयुगणकरिवडोहोयः थोरेंहीदोषकरिनष्टजायः तबक मुदानी
रकटकहीतुकहतहेकहाः तबदमनककहीः यहहमारेठा
कुरसिंघकाहूतैडरपकरिबैठोहैः तबवहकहतुहेतुंजा
नतहैः काहेतैडरप्योहैः दमनककहतुहेः यामेकहाजांनि
बोहैः जातैपंडितबिनांकहेजांनैः काहेतैपरु: फुनिबूझत
हैः जातैथोरेहाथीजितचलायजेतितहीचालै[illegible]: मंत्री
सोजुदेषतहीजांनै[illegible]: तातैंहूयाकीबुधिबलकैरिअैसे ५०
डरमैंअपनैवसिकरिहोंः जातैजोप्रस्तावक्रोबचनक
हिजांनैः सनेहकौंजोगकहिकरैः आपुणौबलजांणिरीस
करैसोईसुबुधीकहीजेः तबकरकटकहीमित्रतूंसेवा
करिनजांनै[illegible]: जातैजोबिनुबुलायोजायः बिनोपूछेबो

होतबातकहे: आपुकौराजाकौभयाकरिजांसैं: सोकुबुधी
जाणिजे: दमनककही: मित्रहोकाहेतेसेवानांहिकरिजानतु
देषुजातैसबवस्तुभलीहे अरुबुरीहे: सुजाकौंभावेसोई
ताकौंनीकी: जोनभावैसोईबुरी: जातेजेसीजाकीप्रकृति
होय: ताकौंतिहिभांतिवसिकीजे: औरजबठाकुरपूछेयह
कौनहे: तबकहेराजामैंहौं: कहाआग्याहोतहे: सबलगतु
ठाकुरकीआग्याहोयसुसदासमाधानह्वेकरिये: औरजो
केप्यारीचिसनांहोय: अरुधीरजहोय: सम्मांनेंहोय: सु
जैसेपरछांहीनछांडे: तैसेसेवानछांडे: आग्यापायकरि
उजरनकरे: सुराजाकेनिकटिरहे: करकटकहीअबजेहु
राजाकेपासिजायतो अनओसर जाणिअवग्याकरैहे: त
बविककहीदेतो ऐसोलबहुं ठाकुरकौनिकटिसेवा

नछांडे: जातैलोककेडरकैंअकरमकरिनसके: सोकुलजा
णिजे: अजीरणकेडरकरिकोईभोजनछांडतहे: औरके
बुविद्याकरिहीनहोय: अरुकुलीनहोय: भलीनहोवा
ऐसोहुंजौसदानिकटिरहेतौराजाभयाकरे: जातैराजा
सबीलता: इन्हकेजुनेरैरहेताहिसौंमिलै: तबकरकट
कहीतुकैसैंजांनिहे: भयाकु मया: तबउनिकही: जोठाकु
रदूरिहीतैसेवककौंआवतुदेषे: अरहसै: आदरस्योंबा
तपूछै: पीठिपाछैंसिराहे: आपऐंहूंनलेसेवकन्हंभैगिऐं ५१
बिनांहूंसेवाभयाकरे: अरुदेषे: दिनदिनअधिकभया
करे: दोषहूंकौगुणकरिमांनैं: तबजांनिये: ठाकुरहमसौं
संतुष्टहे: औरजबदेषेकौआजिहीकाल्हि कहै: को
लगांबावे: आसाबधावे: देनाहि तबजांनियोकुभयाहे:

५६ ॥ औरजबदोषहुकौगुणकरिमांनैः यहमयाकौलष्यापरै
जबगुणहुंकौदोषकरिमांनैतबकुमयाजांणिजेः जबगु
णकौगुणकरिमांनैः दोषकौदोषकरिमांनै तबबराबर
बरिजांणिजेः यहजांणिजे सैहीमेरोभलोमांनिहैतैसौहीक
रिहोः औरजोसयांनोमंत्रीहोसुराजाके नीतितिउपजेः
जोबिपतिसुआगेहीप्रगटकरिजनावैः अरुनीतितैहोन
हारसंपदाकोंआगेहीकहिजनावैः तबकरकटकही
तबहुंसमयेबिनुनकहियेः जातैसमयेबिनुंब्रिहसंप
तिजोकहैतोअपमांनकौपावैः दमनककहीः मित्रमति
डरयोः मैबिनुसमयेकहैहौंनांहिः आपनकालमैराजा
अमारगचलेः अरुजोकारजनकरणबूयेंसुजोकरैआ
तबमंत्रीबिनुपूछहुंराजासुंकहेः औरजोऔसेसमये

मंत्रीनकहैतोमंत्रीकाहेकोः जातैजिहिगुंणतैपावे
कौपाइजेः अरुबडाईहोयजैसुगुणनीकैराषिजेः अरुब
डायजेतोमित्रमोकौआपपादेहुजाउः करकटकहीजाहु
नीकेहोयसुकरेहुः आगेंदमनकयहबिचारुकरिचल्योः
वैराजापिंगुलहुकेनिकटिजाय कछुडरसौदमनक
दूरिहीठाढोभयोः तबसिंघदेष्योः देषिदूरिहीसैंआदरसैं
बुलायोः तबराजाकौंदंडवतकरिराजाकीआग्यापाय
बैठोः तबराजाकहीः बहोतैदिनतेदेष्योहोः तबदमनक
कहीः राजाकौंहमसौंकछुकारजनांहिः तबहुः
समैपायसेवकआयोचाहेः यहजांनिहौंआयोः जातै ५२
कांनषुजायबेकोः दांतषोदिबेकौं त्रिणहुंकौकारजहो
तहैः जाकेहाथपायबुधिहैः औसोसेवकसेकहि

कारजआवै तुम्हकबहुंदिनकछुमिचपूछौनांहि
तबहु हमारीबुधिघटीनांहिं जातैजोमणिपावमैबांधि
जेःकाचमांथैधरियेः तबहुवेचतकावस्तुकाचहीकैमो
लिबिकायः मणिआपणैंमोलिबिकायःऔरअपमांन
हुंनये जाकेंधीरजरहेंः ताकीबुधिनघटैःजातेंजोअग
निमाहिंमेंपरैतोजीतोज्वालाउर्धपरिहीकौजायःतातैंराजा
सरबथा विबेककरैःराजासेवककीविसेषसेवानजां
से णैंःतौसेवककौसेवाकरिबेकौंउछाहनबाधैःऔरती
नप्रकारकैंमनुष्यहैंःयासंसारमैंःयेकउत्यमःऐक
मधिमः०ऐकअधमःसुसेवकजैसोहोयःतिहिबौं
तैसोहीकारजसौंपियेःजातैंअलंकारअरुसेवक
जिहिठौरबूझियेःसुतहांहीराषियेःजातैंमाथेकीमणि

पावबांधेनसोहैःऔरजुरतनसोनेंमैंबूझियेःजोःसीसा
मैंजडियेतोसोताकौनपावैःअरुमणिपावबांधेंमणितोन
बोलैःतौहुंलोकबांधणहारेकौंबाउरौ तौकहैःजोराजासे
वककीबुधिनजांणैःयाकमःऐतीन्यो नीकैंकरिजांणैःतौहि
राजाकेबहुतसेवकहोंःजातैःघोराःहथ्यारःबिद्याःबी
णाःबांणीःपुरषःसत्रीःयेजोभलेकेहाथिहोंयतोनीकेला
गैःनांतरजपहासीकोहोयःऔरसेवकजोहोयःअ
न रुसमरथ्थहोयतोकौनकारजकोःसमरथ्थहोयःअरुदुखी
करैसुकौनकारजकोःतातैराजामैंतेरौजहोंःअसमर 43
थहोंःजातैराजाकीकुमयातैःमंत्रीकीबुधिहीनहोयःत
बभलोमनुष्यराजाकेनरहैःभलोमनुष्यकेछांडेंनीति
नरहैःनीतिकेगयेंसबलोकदुषीहोयःऔरजिहिकौ

मयाकर

राजा मयाकरै तिहिकौं सब मानै : जिहिकौं कुमया करै ति
हिकौं कुमया करि मानै : जातैं नीतिकी बात लरी काहूकी
सुनि जे जहां सूरिजकौ उजारो नांहि : तहां दीवाहुकौ उजिया
रौ करियतु है : तब राजा कही : अहो दमनक तुम्ह हमारे प्रधा
न मंत्रीके पुत्र काहू दुष्ट के कहे बहुत दिन हमारे पास ना
हि आये : सो तुम्ह कौं ऐसे न बुझीये : अब जो कछु कहा
चाहो सु कहो : दमनक कही राजा हौं कछु पूछ्यौ चाहत हौं :
राजा कही पूछत काहे नांहि : तब पूछत है : राजा तुम्ह प्या
से पांनी के तीर जाय : पांणी बिनु पीये फिरि आये : [illegible]
कै बैठे हौ सु काहे तैं : सिंघ कही जदपि हमारे मनकी बात
कहिबे लायक है सो कोई नांहि : जासौं कहिये अब कुं
तासौं कहिहौं : सुनो इहि हमारे बन मैं कोई अपूरव जंतु

आयो है तातैं यह गैर हम छाडि है : तुम्ह याकौ सबद सुन्यो है
दमनक कही राजा वह सबद हम सुन्यो है : वा तै डर बूझिये
[illegible] : जो पहिले हिं गैर छोडि अरु कूच करणा
कहै और सेवक हू की परीख्या कीजे : जातैं बंधु स्त्री सेव
क बुधि बल औ पवन्ह की परीख्या आपदा समै जांनिये :
तब सिंघ कही मेरे मन मैं बडी आसंक्या छे : तब दमनक
[illegible] ऐसी न है [illegible] तौ तुम्ह रा[illegible]
हैं मस्यौं बात के हो : तब सिंघ [illegible] दमनक कही राजा
गौलौं हौं जीवत हौं : तौ लौं तुम्ह [illegible] मति करौ : राजा अ ५८
पादेहु : जैसैं करटक आदि दे करि और सेवक बुला
यजे : जातैं आपदा मैं सेवकहू कौ येकत्र करिबो कठिन है : त
ब राजा दमनक करटक दोन्यौं बुलाय बहुत भांति सनमान

दीयौ:उन्हदानसंकहिराजातुम्हनिसचंतरहो:तुम्हारेनव
कौनासहमकरिहैं:यहकहिदोन्योचले:पैंडेमेंजात कर
कटदमनकसौंकही:मित्रइहिजयकौनासकाहेतैंकहै.
किनहीहोयइहबातबिनुबिचारेहीराजातैप्रसादक्यौं
लीयौ:जातेकारजबिनासंवारैंकाहूस्योंकछूनलीजे:आ
तैराजाकीकौमेलअमीवलैं:राजाकेप्रक्रमके मेंज
[illegible]राजाकेकोधमकालवस्तुहै:तातेजौराजाबालक
होयतबहूं:मनुष्यजाणियेअनर्थाहोतहै:आतेंय
कनुरै[illegible]दमनकहसीकरीकहामित्रचुपरहै:तुम
यकोकारणहैसुहमजांन्यौं:यहसिंघबरदकौसब[illegible]सु
निडरथ्योहै:बरदकौंहमहुआतहै:सिंघकौयहका[illegible]के
तीहै:करकटकहीजोऐसीबातहैतौतबहीवासौंकी

[illegible]कहीस्यौ:तबथेबहसिंघसुसलौवानिसचीतनयो:
जबमूसाकोसबदसुनेतबवलेपकरिनपूर्णोजेनुद:
आगेमूसाचूषकरिदुषीनयो:येकदिनचूपकेव्यापेमू
साबाहरिनिकस्यौ:चरनलागो:तबबिलावहिपकरि
मूसामारिखायो:पीछेसिंघमूसाकौसबदसुन्योनिस
चितनयो:तबविचारनलागौ:अबबिलावकोकछुको
रजनांहि:यहविचारिकरिबिलावकोषावकोनदे:त
बबिलावआहारबिनादुरबलहैमरनलागो:तातैंहौं
कहतुहौंयाकुंनिसचिंतनकीजेआगेदमनककरक
टकदोउसंजीवकनांमाबरदकेनिकटिगयो:जाय
करियेकरूपतरिकरकटगरबस्योवैठो:दमनककही
अरेबृषभसंजीवकयहसेनापतिकरकटपांवनकी

रथाकोराजापिंगलकरिसासोतेरेपासि॥ जोतूआवनमैं
रह्योचाहतहेतोवेगियहांआउ॥ नांहितोयहवनछांडिके॥
हरिकहुंजाहि तवयासुनिवुधिकरिहीनसंजीवककहय
सहितनेरैंआयकरिसंजीवनकोंकरकटकोंगुहारकीये॥
जातैंयहकहीहे॥ नीतिविषे॥ वलतैंवुधिकोवलअधि
कहे॥ विनिवुधिहाथिहुवांधियतुहे॥ अलमहावतकेमा
रेंचिकारतुहे॥ ~~जुआंनोवातकसेकहतुहैविनुवुधिसमा~~
~~नवलसाहोती~~हे॥ तवसंजीवककहीः सेन्यांपतिकहाअ
पाहोतहे॥ तवकरकटकहीजोयावनमैंरह्योचाहततहे
तो॥ वेगिजायराजाकेपांवपरो॥ तवसंजीवककहीःअ
भयदानपाउंतोचलौं॥ तवकरकटकहीतुयहडरछां
डिदे॥ जातैजोत्रिणकोमलहोय॥ असवायअतिप्रचं

डहोयतोत्रिणनंमिजाय॥ तिहिकोवायुनतोरे॥ जोरूषवडो
औरहेताहिमारिवायुगिरावे॥ तातेंवडोवडेहीसोंपराक्रम
करे॥ आगेवेदोउस्यालसंजीवककौंद्वारिराषि॥ राजाके
निकटिजायप्रणामकरिवेठे॥ राजापिंगलकोआदरसों
देषियहकही॥ देष्यौवह दमनककही हांजी देष्यौ॥ परुराजा
(आपके प्रतापकरि)
जैसोजान्यौतैसोहीवलीहे॥ तोहुहमारेकहेराजाकेपांव
देषतचाहतहे॥ राजासावधानहोयवैठिजे॥ औररराजासत
रहीतैंनडरिये॥ सवरहीकोकारणयेकवारविचारिजे॥
जातैंसवदकौकारणविचारेंयेककूटनीकीवडाईनई॥ ५६
तवराजाकहीयहकेसीकथाहे॥ करकटकहतुहे॥ श्रीसे
लनांमापरवतमैंयेकश्रीमंतनांमनगरहे॥ ताहिनगरकेनि २०
कट॥ घंटाकरननांमराष्यसरहे॥ तहांयेहुवातस्नतालोके

मैंकहतसुनीहैगुराब्यसरहतुहै।येकदिनघंटालीयेंचो
रचैडै।जातौमेंव्याघ्रमारिषायौ।तबवाघंटाबांदरन्हपा
ई:बांदरसबमिलिघंटाबजांवें:तबवांनगरकेलोग
मन्पभमास्यौदेषिघंटाकोसबदसुंनियहबिचारीजु
घंटाकरनरिसायकरिमनुष्यकौंषातुहै:यहजांनिनग
रकेलोगसबभाजे:मैंहतावदेषिकूटनीसबदकौकार
नबिचार्यौ:जोदेषतौबांदरघंटाबजावतहै:यहबात
सतिजांनीकरिराजासौंकही:राजाजीबहुतजोइब्य
रचैतौहुंघंटाकरनमारौं:तबराजावाकौवचनसुनि
कूटनीकौबहुतद्रब्यदीयौ:तबवहकूटनीबांदरकौं
कुधुषावेकौंसामग्रीलेबनमैंगई:बनमैजायजहां
लीपीकरिचौकेऊपरिबैठी:वहांसामग्रीबांदरन्हकै

आगैडारिदीन्हीं:तबबांदरांघंटाछोडिषांनलागे:तबव
हकूटनीघंटाले~~नगरमैं~~नगरमैंआई:राजा
कौदीन्हीं:तहांसबलोगवाकूटनीकीपूजाकरनलागे:ता
तैहौंकहतुहौं:सबहीतैंनडरीयै:पीछैंराजाकीआग्यापा
यराजाकौंसंजीवकआंनिमिल्यौ:तबसंजीवकउन्ह
सौंमिल्या:उहांहीरह्यौ:आगैहोतहोतयेकदिनिस्तबधक
रननामांसिंघराजाकौभाईआयौ:तबवाकौंआदरक
रिबैठाय:पिंगलवाकेअहारकौंपसुमारिबेकौंचल्यौ:
तबइहिबीचिसंजीवकबोल्यौ:राजाआजुम्रिगुमार्यौ
ताकौमासकहां:राजाकहीदमनककौजानहि:संजीव
ककही:बिचारीहौंकिनांही:सिंघहंसिकहीनहोयहै:
तबसंजीवकपुनिकही:राजाबहुमांसउनहीषायौराजा

कही पायाकै है कि परच्यो होय है: हमारै नीति याही रीति है:
तब संजीवक कहतु है: राजा सौं बिनु जनायें पात परचत है
सो यह अनीति है: राजा कही और कहानी कीकहतु है: सं
जीवक कहीयह ऐसी नलखीये: जातै सेवक ठाकुर सौं बि
नां पूछ्यां कछ कारज न करै: आपदा केवी तें बिनु पूछें
हुं करै तो चिंता नहि: और मंत्री ऐसो होय: जै सो कामदु
घु: संग्रह बहुत करै: परचै थोरो: जो येक लक्षण कौ ऐसे
कीये बिना गांवावै तो मूरख कहिजे: जै येक कोडी राजा
की बिरथा षोवै सु दरिद्री होय: और मंत्री सोइ नलौं जु
येक येक दंमरी करि राजा कौ भंडार बढावै: जातै केरा
जा के प्राण है: अरु प्राण हूं तैं अधिक राजा कौ भंडार
प्राण है: और धन हीतै नले मनुष्य राजा की सेवा करतु

है: धन हीन नले अर की सत्री हु छांडती है: और की कहा क
हीये: राजा मैं यह प्रधान कौ हूषण है: बहुत परचै अरु
रष्यान करै: अधरम करि धन उपराजै: भंडार दूरि रायै:
येधनु कै कारण है: जातै आपनो उपाउ बिनु बिचारें मा
अधिक परच करै तो कुबेर हुं कौ सो धन होय तो न रहै:
यह बात संजीवक कि [illegible] सुनी: कवंम करन कार्ही:
सुनि नाई भेदो उदमनक करकट बहुत दिन तें अधिकी
री है: अरु संधि विग्रह के करन हार है: सु द्रव्य कौ अधि
कारी न कीजै: और जु जैसी मैं सुनि है तैसी कहतु हौं: ५८
हम्ह एण पत्री सगो [illegible] अधिकारी न कीजै: जातै ब्राह्म
ण द्रव्य पायलेर है सु बडे कष्ट हुं न दे: पत्री मागतु है: हु
प्यार दिषावै: सगो सब लेर है तो जाति कौ नातौ धरम कौ

सेवक: जौ अधिकारी कीजे तौ अपराधहू कीये डरपांनौं:
स्वांमी की आग्या करि अपनौ विचार सौं करै: उपकारी जौ
अधिकारी कीजे तो वह आपनौ उपकार विचारि करि
[illegible] सब ले रहे: जो लरिकाई ते कछोटी [illegible] मित्र होय: सु
जौ अधिकारी कीजे तौ वह आपुही कौं राजा करि मानै सौ अ
रव न करै: कहै सु कहा भयौ: जे राजा भये हमारे संग खेलै
हैं: जातें सब वस्तु की वांछा करै: बुधिहीन होय: सु मकौ
भोग कुं चाहै: और की और करै: ये मंत्री के दोष हैं: जातैं
यह कही है: जो लग मंत्री बहु तुन पीडीजे: तो लगु अपनौ
द्रव्य न दे: जैसें दुष्ट दूषणां की पील बिनु चांपे न नीक
सै: तातैं बारबार अधिकारी कौ दंड कीजे तो द्रव्य देय:
जैसैं सनांन की धोती येक ही बार निचोरे सब जल न

छोडै: तैसैं ही बारबार निचोरैं तै सो जलु देय: यह
सब [illegible] जांणि करि जिहि समये जैसौ बूझीये तैसो करै:
तब राजा पिंगल कही यह तो है: ये दोउ मेरो कह्यो नांहि
मांनत हैं: तब स्तब्धकरन कही: यह तो न बूझीये: रे पु
नाई नीति विषे यह कही है: अहंकारी कौ जस जाय: वि
षमक पटतें मीत्री जाय: क्रीयाहीन कौ कुल जाय: लो
भी कौ धरम जाय: कुविसन तें ग्यांन जाय: नीच कौ कदरज
कौ सुख जाय: औरु जिहि राजा कौ मंत्री असावधीन हो
सता कौ राज जाय: जातैं जाकी आग्या नं गाँउ महमए
कौ मांन खंडन: सची कौ बिन सेजा सेती सो विन हथ्या
र कौ मारिबौ है: हथ्यार कौ कारज नांही: और जो पुत्र
हु आग्या न मांने तो राजा पुत्रहु कौ दंड करे: जो असी न

करेतौमनुष्यनकैराजामैं अरुचित्रविषैलिषियतुहैं
राजालामैविसेषुनांही जैसौचित्रकौराजातैसौहीअ
वहराजाऔरचोर तौअधिकारीतौसत्रुतैं आपनैंन
मीकीतैंअरुअपनेलोनतौराजाप्रजाकौकीरव्याक
रै नाईहमारेवचनसरवथामनमैंराषौ हमौंआजि
पायौहै यहथांनकौपांनहारौसंजीवकअधिकारी
कीजे यहसबबातसुंनिपिंगल संजीवककौंअ
धिकारीदियौ पीछैंपींगल अरुसंजीवकदोऊसब
बंधुछांडि बहुतप्रीतिसौं केतेककाल वरषसुषसौं
रहे आगेंजनयहसंजीवक औरसेवकनकौंपावे
कोनदे तबदमनककरकटदोऊआपमैंविचारक
रनलागे दमनककहीमित्रकरकटअनकहाकरियै

यहहमारौहीकीयौदोष तातैंअपुनेकीयेदोषकौपछितां
यबोनबूझीये येद्या तैंयेकैंकहीथीसुमैसुंनीजुसुंदरन
लेषाकौंछुईकरिदूतीमोहितकरी सेषिणिनेवेकी
ईछाकरी येतीनअपनेहीदोषकरिदुषीभये तबकर
कटकही यहकैसीबातहै दमनककहतुहै॥कांचन
पुरमैंवीरविक्रमादित्यराजाहै तिहिनग्रमैंराजाकी
आग्यातैं येकनाईमारिवेकौंलेचले तहांकंदप
केतुनांमासंन्यासीऔरयेकसाथसहित यहयेबातें
कहीअहोयहनाईमारिवेलायकनाहिं यहकहिनाई ६०
कौंवसत्रपकस्यौ तबराजाकेसेवकनकीहैतेमारि
वेलायकनांहिं तबकंद्रपकेतुकैंहतुहै सुंदरनलेषा
कौंछूइकरि संन्यासीहूती साधुऐतीन्यौं अपनेंदोष

तैदुषीजयेः तवराजासेवकपूछतहैं। कैसैंदुषीजयेः सन्या
सीकहतुहैः। सीघलदीपकौराजाजीमृतुकेतुरहैः ताके
पुत्रकंडपकेतुहैहोंः सुयेकसमैंकीडाकबागमेंठाढो
थाः तहां[redacted]केव्योपारीबागमेंआयेउतरेः तिन्ह
केमुषतेयहबातमैंसुंनीः जुइहिसमुद्रमेंअंधियारी
चौदसिकौयेककलपव्रिषप्रगटहोतहैः वाकेहेठमणिकी
किरणिकरिप्रकासतसेजपरबैठीः सवआभरणपहरै
रैंरूपमीसमानवीणांबजावतहैः येककन्यादेषियतु
हैः तवयहबातमैंसुंनीः सुनिकरिविचारतभयौः जु
कैसैंहुंदेषीजायः तवयहव्योपारीसमुद्रकेपारिः बोहि
थांचढिव्योपारकुंचलेः तवहौंवनहीवनियांकेसाथी
बोहिथांचढिचाल्यौः जातजातउसहीठौरगयाः वहांआ

येकरिकन्यादेषीः आधीदेहीपांणीमेंआधीऊपरिः वा
कीसुंदरतादेषिः बोहिथऊपरिपैवाकेलेनकौपैठाः
समुद्रमेंः आगेंसोनाकेनगरमैंघरमें[illegible]बैठीमें
देषीवउनेंहुं[redacted]देष्योः देषिकरिवोहीहूती परवाईः हूतीआ
ईः तवआवतहीमैंपूछीः यहकन्याकंडपकलिनामा
[redacted]समस्तविद्याधरकौराजाताकीबेटीरत
नमंजनीनामहैः यहछितोः त[redacted]सुनिकैंतवआपसमें
आन्यौः आन्यपीतिसनेहतैंब्याहकीयोः तवसौंहौंः
येकसमयेकीडाकरतहौंः तवयेकांतकोमोस्यौंउनि ६१
कहीः सुस्वामीआपुनीइछातैंमहासुषभोगकरोः
परयहचित्रमेंजुलिषीहैः स्वरनलेषानामाविद्याध
रीः सुइहकवहूमतिछुवोः सुयेकदिनहोतहोतरहि

१

नसको: कोतक तै वाके सामें छुये: तब उनि चित्र हूं नीतरि
तै अैसैं लात करि मार्‍यो: तै सेंहों सो रदद समै आय परो
तब तै हुं वाके बिरह के दुष करि सन्यासी भयो: यहा का
लि की रात्रि अहीर के घर मे सोवत मे महूर्त्त यौ: जु पहिलैं
ही सांझ अहीर [redacted] मित्र सौं मिलि: मद पीवत आपुनी स्त्री
कूटनी सौं बात [redacted] कत देषी: तब वा अहीर [redacted]
मारि थांभ सौं बांधि आप सोय रह्यो: तब आंधी राति
नांयनि कूटनी आई: वा अहीरी सौं कही [redacted]: अहो सषी
तेरे बिरह करि वह [redacted] पुरष मूर्च्छा भयो है: जातै चंद्र
मां के उदय तै अंधकार बितीति भये तै कांमदेव जो व
नवंत न को: ताकि ति सौं [redacted] मारतु है: तातै इहां थां
ब सौं मोहि [redacted] बांधि करि तू वाको मिलि मनाय आवै:

५ पाछे अहीर मूरि कों पगया: तब
तब [redacted] हि कूटनी बांधि अहीरी गई: पाछे विणक मे
[redacted] अहीर जाग्यो: जागि करि यह बात कही: क्यों अब जा
र पासि काहे नांहि जातु: तब यह बात कहे ते न बोली: तब
उनि कही क्यों तेरो ग्रन लयो है: सु तुं मेरे बुलाये नांहि बो
लत: यह कहै यौं वा: छुरी करि नाक काट्यो: पीछैं अहीरी
आय वा सौं कही दूती कहा समाचार: तब दूती कही मेरो
मूंह जु कत है देषि तो नांहि: तब अहीरी आपकौं बांधि
वह छोडि दीन्ही: वह नांयनि काट्यो नाक आपने घरि ६२
ले गई: तब प्रातही नाई स्यो छुरी [redacted] मांगी: तब [redacted] व
कौ छुरो ले आणि दीयो: तब वहि नांयनि रिसाय कैं छु
रा घर मैं डारि दीयो: तब वा नांयनि पुकारि कीः इहि

२ बिनिअपराधहि मेरौ नांक काट्यौ: नांक हाथ ले चौंतरे मु
कारी: आगें वह अहीरी अहीर के कहें पूछें यूंही: अरे पापी
औसो कौन है: जु मो सारिषी पतिव्रता कौ कलंक लगा
य सकै: अधिक कहा कहूं: मेरो व्यौहार आवौ लोकपा
ल जांनत है: अह देवता आगो मेरो धरम जांनत है: जैसी
मैं हौं: कौन देवता: सूर्ज: चंद्रमा: बायु अगनि: दिन रा
ति: दोन्यौ संध्या: ये सब मनुष्य के चरित्र कौं जांनत हैं:
तातें दषु मेरो मुष: जे हूं पतिव्रता हूं तो मेरौ मुष जैसो
हुतौ: तैसो ही दषि हो: तब यह सुंनि अहीर दीवा जारी
मुष अहीरी कौ देष्यौ: जैसो हुतौ: तैसो ही देषि वाके पांवां
परयौ: यह तौ असी भई० अब यह साधु मेरे संगि है ता
के सभा चार सुंनि: यह साधु मरते निकस्यौ: निकसि ब

रहें बरसि: इहि नगरी बहुत इव्य लै आयौ: यहां आय राति
बेस्यां के घर रह्यौ: जह बेस्यां अपने घर के घर मैं कलंक
रि का ठयौ [illegible] बेताल बनाय करि वा कौं
३ थूं परि ये करतन बडे राष्यौ: वा रतन के लोभ तैं यह साधु
आधी रात्रि उठि करि वा रतन कौं हाथ पसारि: रतन लैबें
लागौ: तब रतन कौं छुवत ही: बेस्यां कलछि रकौ थो
छिर का वत ही वाके दोन्यौ हाथ कल करि बांधे गये: त
ब यह साधु पीड्या करि दुषी नथौ पुकारि उठ्यौ: तब वासुं
कुटनी कही: पुत्र मनुष्य परवत तैं कु मास आयौ है: [illegible]
[illegible]: सु सब सिद्ध भरतन जो कछु है: तैसब देहु गोत
ब छुटोहुगौ: नांतर यह समस्यो हरांम जादो छै: सु तुम हि मा
रि डारिहै: तब सि निस ब रतन ड भरदीयौ: अब यह सर्वस ६३

४०

षोयकरिहमारेसाथलाग्यौकैः यहसमस्तवार्त्तासुंनिसजी
केसेवकन्ह न्याउ[illegible]स्यः तातैहौंकहतहौंः इन्हौंआप
नेंहीदोषतैंकष्टपायौः तैसैंयहहमारोहीकीयौदोषहै
यहादुषनकरियेः तबकरकटघडीयेकबिचारिकही
मित्रदिनचारिदषोः कैसैंहोतहैः दमनकबोलेः किंस
मतिकरोः जैसैंमैंयन्हसौंप्रीतिकरवाईहैः तैसैंसुहृद्भे
दकरिकेबैरकरवायहौंः जैसैंबडेचतुरकूढीयौवातस
चीकरिदिषावैहैः जैसैंचतुरचतेरेसमसानमिकीसांम
ग्रीउंचीनीचीचित्रमेंलिषिदिषावैंः तातैजाकीबुधि
कारजकीबीरियांनघटेः सुप्राणीआपदाकौतिरैः जैसै
अहीरीदोयजारः बुधिकरि[illegible]दषलहीः धरमैंतैं
तबकरकटकहीमित्रयहकैसीकथाहैः दमनकक

हतुहैः द्वारिकानगरीमैंकोईयेक. अहीरकीबहूवि
भचारणीरहैः सुवाँहनगरकेकोटवालस्यौंअरुकोट
वारकाबेटासौंरहैः जातैं अगनिकाठकरित्रिपतिनहो
यः समुद्रनंदीन्हकरित्रिपतिनहोयः जमप्राणीन्ह
करित्रिपतिनहोयः स्त्रीपुरषन्हकरित्रिपतिनहोयः
औरदांनकरिः हथ्यारकैंस[illegible]करिः सासत्रकरिः सा
सत्रकेउंदेसकरिः इन्हमैंकाहुकरिः स्त्रीन्हकीरष्या
नकरीजायः बहयेकदिनकुटवालकेबेटेसौंः अही ६४
रीबिलचारकीऊकरबरहीः तिसहीसमयेकुटवालै
आपुआयौः तबकोटवालकौदेषिः कोटवारकोबे
टेकोठीमैंराष्योः राषिकोटवारकौजीनसौमनायौः पहि
वीचिअहीरीकौषसमआयौः वाकौदेषिअहीरीकही

कोटवाल तुं भये कनौडी सांथिले करि रिसाय यहां तैंनि
कसौं कोटवाल तैसी ही करी: करि अपने घरि गयो लाल
ब अहीर स्त्री सौं पूछी कुटवाल हमारे द्वारे तैं रिसाय
जातु है सु काहे तैं. तब वह कहै ती है. कोटवाल कौं नहु का
रण तैं अपुनो बेटा उमरि रिसानो: तब वह मारिबे कौं
पाछैं लागो: तब कुटवाल के बेटा मारन के डर: हमारे घर
आय बैठो: वाकौं मैं कोठी मैं लुकाय राष्यो है वह यहां तैं
बेटा कौं बिनु देषे रिसाय जात है: यह कौं है वाकौं ठी
तैं काढि षसम कौं दिषायो: जातैं इहि नीति विषे ऐसी
कही है: जु स्त्री नहु कौं पुरष तें भोजन दूणौं: बुधि चौग
णी: बल छह गुणौ: काम अठगुणौ: तातैं हुं कहतु हौं
कारज की बेलां जाकी बुधि फुरै सोई भलो: तब कर

कटक ही: मित्र है तो ऐसी भी तहुं ई[illegible]नहु की प्रीति
बहुत दिन की जंभी है: तक सैं छूटि है: दमनक कही: उपा
य करि छिजाय है: जातैं जु कारज उपाय करि होय सु ब
ल तैं कबहुं न होय: जैसे येकै कागली सोनें के सूत्र कै
रि सांप मरवायो: करकटक ही यके सी कथा है: दमन
क कहै तु है: कौन यक रूष ऊपरि: येक काग अरु का
गनी रहै: सु वा रूष के षोहरा मैं येक कालो साप रहै:
सु उह काग के बालकन कौं षावो ही करे: जब कागनी
कौ प्रजन बहोरि रह्यौ: तब उनि काग स्यों कही: स्वामी ६५
यह रूष छाडि: अन्यत्र वासु कीजे: यहां इहि कालो सा
प है: हमारी संतति नउ बरि है: तातैं दुष्ट स्त्री: कपट मि
त्र: सेवक उत्तर देयै: जिहि घर मैं सांप रहै: ये च्यारयौ

भितुके कारन कहे। तब काग कही। ऐसे जिये तुं मति डरपैं
। बहोत बार या कों अपराध मैं सह्या है। अब हौं या कों
मारि हों। तब कागनी कही। यह महाबली सरप है यासौं तु
म्ह बैर कैसे करि हो। काग कही तुं या चिंता मति करै॥
जातें जाके बुधि है ताकौं बल है। जाके बुधि नांहि ताकुं
बल काहे कौ। जातें बुधि ही के बल। महाबली सिंघ सु
सैं बुधि ही करि मार्यो। तब कागनी कही यह कैसी कथा
है। काग कहतु है। मंदार पर बत ऊपरि येक दुरदंत नां
मां सिंघ रहे। सु सब पसून कौं मारत रहे। तब सब पसू
मिलि। सिंघ सौं जाय बीनती करन लागे। मिरगराज सुनौं।
तुम्ह सब पसु काहे कौ मारत हौ। तुम्हारे अहार कौं
येक येक पसु नितिहं महि आंणि देहिंगे। तब सिंघ का

सिजली बात। ऐसी ही होय। तब येक येक पसु निति ही
सिंघ षाय रहे। तहां येक दिन बूढा सुसा की बारी आई।
तब उहि सुसै बिचारी। हौं जीवत ही डरकौं त्रास दूरि करौं।
यह बिचार भलौ है। जो मरण निश्चित है। तौ हौं सिंघ
सौं दीनता चाखौं सु काहे कौं। यह बिचार करि हलवैं
हलवैं चल्यौ। तब सिंघ कही रिसाय करि काहे तैं तुं ब
हुत अबेरौं आयौ। सुसै कही। मेरौ अपराध नांही। मा
रग मैं और येक सिंघ मो कौं पकरि राख्यौ। मैं वासौं अने ६६
क सौंह करि कैं तुम्ह सौं कहेन कौं आयौ हौं। सिंघ यह
बात सुनि रिसानौं। क्रोध करि कह्यौ बेगि चल। यह क
हां है। मो कौं दिषाय देहु। तब सुसा वा कौं लेगयौ। ले जाय
गहरा कुंवा ऊपरि ठाढौ कीयौ। सुसै कही या भीतरि है देषि

५८ सिंघकीपरछांहीदीषाई॥तबवाहिसिंघरीसकरिबिनु
(सो का मीहुन आपनो पुत्र.अ.पातीन देषो॰)
बिचारेंहीआपुहीपरछांहीकों औरसिंघजांनिःवाके
मारिबेकोंःकूवामेंपस्योःपरतेंहीमूवोःतातेंहोंकहत
हौंःबिनबिचारेकाम न करियेःअरुजाकेबुधितांहीकों
बलुःतबकागलीकहीसुनौंमेंसुयहांउपावबूझियेसुन्न
हेःतबकागुकहतुहेःईहिनिकटहिकैःसरोवरमैंराजाकौ
बेटोसनांनुनित्यहीआयकरतुहेःसुवोहसोनांकीसां
कलीउतारिसरोवरकैतीररापैःसालेकहिसरपकोषो
टरेमैंनाषौःवहजबसनांनुकरननागोःतबसोनेकीसा
कउहिउतारिधस्योःइहिबीचिकागनीवाहसांकलीले
आईःआंनिकरिसांपुकौषोटरेमैंघरीरूबपरिबैठीः
तबराजाकौपुत्रदेषैतासांकलीनाहीकागलेगयोःतु

बराजपुत्रकेसेवकषोजनलागेःषोजतषोजतषोंटा
रेमेंसांकलीदेषीःअरुसांपदेष्योःतबसांपकौंमारि
सांकलीलेआये॥तातेंहोंकहतहोंउपायकरिहाय
सुआक्रमतेहोयनाहीःतबकरकटकही जोऐसीहेतौ
जाहुपेंडेमेंतुम्हकौंकुसलहोःतबदमनकचल्योः
पिंगलककेनिकटिजायजुहारकीयोःराजाकीआग्या
पायबैठोःबैठिकहवातकहीःराजाजद[illegible]तुम्हहंमकों
नांहिचाहतःतबहीतेंहमारोअपमांनहोतहेःतौहौंतुम्ह ६१
कारजपायआयेहेःजातेंजदपिजाकोआपदाहोयः
जबराजाअमारगचलेःअरुजबकीकोकारजकोसमौ
टलतजाएँःतबसेवकराजाकौहितुहोयःसुबिनुपूछे
हीराजासोंकहैं औरराजाभोगकरिबेकौं[illegible]कारिज

मंत्री

करवेकोजोराजाकोकारजमंत्रीनस[redacted]दै[redacted]तोमंत्रीकों
हाथआवे:जातेदेषुमंत्रीन्हकोयहव्यौहाररहे:प्राण
जाय.अथवाकोउआपनेमूंड़काटैमंत्रीसोउसहैजे
बकोउराजाकोराज्यलीयौचाहेतोयहबातसुनि.मंत्रीचु
पनहोयरहे.राजासोंअवसिकहे:तबपिंगलआदरसौ
[redacted]पूछतहे:तुम्हकहाकह्योचाहतहो:
दमनककही:यहसंजीवकतुम्हस्यौंजैसीनबूझियेतैसी
कीयोचाहतहै:कहतुहराजाकोप्रतापउछाहमंत्रनास
कहै:यहकहीआपुहीराजानयौचाहतहे:यहसुनिराजा
भयसहितचुपकेरह्या:दमनकपुनिकही:राजातुम्हस
बमंत्रीबिडारिकरियहयेकसरबपअधिकारीकी
यो:यहतुमभलीनकरी:जातेजनमंत्रीबहुतबाढे:

अरुराजाबहुतबढे:तबलछमीदोयमहिं:येककौंछो
जातेसचीकेकहेबहुतजातमनसहोजाय:औरजोराजा
येकहीमंत्रीकोप्रधानकरेतोवामंत्रीकोंअपांमउप
जे:अपपानतेग्रब:ग्रबतेआलसउपजे:आलसतेराजा
केकारजमेबिकतहोय:तातैराजाकीइछाहोय:राजा
कीइछातेराजाकोमारे:औरविषमिल्योअनःखोरते
चल्योदांत:दुष्टमंत्री:येतबहीदूरिकरिये:औरजोये
कहीमंत्रीकोआधीनह्वैराज्यकरेतोवाकोबिगरैराजा ६८
आपदा[redacted]करिदुषपावे:जैसेअं[redacted]दूसरेमनुष्यबिनाचे
लिनसके:औरमंत्रीजोबहुतबढाइजेतबपुरोताके:
जातैप्रभुतातैबिकारउपजे:यहसंजीवकअपनीइछा
तैसबकारजकरतुहे:यहबातऐसीनबूझिये:आगैं

राजाजु तुम्हारो बिचारु सोई प्रमाण: जातें श्रेसो पुरषलोक
मैं नाहि जु लछमी बांछ: अरु पराई तरुणि सभी कौं सकौ
मि होय न देषे: तातें वह तेरो राजपत्नी यों चाहत है: तब सि
घ बिचारि कही: है तो श्रेसी ही: तोनी संजीवक ऊपरि मेरो
बहुत सनेह है: जातें जा अपनों प्रिय है सो जो कपट यौं
करें तो प्रिय ही है: श्रोर जो बुरो है तो प्रिय होय: सु अप्रिय
क बहू न होय: जैसें अगनि जो घर जलावें तो हू वा अग
नि बिना न सरें: दमनक पुनि कही: राजा यो ही तो दोष है:
जातें जाहि कौं राजा बढावें: बहुत मया करें: ताही कौं
लछमी [illegible] बेटा होय: मंत्री होय: के श्रोर कोउ होय:
सो ही ठाकुर जाकौं राजा बढावें: श्रोर सुनौं जु बात
सुनत नीकी लागे: सुजे निकी बात हित होय सो हि कि

ह: नीकी बात कौ कहन हारो: श्ररु सुनन हारो: जाहां
हों हित तहां आगें बहुत संपदा पावे: राजा जु म्हधरके सब
कै सब छिडाय: वह परदेसी कौं सब अधिकारी कीयो सु
ये हन बूझिये: जातें बिद्या सों श्रोर बंधु नांहि: ब्याधि सो
श्रोर सत्रु नांहि: पुत्र कौ सो श्रोर सनेह नाहि: आपको सो
श्रोर बलु नाहीं: राजा सुनौं: घर के सेवकन के अपराध
तें जु श्रोर कोउ परदेसी आनि निवाजिये तो सब धाराम
मैं नेद उपजे: [illegible] सिंघक हतु है: यह बडो आश्चर्ज ६९
जाकौं मैं निवाजो: इहि भांति म[illegible] करो सु मेरो के सो
करि है: दमनक कही: राजा कि[illegible]नी [illegible] करीये तो
नीदुरजनु आपणी प्रकृति न छांडे: जैसें [illegible] कर की मूं
छ [illegible] तेल लगाय जे तो नीट [illegible] तें सूधी न

होयः औरनीचकौं अधिककरिवढायजेः बहुतसनमान
करियेतोहूनलीनताकेः जैसैंविषकौं रूषः अंम्रितक
रिसींचिजेतोहूनींबोफलनफलेः तातैंहौंकहतहौंः जा
कौभलौवांछियेः ताकौंबिनुपूछेंहुंहितुकहिजेः सत्पुरुषा
षकौधरमहैः जातैंनीतिविषैंयहकहीहैः सनेहीसोईजु
आपदानिवारैं करमसोईजातैंअपजसनहोयः सचीव
सोईजुआग्यामैंरहैः बुधिवंतसोईजाकौंसाधुआद
रकरैंः मंत्रीसोईजुगरबनकरैंः सुबुधिसोईजुति
सनांछांडे मित्रसोईजुहितकारीहोयः पुरषसोईजुजि
तेंद्रीहोयः वचनसोईजुप्रतिपालकैः दांनसोईजु
निहकपटदीजेः धरमसोईजु प्रांणीविषेंदयाः तातैं
राजासंजीवकतेंउपज्यौसुषसुओत्पन्नहोयः वि

नासंनकरैःतौहमारौदोषनाहिंः आगैंराजाकौंमनजोगमे
आसक्तह्वैकरिअपनैं[illegible] अरुहितुनजांणैंआ
पुनीहीइछ्यामांतौहाथीसौरहैः तबअहंकारकरिज
बदुषपावेःतबसबकन्हकेमाथेदोसुदेयःअपुनी
अनीतिनजांणैंः यहसुनिपिंगुलकअपनेंमनमैंबि
चारतभयोः तौजीऔरकेकहैंअपनेंबिनबिचारैंप्र
सादतथादंडनकरैंः आपबिचारिदंड कीजेप्रसादकीजे
जातेंगुणदोषबिनुबिचारैःकाहूकौंसास्तीप्रसादनकीजेः ६०
जैसैंप्रबलै[illegible] सरपकेमुषमैंहाथकोउमेलैं
तौ वाहीकौनासहोयः अबजोप्रगटकहतहौंः संजीवककौं
यहांबुलाईः दमनककहीराजाआकेंबुलायःमंत्रनर
कैहैःजातैंसुषकमंत्रीकौंभीजुनीकारापिजेजातैंजोबी

जु थारो जु करै तो अंकूरकौ नकरे: और मंत्र सबहि अंगकरि
सुपतहोय: तौ बहुतकाल न रहि सकै: जैसे कातरु जो आस
न अंगसंजोग तै हैः सत्रु के उर संग्राम बिषै बहुत काल
रहि न सके: आगैं जिहि सेवककौ दोष देष्यो होय तो वाकै
वहे दोष बिन छुडाय जो वह बनाय जैसो यह नीति न होय
[redacted] तै येक बार जिहि कौ दोष देषि जे तासौं जे दूस
रे प्रीति कीजे तौ मरण पावे: जैसे षचरी गरभ न जैसे मरे: औ
र अंत हकरण दुष होय: ऊपरकी बातैं मिल्यो रहे: तातैं सब
अनरथ उपजे: जैसे सकुन राजा हंस को मंत्री: तब सिंघ
कहि वा परोये हमारो कहा करि सकै: दमनक कही:
याकै अंगि प्रसंग बिनु बिचारे कैसे कही जाय: आगैं तैं
छोटो उ बडो कारज करे जो तौ दषु: येक पपीहा तिहि समुद्र

व्याकुल कीयो: सिंघ पूछी यह कैसी कथा है: दमनक कही सुनो:
समुद्र तीर येक पपीहा स्त्री सहित रहै: तहां वाकी स्त्री प्रसु
त समये भरतार सौं यह बात कही: स्वामी मोकौं आंडा राषिबेकौं
ठौर नीकी सी करो: तब उनि कही यह ठौर नीकी है तब स्त्री कही
यह ठौर समुद्र की लहरि आवती है: तब पपीहा कही हम कौं
हमरे कौं उपाय करिकै दें गे: तब स्त्री हंसि
करि यह कही: स्वामी तुम्हस्यौं अरु समुद्रसौं बहुत बीच है: तु
म्ह समुद्रसौं कैसे बैर करो गे: औ दुष बिना सकरन कौं मेरी ७१
सकति हे: यह बिचार करि कारज करे सु कष्ट न
पावे: तब भरतार की आग्यतैं उहां ही आंडा राष्या: तब
समुद्र हू पपीहा की सकति देषन कौं आंडा लहरि मैं बाहे:
तब वह स्त्री सौक करि भरतार सौं कही: बडो कष्ट भयो:

अंडानासमुद्रलेगयोः तबपषीहाकही स्त्रियातुं मतिकरपे॥
आंडाहोलेआयहोः येकहिसबपंषीयेकत्रमिलायकरि
गरुडस्योंकहीः गरुडश्रीनारांयणसोंकहीः तबश्रीनारांय
णकीआज्ञापाय समुद्रअंडआणिदीयेः पषीहासंतोषपा
योः तातैंहौंकहतुहोंः अंगप्रसंगबिनुजांनेंपराईसकतिन
कहीजायः तबराजाकहीहमकेसेजांनैंहिगेजुहमकोंयह
वतु मारनआयोहेः तबदमनककही ... पिंगलकेआग्रतुम्हारें
सन्मुषकरि पूछउठायः आंषिघुरीआईहैतबहीजांनिहौः
तबदमनकराजासोंबतनीकहि संजीवककेनिकटिगयोः
जहांहलतैंहलतें मुषसुंषायवाकेनिकटिगयोःउनिसं
जीवकआदरसोंदमनकपूछोःमित्रकुसलहैः दमनक
कहीः परसेवककोकहाकुसलजातेंसंपतिपरायेआधीनः

चितकबहुं सथिरनांहिःअपनेजीवहुंकीप्रतीतिनांहि
बिसेषकरिजुराजाकेसेवकहौंहिःतिन्हकोंचितकबहुंसथि
रनहोयः औरद्रव्यपायकेंकौंनकौंगर्बनभयोःसंसारीऐसे
कौंनहैःजाकेआपदानभईःकौंनकोंमनस्त्रीन्हकरिनां
हिहस्योःराजाकौंकौंनप्रियमित्रभयोहैःकालकरिऐसा
कौंनजुनांहीग्रस्योःऐसोकौंनजाचकहैःजिहिबडाईपायी
हैःदुरजनकेफांसीमेंपरिकैंकौंनछूटोहैः तबसंजीवककही
मित्रकहौतौःदमनककहतुहैःमित्रहौंभागिहीनहौंःजैसें ७२
देषिसमुद्रमेंबूडतसांपअवलंबनदेषेःदेषिकरि नप
करिसकैःनछांडिसकैःतैसैंहौंनकाहिसकौंनबिनुकहैं
रहौंजायःजातेंजौंकहौंतौतेरोबुरोहोयःजौंकहौंतौराजाकी
हमरीप्रीतिजायःतातैंकहाकरौंकहांजांउंदुषसमुद्रमें

परयाः यहकहि सांहस छांडि बैठो तब संजीवक कही मित्र तो हौं
मनकी बात प्रगट कहो दमनक कहै रे हौं इ कांनमें कही नहीं सिर
जाकी बात न कहिजे तौ हु तुं मेरी प्रतीति तैं यहां आयौ है मेरै प
सिर ल्यो है ताते हौं आपनो परलोक राषिबेके निमति तो कौं हित
जानि कहि हौं सुनि यह ठाकुर तेरे उपरि कुदृष्टि भो कोंय
कांत यह कहतु भयो जु आजि संजीवक कों मारि सब परिवा
र त्रिपति करिहो यह सुनि संजीवक बहोत उदास भयो दुषपा
यो दमनक पुनि कही दुषमति करै जो कछु आगे बूझि
येसु विचार करहु संजीवक येक घ्यण बिचारि कही अ
सेयह जि हि कही तिन नली कही जाते स्त्रीनी चहीस्यो रमैं
अरु राजा कुपात्रही कौं बढावै धन कि पणही के रहै मेघ
प्रहार ऊसर में बहुत बरसै मन मैं बिचारतु भयो यह

दमनक आपही कहतु है कि धौं राजा को बिचार है यह बात जा
सी न जाय जाते उतम आ सिरो पाय के बुरो न लागत है
जैसैं मलीन काजल स्त्री के नेत्र मैं नीको ही लागत है अथवा रा
जाही कही है और सेवक सावधान होय सेवा करे तो सेवा
करतहु राजाकै क्रोध उपजै यह आश्चर्ज नाहि जाते देव
ताहु की प्रतिमा सेवक कौं थोरे अपराध क्रोध करै ताते या
बातको उमावनाहि और जु कोउ कारण पायें नाथ परु जो
बिनु कारण ही क्रोध करै ताकौं मनुष्य कैसे प्रसन्न करि
सके यह मन मैं बिचारि दमनक सौं प्रगट कहि अहो मैं राजा क
कौ कहा अपराध की यो है जाते राजा तुम्ह सौं असी बात क ७३
हि अथवा राजा बिनां कारणहुं बुरो करै दमनक ही यहतौ
नली जांणी सुनः राजाकी सेवा अति कठिन है जोगी स्वरमहू

सोंन मिलवहै जातें नले चतुर मिंत्रनुकों कीजे उपगार बुलोक
रिजांणे हि अरु और कों कीयाअपकार हुंकों कोउ दुरजनलोक
रिजांणे हि तातें राजा को मन कादूकरि बसिकी मांनजाय
और असाधकों सो उपकार करियें तो आबिरथां मूरषकों
सो हितवचन कहिजे ता अरथा दुश्रमपांन करे तासें सोवा
र कहिजें ता अरथा जाके विचार नांहि ताकों सोजोवनती
कुधिसिषाय जैता अरथा और चंदन के रूपमें सांप जिहि
पांनीमें कमल तहां ग्राह है गुंणकों नासकरणहार मूरष
तातें जहां सुष तहां दुष है दमनक कहीयहठाकुरबात है सर
सुंमन में कुटिल पहमें जांनी जातें आसत देषि दूरि ही ते
हाथ उठाय आंषि बिषें आनंद के आंसू आंणि कछू आ
सनबैठिबेको वारिदये और गाढे आलिंगन दे प्रियबार

ता आदर सों पूछिले मन नीतरि अतिकपटी वाहरि सीठाम
यामें अति चतुर यह ओर सो दुरजन न रूप स्वनां चुकें होते
सीखौ है देषु जातें समुद्र तिरिबे कों जिहाज अंधकार कों
दीपक गरमी को बीजनां मांता हाथी कुं अंकुस इहिनांति
कुं वस्तु नांहै जाकों बिधातें उपाव नांही करि दीयाहै पर
दुरजन के चितकी वृति नासिबेको उपाव बिधाता हू
करि नांहि सक्यो यह मेरे मनि आवति है तब संजीवक क
ही स्वांन कों बांणहारो कहां तें सीध कें पासि मरयो हम कों तो
बडो कष्ट भयो पुनि मन में विचारी राजा मोस्यों काहे ते
रिसांनो राजा सौं सदा डरिये राजा को चित मंत्रीसों नगा
सतो कौं न मिलाय सकै जैसें फटक कौ कंकण फूटै तो
कौंण जोडि सकै और वज्र कौ तेज अरु राजा कौ तेज यें दोउ. ७४

सबतेंकठिनहैता मैवज्ञयेकहीकोंमारेः दूसरोसजाकोतेज
कुलग्रामदेसक्षबहीकोंमारेः तातेसंग्रामकरिमारिजेसुज
लोः अथवासोंहीनताकीजेसुलखीनांहिः जातेसूरिमांकी
दोसबातलगीहैः जीतेतोआनंदभोगवैः अरमूरैतोस्वर
गजामवैः अवयहजुधकोसमयहैः जातैजोजुधनकरिये
तौसंदेहहैः आपनाकोंमारियेकेवहआपकोंमारैः संजी
वककहतुहैः हौंजानितुकेसैंजु माकोंमारिहैः तबदम
नककहीः जबवहकोनपूंछउठाय मुषपसारितोकोंदेषेः
तबतौतैजुपराक्रमबूझियेसुकरियेः रषुबलवंतोः
तेजकरिहीयतोअवग्याकोंपावेः जैसेंतेजअगनिकौ
मिटिजायः तबरामकोंसबैनिसंकछुवेः येबातैसबगु
पतहिकरियेः नांतरनाहमनतुम्हः येकहिदमनककर

रकटपालिगयोः जनिकहीकेहाकरिआयोः दमनककही
दूह्स्योवेरकरायआयोः करकटकहीयामेंसंदेहकहाः जी
तेंदुष्टकोंवसुः बहुतमांगेंकौननहींलियावताः धनकरि
कौनसुषपायोः मौंनतेकोनुपंडितनहोयः औरघनोहोय
सोउअसाधिकेसंगतिअसाधहोयः तातेंदुष्टकोसंग
कहानकरैः दुष्टकोनबुराईनकरैः जैसेंअगनिजहांरहै
सोईठोरजलावैः आगेंदमनकपिंगलकैंनिकटिजायः
यहकहीः राजाआयोहैः वहपापीतुमसानमांनहोयवैं ७५
वैठोः यहकहीः जैसेंसंजीवककोंकहीः हौंतीतिसीहीजं
लसिंघुबैठाम्यौः संजीवकआयकरिदेहैः जातिसिंघ
कौदेष्यौः देषिकरिजथासकतिपराक्रमसिंघसोकीयोः
तबदूनहुंसोंपराक्रमप्रबलकरिसंग्रामभयौः संग्राम

हातहातसिंघ हि संजीवककौ मारयौः आगैं संजीवककौंम
रिकछुसोकमांनीरह्यौ तबसैंनौंनदारुणकरमकीयौ
जातैंसबमिलिराजाकौ नोमकरैहैं पापराजाकेंमाथेः जा
तेंधरमकेछांडें राजहोयः जैसैंसिंघहाथीमारैंम्रिगराज
कहावैः औरनीकीं लूंमिगयेः अरुनीकोसेवककावेःबडी
हांणिहोतहैः तौहुनुंमिऔरहोयः नलौसेवगवहुरिनहोय
तबरमनककहीः राजायहकहांकीनीतिहैः सुसत्रुकौंम
रिकेंपछितावतहोः अहवातनबूझीयेः जातैंपितहोवःपु
त्रहोवःअथवाभाईहोवःमिंत्रहोवःजोराजाकेंमारिवेकौं
चाहेतौराजाउन्हकौंसरबथाकेंमारैंः औरजौयरमात्मां
होयःसोउअतिदयाकरैंःजौअतिदयाकरैंःताकौंहाथ
हुंकौद्रब्यकोउछिनायलेयः औरसंन्यासीकौंसरबत्र

छिमांहीगुणहैः राजाजौपराधीकौछिमांकरैतौदोषहैः औार
राजाकेलोभतैंः अरुअहंकारतैंजौस्वांमिकौठकुरायतीली
यौचाहैःताकौंमरणकेअनंतनरकप्रापतिहोयः औरराजा
जौदयावंतहोयः ब्राह्मणसबैवस्तुपायःसत्रीबिनना
रणीहोयःसेवकसत्रुहोयःमिंत्रदुष्टहोयःअधीकारीअ
सावधानहोयःजौकीयौउपकारनमांनैंःदेवताब्राम्ह
णकीनिंदाकरैंःयेसबदूरिहीतैंछांडिये; औरराजाबिसे
षतैंछांडियेःजातैंराजनीतिराजाकीऐसीजैसीबेस्यांः ७६
कबहुंकठिणःकबहुंमोकलःकबहुंझूठकहैःकबहुंस
त्यकहैःकबहुंदयावंतहोयःकबहुंनिरदयाहोयःकबहुं
लोभीःकबहुंदाताःनित्यहीखरचःबहुतचाहैःसरबदा
बहुतमिंत्रचाहैःबिपुलधनचाहैःइहभांतिअनेकरूप

८ राजाकरेतोहीसुषपावै:सिंहआंतिदमनकके समझाये
सोकछांडिलियसिंघासनपरबैठौ:दमनकसंतोषपाय
करि[redacted]कही:राजातुम्हारोराज्यहोय:अरुसबलोक
कोकुसलहोय:यहकहिसुषसोंराज्यकरनलाग्यो:तब
बिसनुश्रमांराजपुत्रन्हसोंकही:सुह्रिद्भेदसुन्यौंतु
म:राजपुत्रन्हकहीसुन्यौ:जीवबहुतसुषनयौ:बिस
नश्रमांकही:औरयहहोउ:तुम्हारेसत्रुकेघरिसुह्रिद्
भेदहोउ:सत्रुदिनदिनछीणहोय:साधुन्हकौसदासु
वसुषहोय:बालकयह[redacted]रूप:बागमैसदापेलौ:
इतिश्रीहितोपदेसग्रंथेसुह्रिद्भेदोपाख्यानेमद्वितीयसमुद्देस:
॥२॥
आगेजबबिसनश्रमांऔर[redacted]बिचारकीयौ:तबरा

जपुत्रन्हसौंकही:तुम्हहिंमीलैसोआगैसोईकहौ:बिसनश्रमां
कहेतुहे:बियहसुना:हंसमोंऔरमोरसोंजबबैरउपज्यौ:तब
काग:[redacted]हंसहरायौ:तबराजपुत्रन्हकहीय
हकैसीकथाहै:बिसनसरमांकहतुहै:ष्यकपूरदीपमेंपद्म
लीनांमासरोवरहै:तहांहिरन्यगरवनांमाराजाहंसरहै:सु
सबजलकेपंषीन्हमिलिराजाकीयौ:जातैजहांनीतिको
ग्याताराजानहोय:तहांकीप्रजानहरहाय:जैसैसमुद्रमैं
जिहाजबिनुक्रियानष्टहोय:औरराजाप्रजाकीरछ्या ७७
करै:प्रजाराजाकोबढावै:बढायबेतैराषिबोअधिक
जातैराषियेनहीतौबढाबैकहा:येकसमयेवहराजाहंस
वईसोने[redacted]कमलऊपरिसुषीबैठारहै:परिवा
रसहित:तहांकोईनंदीपतैदीरघमुषनामयेकबुगलो

७७

आय प्रणाम करिबे हो: तब वाकों देषि राजाहंस कही: हीर
मुष तुम्ह हरिदेसतें आयो हो: वहां के बसेष समांचार कहो:
हो: तब बगुला कहतु है: राजा हूं सेक बार तहुं कहन तुम्ह
पासि आयो हो: तुम्ह सुनों: जंबूदीप में बिंध्य नांमा पर
वत है: तहां चित्रबरन नांमा मयूर पंछीन कौ राजा बस्तु है:
वाके सेवकन्ह वनमें चरत मोकों देष्यो: तब वह राजा के
सेवक पंछि मोकों पूछन लागे तुम्ह कौन है: कहां तें आयो:
तब मैं कही: हों कपूरदीप कौ राजा चक्रवर्ति: हिरन्यग
र्भ नांमा राजाहंस ताकों सेवक हुं: तब उन्हि कही कहो तें
तुम्हारे हमारे देस में कौन देस भलो: कुंन राजा भलो:
तब मैं कही: और तुम्ह कहा कहत हो: बहुत अंतर है: क
पूरदीप साक्षात स्वर्ग है: राजाहंस दूसरो इंद्र है: अहो

महा कुदेस में तुम्ह कहा करत हो: चलौ हमारे ही देस में
: तब वह औसो मेरो वचन सुनि कीन्हे पंछिन्ह कौ रोस कौ
: जातें साप कौं दूध प्याये जैतो विषही होय: तैसें मूरषकों उप
देस दीजे तो क्रोध ही करें: पणि जलो नमाने: और नलही कों
उपदेस दीजे: बुराकों नदीजे: जातें अग्यानी बांदर कुं उपदे
स दीयो: पंछिन की गैर छूटी: तब राजा कही यह कैसी कथा
है: बुगला कहत है: नरबदा नदी के तीर परबत के हेठा बड़ा
सैंबल कौ रूष है: वा रूष परि औधरनें पंषी बरिषा काल में
सुषस्यों रहै: तहां सेक समये जैसी नील की रासि होय औसें
अतिस्याम मेघन्ह की घटा आकास तें बड़ी लहरि करि बरष
न लागी: तब रूष तरि बांदर बरिषा करि दुषी आय बैठे: उ
न्ह बांदरन कौं दुषी देषि दया तें पंछी कही: और बांदर हु

७८

हंस अपनी चोंच न करि तिण एक जकरि आपको घर की
यो है: तुम्हारे हाथ पाव है ॥ ऐसो कएकाहकौ सहैत हो
यह सुनि बादरा क्रोध करि विचार्यो: कहा ये पंछी सुषी
यस मे बैसि हमकों हसत हे: हो उबरि षा तो जांउं देषै ही पो
पीछे वरषा बीती: बरषा के बीते बादर सब सूं पर चढि
पंछीन के घोंसला टि बालक सब मारि नी मैं डारि दी
ये: ता ते हौं कहत हौं: बात कौं नर जां ऐ ता कौं उपदेस दीजे
तब राजा हंस कही तो आगें कैसी भई: बगुला कहतु है: आ
गें क्रोध करि पंछीन्ह कही: तेरो राजा हंस किनि राजा कीयो
है: तब मोकुं रिस भई: मैं हूं कही: तेरो मयूर किनि राजा की
यो है: यह सुनि वह मो कौं मारन लागौ: तब मैं हुं आपनें
सो पराक्रम दीषायो: जाते पुरष कौं और समै षिमा बू

जीये: जब लगु अति क्रिया क छलन पराक्रम बुझीयो: जैसे आ
रस मे सची को लभ्र आकु [redacted] है: क्रीडा समे छिडायां आम [redacted]
है: यह सुनि राजा हंस कही: सुनों रे जो आपुनो अरु सतु
कौ बल अबलः बिन बिचारे संग्राम करे [redacted]
[redacted] : बगुला (राजा हंसः)
कौं कहतु है: आगे कहु: बुगला कहत है: तब उनि पंछि मो
सौं कही: अरे दुष्ट [redacted] हमारे ही देस मे चरत मात अरु ह
मार ही राजा की निंद्रा करतु हो। यह बात हम कैसैं सेहैं
यह कहि मो कौं चूंच न्ह करि मारन लागा: बहुरि कहन ला
(मूरख) गे: देषि रे बगुला: तेरो राजा अति सूधो है: वा कौं राज न बू
झीये: जातें जो अति सूधौ होय: सु हाथ हू की वस्तु राषि
न सके: पथ बी कौं कैसैं राषे: अरु राजा वा कौं कितनों एक.

७९ जैसें

कूफू वाकौ मीड कौ कू वाही कौ सराहे तैसैं तुसाहिरस
कौ सिराहत हे वाते हमसों कहे तुहे तुव हा ही चली सु
नरबगुला जातें पान फल फूल छाया सहित बडो रूष सेइजे
जौ फल न पावत तो छाया तो पावत और नीन्ह कौ सेव
न करियेः बडे को आश्रम कीजे जाते कला इन्हें हाथि इ
थ होय तो लाग मंद कहे नीच के आश्रय तें बडो हू छोटो
होत है जैसें आरसी में हाथी छोटो दृषिये ठाकुर बडे हो
य तो वाके नाम ही तें सब कुं बडाई पावे जैसें चंद्रमा के
आश्रय तें सुसा पुसी नयो तव में कही यह कैसी कथा
है तब पंषीन्ह कही येक समय बरिषा काल में बिसु
बरषा न भये प्यास मरत सब हाथी जुथपति सौं कहसु
हे स्वामी कछु उपाय कीजे यहां थोरो सो जल नीन्हें जी

बन लाय कहे हम पानी बिनु प्यासे अंधले होत है कहां
जाहि येक लाय करें यह सुनि गजराज बिचारी तब दूरि
जाय ऊंची ठोर चढि येक बडो सरोवर दिखायो वासरो
वर की तीर सुसार है जब हाथी पानी पी बन को गये
तब सरोवर की तीर के सुसा पांव तलि चांपे मये तहां ये
क सिलिमुष नामा सुसै यह कही अहो यह हाथीन्ह कैं
सुष प्यासे इहि नांति नित्य आवे है तो हमार कुल भ
य को सुसा न उबरि है तो हमार बंस को नास होहे यह
सुनि बिजै नामा श्रिय सुसा बोल्यो कहनला गो तुम्ह
हो सु सा हो तुम्ह मति दुष करै वा को उपाव हुं करि हुं
यह कहि सब हिन सो बिजै ये सु सा चल्यो पैंडे मे जाते य
ह विचार कीयो जाई कैसें हु हाथीन्ह के निकट है वा ८०

८

तक हो॥ आतै धूलत ही हाथी मारे॥ सु धतहुसां पकाटै॥ राजा ग्यान
तहुमार॥ दुरजन हस्ती ही मारे॥ तातें हो पर बात चढि दिषाई
रे कहुं॥ यह विचार करत सुसा पर बत चढि बोल्यौ॥ तब गज
राजु कहत है॥ तू को है॥ कहां तें आयौ॥ तब सुसे कही॥ चंद्रमा
को दूत हौ॥ तेरे पासि आयौ हौ॥ तब हाथी बोल्यौ॥ कारज क
हु॥ क्यौ आयौ है॥ सुसा कहतु है सुनौ॥ आगे तैजा को उं मार
ने कौं है ध्यार काढै॥ तब हु हत रूठौ न कहै॥ सांच ही कहै॥ ज
तें तुं महसे सूरमां दूत कौं न मा[illegible]॥ तातें सु चंद्रमा कही है॥
सो ही कहि हुं॥ सुनौ चंद्रमा कहतु है॥ ये ससा मेरे चंद्र सरोवर
के रखवारे हैं [illegible]॥ तातें तुम्हें मारि पठाये॥ सु नत्या न कीयौ॥ जो
सुसा मैं राष्यै हैं॥ [illegible] मेरे हैं॥ तब दूत कौ वचन सुनि डरा
य करि गजराज कही॥ यह बात बिनु जाणें आये॥ अब नहि

आव[illegible]गे॥ तब सुसा कहि चंद्रमा सरोवर मांहि रिस करि॥ चं
द्रमा का दूत है॥ तुं यहां चंद्रमा को आय करि प्रणामु करि॥ [illegible]
मां कराय जा[illegible] यह कही॥ जब रात्रि भई तब गजराज कौं स
रोवर के तीर ले आयौ॥ पांणी में चंद्रमा कौ प्रतिबिंबु दिषायौ॥
कोपतु॥ दिषायकैं गजराज तें प्रणामु करवायौ॥ चंद्रमा कै
प्रतिबिंबु कौं॥ तब सुसे चंद्रमा सें कही॥ राजा इनि बिनिज्ञो
नें अपराध कीयौ है॥ अब कौ बेला षिमा कीजै॥ यह कहि
हाथी बिदा कीन्हें॥ तातें [illegible] कहतु है॥ और बुगला बडे कलौ ८१
पहीं सौ तौ सिधि होय॥ तब [illegible] कही॥ सुसा है हमारो ठाकु
र बड़ो है॥ महा प्रतापी है॥ यह सुनी सब पंछी मोकौं म्हक
रि राजा पासि लै गये॥ तब राजा कौं मो तें प्रणामु करवा
यौ॥ तब उन्हि कही राजा देषिये॥ यह दुष्ट बुगुला हमारौ

८१

(मार्दे सनीसौ)

देसमे चरतु है: अरु राजा की निंदा करतु है: राजा कहीं कौन है
यह कहा ते आयो है: तब पंछ्यन कही: हिरन्यगरन नांम राजा
है सो ह ताको सेवक कपूरदीप तै आयो है: तब वाको मंत्री दे
शीयति निमाकौं पूछौ: ले राजा कै अरु मंत्री कौन है: त
बमें कही. सरवग्य नांमा चक्रवाक है: गीध कहीं बूझीये: अ
सो मंत्री [redacted]: जातें नीति बिवेक कही है:
जु मंत्री अैसो कीजे जु अपने देस को होय: कुल आचार क
रि जुकत होय: अकोड नलेय: जु धनी को जांणै: कुबिस
नी न होय: काछ को दृढ होय: नीत सास्त्र जानत होय: प
रधरी चलि आ है हो प्रसिध होय: पंडित होय: द्रव्य उपा
जाय जाणें: औसो होय सो मंत्री करिये: इही बीचि सुक स
ताला न्यो: राजा कपूरदीप नांम्हो दीप: जंबूदीप ही मै है: त

तै बहसी पकुं तुम्हारो ही राजा है: राजा हू कही: यह बात अैसी ही
है: जातै राजा: उनमत: बालक: सत्री: धनवंत: अपथ्या चाहै जु व
स्तु नाहि पावै बिलायक ता हि वांछै: अरु जो पायबे लाय
क होय ताहि कौं छौडै: तब मैं कही जु बात नहीं: तुम्हारे रा
जा की ठकुराई होय तो मेरे कहै हिरन्यगरब सब जंबूदीप
कौ ठाकुर है: तब सुवा कही: यह बात क्यौं जानिये: जु कौन
बडो ठाकुर कौन छोटौ: तब मैं कही संग्राम तै जांणिये: तब
हसि करि राजा बोल्यो: अपने राजा सौं जाय साजि यांनीक ८२
रौं: हम आवै है: तब मैं कही अपनौं अेक वसीठ पठा इरा
जा कहीं कौन पठाइजे: जातैं जो स्वांमी को [redacted] त होय: गुनी
होय. [redacted] पवित्र होय: चतुर होय: धीर होय: कुबिस
नु मैं कौं न होय: बिमां जुकत होय: ब्रांम्हण होय: पराये म

८२

नकुं जांणौं ताकौं ऊतर फुरे : ऐसो होय सो वसी अपठाय जे अट
पिओ तो हमारे बहुत हो[illegible] : तब हंस ने कह्यो हम तब यह जे : जातें अ
हमणकुं राजा कै प्रसाद तें अहंकार न होय : सीत स्वभाव होय
जैसे कालकूट मांहा देव हू के कंठ निवालु पाय स्यांम ता न छ
डी : तातें सूवा पठाय जे : राजा कही कै तुम्ह ही याके साथ जा
य हमारी बात कहौ : तब सूवा कही : [illegible] राजा की आग्य माथे
पर : रामाय रूय हबगुला दुष्ट होय याके साथ न जो हु : जातें य
ह कही है : दुष्ट बुराई करे : साधु के माथे आवे : जैसें रावण सी
ता हरी : बांध्यो समुद्र : और दुष्ट के साथ न [illegible] ये नपै
ऊ चलीये : जैसे काग के संग हंस मार्‍यो : और सब चलत बटेर
मारी : तब राजा कही : यह कैसी कथा है : सूवा कहतु है ॥
उजेन के पैंडे वन मे येक बडो पीपल को रूष है : ताउपरि ये

[illegible] हंस अरु येक काग बहुत दीन का रहै :
तब ग्रीषम समै विषै येक बटोही घाम करि पीडत तीर
कमांण निकट राषि वा रूष के हेठि छाया मैं सूतो : तहां घडी
येक बीतें मुष ऊपरि तें छांह गई : तब वाके मुष घाम लागी :
घाम लागत देषि दया करि रूष ऊपरि तें पांष पसारि हंस
छांह करी : तब उनि बटोही नींद भरि सोवत मैं मुष पसार्‍यो :
तब उनि काग वाके मुष मे बिष्टा करी : कै [illegible] उडि गयो :
बटोही तब जागि ऊपरि देषे तो हंस बैठो है : बटोही मन मैं जा
नी : जु यह कांम यन हीं कीयो : तब उही तीर करि हंस मार्‍यो : ८३
तातें हों कहत हौं : दुष्ट कौ साथि [illegible] ये : और बटेर हु की बात
कहत हौं [illegible] सुनों : येक समै सबे पंषी मिलि गरुड की जात्रा को समु
द्र तीर चले : तब काग के साथि बटेर हु चली : तहां पैंडे मैं

येक अहीरी हुहोली ले जाय: काग बारबार स्त्री बहपी के तनउ
कमद की नांमिथ रिद मेतोर्ज परिकुंतो काग अरु बटेर चली
जात है: तब दोउ देषिकरि बटेर मारी: काग उडि गयौ: तातें
हौ कहत हौं: दुष्ट के साथ चलिये: तब वै दीय: तब [redacted]
[redacted]: मैं कही नाई सु वाह मस्यौ असी बात काहे कहत
हौ: हमारै नेसारी जाति साही [redacted]: स्वा कहत है: हुतो अ
सी [redacted] दुरजन की मीठी बात न्ह की प्रतीति न करि हौं: जैसैं
आक के फुल सदा उहक बोलकरि: तैं तुम्हारी दुष्टता
बात नहीं लें जांणी जातें हूं राजन्ह मैं बैर तुम्हारी ही बात
निर्उपज्यो: तातें मूरष के आगें जो अपराध हु करिये तोउ
दुरि स्तुति कीये मूरष प्रसन होय: जैसें येक मूरष बढई
आपनी स्त्री कों जार सहित माथे परले नांच्यो: तब राजा

कहौ यह कैसी कथा है: स्वा कहत है: जोवने श्री नांमा न
गर मैं मंदमति नांमा बढई षाती रहै: सु अपुनी स्त्री कों
बिन चारणी जांणि [redacted] पर जार सौं येकत्र वे ठ कावहु न
देषी: तब वह बढई परिष्या कों वा स्त्री सुं कहतु है: मैं आ
र गांव जातु हौं: दीन च्यारि लागैहिंगे: यह कहि कोस येक
लेफिरि आय जैसैं कोउ न जांणे तैसें आंणि आपनी
षाट तरि परि रह्यौ: वा की स्त्री गयो जांणि तकार हीं जा
रबुलायौ: षुला सकरि वासो मिली: षाटपरि कीडा क ८४
रन लागी: क्रीडा करत मैं वा नर तार कों अंग सा परस
न भयौ: तहां आंगनी रहै तैं स्त्री मन मैं जा न्यौ: मेरी घरी
कों नरतार षाट तरैं यह जांणि दुचीत नई: तब जार क
हीं तुं आजु काहे सचिंत है: निसांक नांहीं रमति: तब उ

४

निकही अबलों तुमेरे प्राणनाथ ठाकुर हे सुआ तुम नगये हे
जार कही जो तेरो असो बाहर सनेह पात्र हे तो तोहि छोडि का
ह गयो तब वजु निकही अरे बावरे असो न कहीये बो
लो नरतार को गारि देहे कोधड़ि धिर्ग है
नरनारी सो सत्री धरम को पावे अरु नगर में रहे अपवाद न में
जाउ पापी होय अपना घर मातम होय असो नरतार
जिन्ह सत्रीन के प्रिय है ते सत्री उतम लोक पावे
सत्रीन्ह को बिना अलंकार हु नरतार बडो अलंकार
हु नरतार करि जो हिन है ते अति सुंदरी हो हि तब हु
नीकी न लागे तो जार चंचल जैसे पान फूल को
रंग करी ये तैसे घरी येक को पाहुनो वह तो मेरो ठाकुर
है मा हि वक सबेला यक बे च बेलायक बक सबे कै

समरथ बहुत कहा करु जो लो वह जीवे तो लौ जीवती हुं
मरे सा थि ही मरि हो जाते मनुष्य की देही विधि जितने रोम
हे ते साढ़ा तीन कोडि तितने बरष जो सत्री सहगामीनी
होय सु नरतार सौ मिलि स्वरग भोगुवे और जे से सांप
पकरि पाखंडी बिल मैं ही ते सांप को का
ढे तैसे नरतार को सत्री
बात सुनि बकुड़ मन मैं विचारि कहि यह कही अन्य है
मैं जाके असी सहज सनेह युक्त सत्री है यह जानि के
रिवकुड़ उन्ह दोन्यों कु सहित घर मांथे परले नांचे न ला
गो ता लेहु कहत है दो यदेवत हु भूर परस्तुति की प्र
सन होय तब राजा हंस कही आगे के सी भई बगुला क
हु है तब उनि राजा जे सी दु तको कूरी तै सी नांति पूज ८५

४८

करि मैं विस्वकरौ: सुवामेरे पाछे आवतु है यह सव जांचि करि जुजे सी बूझिये तेसी करौ: तव चक्रवाक हसि करि कही राजा यह बगुला और हु देस जाय करि आयास कति राजा कौ कारज करि आयो: राजा यह दुष्ट कौ सुनावत है: बिनु कारण ही कलहै उपाधि[illegible]: और साधु उपदेस दये: अरु कलहे न करे: राजा कही जु भई वात ताकौ पछितायवो न वूझिये: अब आगे जु बूझिये सु बिचारौ: तव मंत्री कही: राजा सुकौ तक हि हो: जातें कही है: नेष[illegible]: छिपि देषे तैं वचनतें नेत्रके मुषके: सैन तें उन्हके मनकौ चतुर जाने हि: तातें या कौ तही मे मंत्र करिये: तव राजा और मंत्री दोउ रहे: और सब विदा करे: तव चक्रवाक ही राजा यह देनंत हो: का हू दुष्ट कौ कहे व गुजा यह कौ मकरि आयो

जातें वैद्य रोगी कौं चाहे: अधिकारी राजा की अग्रह ताचा है: पंडित मूरष कौं चाहै: राजा सूरमा नक कौं चाहे: तव रा जा कही अहो याकौ कारण विचारे हि मैं: अब जु की यौं चाहिजे सु कहो: मंत्री कहतु है: राजा येक जासूस वहां पठाइये: जे उहां कौ कटक जाणि बिचारि आवे: तातें आप ने[illegible] अरु देस कौ ब्यौहार जाणिबे कौ जासूस राजा के नेत्र है जिहि के जासूस नांहि सु आंधरो है: तातें जासूस येक और प्रतीति कौ भेजाय: जो से आपन होंहीर है कै दूसरे सो सव समाचार कहा पठावै: जातें यह कु ही है: तीरथमै आश्रममै देवालेमै: सास्त्र करि जे गम बिबे: तपस्वी: सन्यासी को भेष करिमें जासूस तिन्ह करि सव समाचार जाणिये जो ... सुजो ८६

ऐसे जो संग्रिमे पाणीमे संचरः सचरितमा चारजाणै यह
तौ वगुलादु जीमाहः और कोई एक वगुला ही पठाय जैसे
मंत्र बात गुप्त राषिजेः जाते जो मंत्री छहूँ कान मैं परे सह
नो बात काहाँ मे कही न सो मंत्री फूटेः ताते मंत्री और आपु
उ मिलि मंत्र करे और राजाकुं मंत्र के फूटे दोष होय ता
कौ समाधान कबहूं न होय राजा विचारि कही
मैना कोजा सस तब मंत्री कही तो तुम्ह सीग्रामजी ते ईहि विवि
पोलिये आयक हीः राजा जंबूदीय तै आयो एक स्वाद्य
रिठा कहेः राजा चकवाक कौ मुष देष्यो तब चकवाक क
हीः कपूर द्वीप मेंइ रादे हुः पीछे राजाको मिलाये गे यह
स सुनि पोलीय उ राजाय दिषायाः तब राजा कह्यो विग्र
ह तो उपज्योः चकवाके कहीः राजा तोहु बिनु विचारे सं

हे सबी ग्रहे न भी जो आज [illegible] है [illegible]
वाकु मे छुडावणा महै [illegible] जाते सच मै जु य मे जो
जो और कोस मरय न दषैा ते जी धर व उ हिर्युखां सला ही महू
तहु । और जैसै मुनी [illegible] तै पाथर उठावे ते [illegible]
[illegible] तैसे घोरे [illegible]
मत्री ने [illegible] है । ताते वाको [illegible] जाते [illegible]
उपाय की न्हो जु जतन ता तैं सबै पाय फल होय । [illegible]
कीनती । सो समे ही पास सखो । तब ही के [illegible] । और महतो
यह गुन है । जो [illegible] करय । [illegible] करै । [illegible]
पद मे थी रज करे । और सब ही [illegible] ता व को [illegible]
न अने न हो या । आत [illegible] पानी प्रवात मु [illegible] रैं [illegible]
जा चीन्ह [illegible] नामा । राजा वीसे वस्तु महा बली है । जाते जो [illegible]
बली सु सी ग्राम करीये सो जो [illegible] नाहि । राज सेप या दो हाथी मा

पावस्‌ आय मारै तो यसादे ही म्हा मौजा या॥ और जो समये वीनजी
नैसंत्रुसु सीघ्राम मरे॥ सो भूरथा बालसुजुयमरै तो जैसै चीटी
के भारन में भ्रमनै सेजानी ये॥ और जो सीघ्राम मो समो न हो या॥
अरसी ग्राम मरन मुहै॥ तो मंत्री मर ने न देखा॥ जातै राजा वीन
समै ये॥ मुछवा मैं सैं मोच मरे रहे॥ अर समैय पाय जैसै
सापफण मौठ गाढौ है या॥ तैसे मर मै सत्रु मारीये॥ यह नीत है॥
और छोटो कुछे मा॥ अरबीपाय जाने और समै जानै॥ तो बडे कु
सत्रु कुं मारै॥ जैसै नदी को प्रवाह॥ बडे रूषकु गीरावे॥ जैसै
तीरण मु:मांट गीरावै॥ जैसो ही पाव मर सत्रु कु गीरावै॥ ता
तै या मै कुतसु वारजुर कुं काय मै समाधान मरीये॥ अर तो को
यहा रायै या॥ जो को हम गढ सजके है॥ जातै मैं टही प्रतो येमजोपा
अरत जै मे जाब जो या॥ सुसीग्राम मरै॥ तातै गढ सुवारीये॥
और जा देस मै गढ नाही सो॥ ता देस मैं सत्रु के गाहीके है॥ जीह

राजा मै गढ नाही॥ राज दूसरै के हाथ मैं. जैसो तो रथीमराम
दूमै बीना भीन घर हुन सकै॥ जातै गढ सरव धा ही मरीये॥ गढ को
प्रकोट तके गम्भीर पंदक मरीये॥ अरबी होत अतजत्र नाटगोला
राषीये॥ अर गढ मे ठेठ नदी हो या॥ आगे वनराखीये॥ और च्यौर
ओप्रवी सतार होय॥ अर बीब्रमहो या॥ अनहो या॥ अरकुएं होया॥
रसआदसबै हि॥ दसई धना॥ इन मैं अंतर गीहो जे॥ अनसंयोत
गढ मै॥ बीजे॥ अर पैठ के मो अरनी मसले मो पकेराषीये॥ ऐ
सात प्रकार मेजतन गढ मो सरबथा ही मरसोच कीये॥ तनाजी ४८
जा मही गढ सुधार वे मुकीन मरीये॥ तब मंत्री महैत है॥ जातै
जो जामारंजमै चक्र होय॥ सो ता मो सो हिसे पीये॥ जा मो मामजी
न देषे॥ सुनो न होय॥ सुमारी जयं कूत कु मे गंहे सीद न हो या॥
तातै सार स कु काईये॥ जद राजा मुख अग तै सार सआये॥ तब
राजा कु काय सार स सुमहे॥ हो सार सतु मये म मैं छो गढबी

६९ चारो॥ तबसारसत सखी मभरमही राजा गाढ तौ सह सरवर बोलेत दीमे बीचारो है॥ सभैमा झडरपु है॥ तीहमैस बखाग्रहमरीये॥ जातेमन मोसीग्रह सबोतैब डो है॥ तातै सोनो पोमोहोरसत न मह मै बीया: प्रान नर है॥ प्रानओं नही तैर है॥ सोओर बेमरसमो॥ ओर सरवरसमैये मबडोरस बुए है॥ ताबीनसार नोजन गौ बरसेळा गौ॥ तबराजा मही बे गजा सरवरसौं हमरो॥ ईही बीच पोकीया॥ आय मही॥ हो म्हाराज सी घळ दीपते ये महा गआयौ है॥ सो म्हाराज मे चरन देषो चाहत है॥ तबराजा मही मागास बजाने है॥ अरबो हीत डर मामे देषे है॥ सोत हतातै अवसराबीये॥ तबमंत्री मही म्. महाराज मही तौ बोलेत नी भीता पण॥ मह मा गपळ मो पछी है॥ तातै हमारे सत्रु मे सहाई म है॥ मह न ना बीये॥ जातै अपनो पछी छाडु ओर मेरे पछी राषे तो सैत्रु मेर मारै॥ जैसे नीळ मोरं गयो स्पळ

मासो॥ तबरपजा मही मह मै स: म है॥ तब चत्रा वा: म रुहै है॥ से मस मै ये म स्पच गा वमे मीम ट फीरत फीरतनीळ मे माट मे गी रहे॥ सोनी मतनस म्रो:त हा आप मृ मुवोसो अनाय मे माट ही मै प्रर हो॥ तब नीळ गर आय देषे तो माट मै पडी है॥ तब वैमे तै माठ बाहर डार आयौ॥ तब वह वैहा तै नागमे बन मै गयो॥ तब वह आप मो नीळ बरन दे ष मै बीचारत भयो मीत्रब मेरो बरन नी मो भयो है॥ तातै हो बडाई आपणी होय सो म रहु॥ मह बीचार मर वह सब स्पळ बुळाय मै म है॥ आज सबन देवता मीळ मर मै आपने हाथ स म सत औषद मर मोमु अनी षेष मर मै राज दीयो है॥ ओर जो तुम ई त बार न मानो तो देषहो मेरो बरन॥ तातै आज सु मेरी अगम मै चलो॥ पावन मैर हो॥ तब स्पळ सब वा म्न ये॥ बरन देष वा मृद डो त मूरी॥ हाथ जोर मै बोले जो जैसे म्हाराज मी अगम हो सतैसे ही मरैंगे॥ तबव ६९

१९ अपनां जात मेो आदुषाय।। अर ओर हु बन मे बासी सबनसु यह
ही महमें सबही मेरा जायो।। तब वे स्याल सीध अंद्र रीछ ई तो
दी म जै से. से व अपाय मर।। स्यालसे बमार षेदे।। तब स्याल सब
दुषी भयो।। सो दुषी देष मर मे मयु के स्याल यह मही।। तुम दुष मत
मरो।। यह सु नीतिका ही जानतु है।। अर हम या मे मरम जानतु है।
हमारे ई न अवगा मरी।। तातें थोरे ही दीन मैं या मो नास मरै है।। जातें
यह सब बनवासी या मो रंग देष मैं बीना जाने सेवा मरतु है।। जैसें
या मु सब जानी है जो यह स्याल है।। सो ही अपा मर है।। ता मो यह छीपा
वहै।। जो रा।। जबे र सब स्याल मील मरा।। या मे नी मट ये मत्र होय
ये मुरो मेर सब मील मे पुजा मर बैठो।। तब वह हमारो सबद सुन
सुनाव ही तें पु मार है।। सो जातें जा मे सुनाव है सो वह तातें छाडो न
जाय।। जातें जौ मुमरा राजा मरीये।। तौ पै जार मे षा वो न छाडै।।
तब स्याल मो सबद पै छान मे।। सब बाघ या मु मारै हीगे।। यहसु

न मैं स अस भै स ता स्याल मील मे वा मे नी मट जा य मे पु मारे।। ते वाने
के साथ यह रंग यो स्याल कु पु मारे।। तब बाघ ने स्याल आन मे
प मर मारे।। सो जातें घर बैरी होय।। सो दोष: मरं म: प्राक्रम यह
सर्व है।। जैसे बोड़ रा मा ही मी आग जीन ही जीन जराय मेंग
नावे।। सो तैसें घर मे ने दीया मीले ही मे मारे।। सो तातें हो महैत
को।। आपने पछी छाड के और मी।। प्रतीत न मरीये।। राजा बो
कौ जे [illegible] जै सी ही है।। तोह दूर ते आयो है।। कुलाय दे वीये।।
जो रा षी बेला य म हो य।। तो रा षी ये।। नात्र बीदा मरीये।। तब च २०
क्रवा म महीराजाः जा स्यु सप [illegible] यो।। अर गढ हु रंजो।। अब
सु वामी बातें सुन मर बीदा मरीये।। प्र आपने लो गः बीनोः
सबकु लाय मे बठारीये।। पीछे दुत कुलाय जे।। जातें चंपा
मे मंत्री दूरदर्त ही [illegible] सेंठां दन नामा राजा मर वायो।। जातें
राजा आमे थो बठ दुत कुन कुलाईये।। पाछे सजाये मत्र मर

सुवाअर मागदो भी कुलायो॥ कुलायभर देयो॥ सुवाआसनप्रवे
ठमछु मभाषोनवायमै महैतु है॥ अतो हीरनपगअनराजा॥ चीत्र
बरनतु मसोयहंगअगयाभरी हिमत्री प्रानः अर रजराखो चाहत
हो तो लेग हमारे पायनआय परो॥ नातरु आपने हैंमु गोरमरो॥
तबराजामीरोयभर मै भहो॥ हमारे हैं मोडाजो अैसे बीठ मोब
रजे॥ यह सुनभर मे घबरन ना मा मा गबैठो॥ राजा मो
मुअगअ होय तो॥ याकु सह सुवामु मारो॥ तब चत्रावा मम
ही अैसी मत मरे॥ तब मंत्री राजा मु अर मागमु दे जी
मोसमायानमर्यो॥ भर मैं समायान अर राजासु यह भ हिजो
राजा सुनो ताते यह महीहै॥ जो वा सत्या नाही जहा वीरम
फुरषन होय॥ अर वीरय पुरष नाही जो धरम सबदीवा
रतानम हे॥ और जो धरम नाही॥ जामैं सत न होय॥ अर
जो सत नाही॥ जामैं छल होय॥ जाते जो धरम सह है॥ जो

बसीठ भठेरी: ह उनभरीये जाते बसीठ है सो राजामै मु जोहे:
सजातै भरवे मु मेल्हे धारवा जावे तो हहु त उठन बोलो॥ और
हुतमे मैहे और बीअय भाई अै सो मौन है जु माने॥ सो जाते यह
तमार नो नाही॥ ताते हु तसब मे है॥ यह सुन राजा अर मागमी
रोयछा डे॥ तब सुवा डीठ चल्यो॥ तब चत्रावा म सुवा मुम
नाय॥ मै आन सोनै मै अल भार बसत्र दे मैं समायान मर मैं वीद
मीयो॥ तहा सुवा वीया चल प्रबात मेबन माही जाय मै॥ आपने
राजा चीत्रबरन मु जुहार मीयो॥ तब राजा चीत्र बरन सुवा मु
पुछत है॥ सुवा यहा मी बात मैसी है॥ अर देस मैसो है॥ सुवा
महतु है॥ हो राजा प्रथम ही तो यह जुधमी सामग्रह मीजे॥ मपुर
दीप तो साक्षात स्वरग लोग म हीये है॥ हम सुवा देस मी बरनन
मरी न जाय॥ तब राजा सब मंत्री बुलाय मै मंत्र मरन सु बैठा॥
तब राजा नै मंत्रीन सु मही॥ जो सुवा महेतु है॥ सो आम मरीयो॥

२४ औसे सस मयेजो मंत्र कुजीये सो महो॥ मेरे तो मतो यह है कु सं ग्राम
मीयेही बनै तो राजा महै तु हैं॥ अहै मंत्री जातै यह मही है॥ ~~[illegible]~~
~~[illegible]~~
~~[illegible]~~॥ ग्राम रण असंतोखी
होय तो नीसट [ओगां] जाय॥ अर राजा संतोषी होय तो नसट जाय॥ गान
मा क्ज आभरे तो नसट जाय॥ मुकमी असत्री नील ज होय तो न
सट जाय॥ ये थोरे ही माल मै नसट जाय॥ यह राजा मो बचन
सुन मै डुरदरसी नामा गीय राजा मे मंत्री हो॥ सो बोल्यो॥
हे म्हाराजा सुन ये॥ अरप नेः मीत्रः मंत्रीः प्रजा न जीमेः [नहीं] अमात
अन मुक होय॥ अर सत्रु न मेः मंत्रीः मीत्रः प्रजाः न जीम होय
ः तो जुध न मरीये॥ अर सत्रु न मेः मंत्रीः प्रजाः दुर फुटे होहो॥ प्र
ति मुक होही॥ अर आपस मै बी रोधी होय॥ अर आपने मीत्रः मं
त्रीः न जीम होय॥ अर अन मुक होही॥ तो जुध मरीसो॥ मोत

म मो जुधेः ने मरीये॥ औ जुमेः मेः मेः त्रः दुरकोः ये तीजु पाकेसे जोनी
ये॥ तो सी ग्राम मरीये॥ सुतै सी ग्राम मरीये ही तीनु फोकलो पः
॥ राजा म फीरो॥ हमारो मट म तुम दे भेजो॥ ये सब कीजै होमे
घावे वाले है॥ मै ये हमारे माम कु मे है॥ यह महै फुन राजा
बोल्यो॥ तो जोसी के गलु काया॥ जात्रा मो महुरत नी मोकु
जीये॥ तब डुरदरसी गीय मही राजा अबही के गी जात्रा न कु ६२
जीये॥ जातै जो सास्त्र को बल बीन जाने वाली जुमम मे जाय तो
मुरब मेग ही मारे जाय॥ राजा मही हो मंत्री मेरो जी छाह मोन
गमत मरें है॥ जो प्राई जुम कीयो चाहै॥ सो मोन प्र मारखे हः
सो ही मुहै॥ तब गीय बोल्यो॥ राजा मही हु॥ [मरीही] मरी [illegible] [गाई लोभी:] मीये ही

तैहोइहै॥नीतमै पहुंच्यही है॥राजा कौ मंत्र मीये मी महासीय है॥
जो अंदमंन मरीये॥ भुपते बचन मह है मी महासीय है जो प्रत
पाळन मरीये॥ घर मभीये मी महासीय है जो आसरी तननी
रास जाया॥ तीह अंग मार मीये मी महासीय है जो आपदांनीबा
रै॥ जैसे औषद मे नाव कीये ही रोग न जाया॥ घाई पै तोही
जाया॥ तो कहु राजा मीत्र अप न मेटीये॥ ता तै मह तैं होराजा सुन
हो॥ ज हान दी होया॥ प्रबत होया॥ बन होया॥ अर जै हाउन हो
या॥ अर जहा जहा ये बसतु होया॥ तैं हा तैं हा सीन्य पती भट
मम्रु ये म ठौ मर चळै॥ अर सीन्य पती चंळै न चळे सुर बीर सा
थ के मर चळै॥ अर भाज म है का॥ ठा मुरन्नं अरः ना हनो व्योम

बोपारीः पे सबासी न्य मै भाज चळे है॥ अर ईन मे दो कुही मै तीअ
सवार चळे है॥ अर सवार ने पास रथ चळे है॥ रथन मी दो नु भा
ती हाथी चळै है॥ हाथीन मी दोनु मै तीप यादा चळै है॥ अरवस
भर मे पीछे॥ और पे मसीन्य पती हारे थ मे नम्रु स चाळत चा
ळै॥ राजा मंत्री न स मे तन्न कै न ळे ओ यान मुसाथ के सब हीन
मीर भाम रत चळे॥ और ज हा प्रबतः पानीः बीबं मन्कु म हो २३
या॥ त हा हाथी प्र चढ चाळै॥ जहा बराबर मै दान होया॥ बाब
रा बर मी कुम होय त हा घोरे प्र अ सवार होय चळीये॥ अर ग
हरे पानी मै नाव चढ चळीये॥ अर पयादे सब ही ठौर सा
थ लीजे॥ अर बरषा माळ मै हाथी मै बळ भो होत है॥ सो हाथी
बो होत सजीये॥ और सदा घोरे न मे बळ साजीये॥ अरप

२४ साहेन मैं बल सरबंदा मन कू मीये॥ भटं म मै॥ पंथिपंम: मारीग
मैं॥ सब जो यान जा भी रैथ्या मरै॥ ॥र जिआर्दे पंडु जो गे अमीसी
जी ग्राम रैहै॥ सदा जागत रहै॥ नींद न्नर नासोरै॥ अर गढ ढा पव
न माट सत्रु मारीये॥ भार मैं दुष दे भीला पीये॥ अोर पराये
देस मै जाय तो बन बासी॥ अर प्रबत बासी को गमीलाय अर
आगे मरीये॥ ओर जहा राजा चलै तहा न्नुडार साथ चलै॥ न्नडा
रबीना प्रन्नु ता नाही॥ नलै न को जो धान मु दुबा दीजे॥ द्रबा
दीये असो कौन है जो न कुंठै॥ जातें मुख मैं सेवग नाही॥
कीय भी मैं सेवग होत है॥ मनीष द्रबा ही तै बडो॥ द्रबा बी
ना छोटो॥ सी ग्राम मै बीन ईं रषन कीये: अनौ अन्य सब जो
यास बही भीर षन मरै है॥ जो ना हनो व्यो गहो प्रातें भटं म मेबी

चरा पीये॥ ओर सीन्य मे आठो पहर पादा चुप्याई प्रेम सत्रु मुंह ढे अर
है॥ दिस कुटी मेल पिउ कमर मी काय आपनो मर ली जी पे॥ ओ
र बरा बर त्रु म मैं रथ अर घोडा न अर सी ग्राम मरीये॥ घोरा पा
नी मै हाथी न मर जू य मरीये॥ ओर गहरा पानी मै नाव चढ
कू म मरीये॥ बन मै पंनब मर सी ग्राम मरीये॥ अर सम
कू म मै षाले अर सी ग्राम मरीये॥ ओर सत्रु मै अन: पानी ती ५४
॥: पनः कुट कीजे॥ बाको जान बकीजे॥ बाके तलाव मु फो
रु दीजे॥ कोट ढायजे॥ पंदम माटी भर पुरीये॥ जातें राजा भ
टम मै बडो बल हाथी को छै॥ जातें हाथी की देह मै आठ आ
वध है॥ च्यार तो पाव है॥ दोय दात है॥ ये मस्तक है॥ अर ये स
ढ है॥ ये आठ आवद हाथी के होत है॥ ओर भटम मो चल

२४ तो मोट घोरै है।। तातें राजा कुम ऐसी ग्राम मैं चोरें न मी
सीन्य अपीम मरै तो जीतै।। जा जै पह मही है।। जो घोरे कठ
सी ग्राम मरत हो[illegible]।। तीनमें देव ता कु जीतन सभै।। दुर
कुमो सत्रु वा मैं हाथ ही मै है।। जा मैं नव्ले घोरे हौ [illegible] है।। तीन
मैं सत्रु जीतबे मैं बीळ बनाही।। पहेलै सो तीजो या अरेस
जो आपनी सीन्य मैं रषा मरै।। पकोदी साप पादैन मरजानौ।
ओर स्वचनाव ही तैसुर सी ग्राम मै मर मठै जानै।। सवा मी
सुकी दास न होय।। श्रम जीतबो होय।। प्रसीय होय।। सुर
सेव मको होत हो[illegible]।। जा मैं असी सीन्य होयता मी जैय हो
य।। ओर ठा मर मै सनमान तै।। प्रीय वचन तै।। जैसे जो
या कु जैसे द्रव्य बो होत दीये तें न कुजै।। जीह मट म

मै जो या द्रव्य मुरस्कु मी होय।। ओरे सु मन होय।। सो ई मट मसार
जानीये।। अर जीनती मेमोहो त कौ गजाये तो मैं न ग्राम मेंआवै
आप पेहे कै हीन जै।। सो तीन कुदेश मैं नाके कु ना ज जाय।।
ओर ज बसे वग ग्राम मर आवे।। तो जो प्रसाद न दीजीये।।
अरु प्रन मीजीये।। अरवा मी ओजह चंरन दीजीये।। अर
दे बे मु आजही माळही मुहै गवा दै कह कावै।। से वमम्रो २५
दुमदुर न मरै।। तो ईन बातन सु से वमठा मुरस्कुदास
होयन रहै।। ओर जो राजा सत्रु मैं जीतो चाहै सो जैसे मै
ठमदु बीन होयतें से घोरो घोरे चळे पयानो मरो।। जो मै
होतचळै तो म.ट म बो होत दुषी होय।। तातें सत्रु आपसु
घही मारे।। ओर सत्रु मैं जीतबे मैं ईह बडो उपाव है।। जो

२५ याके नाईं बंधपोरि मैं आपमैं मरयौंजे।। आपने आयीन
मरं राषीजीयें।। पीछे राजा के मैं टा स्यामंत्री सुः नेद
ओपराजीयें।। जीहते राजा मैं चीत उदास होयो।। औरजा
सुसमें बका।। मत्र में वका।। सत्रु मैं मन नेंग मर उदास
मरदीजे।। अर उदास मर पीछे मारीये।। अथवा गाईगो
रीसें [illegible] हरनीजे।। तब दीन ही छीउ यें बे मु मैं तोरा जा मैं प्र
धान मंत्री आवैता मैं पं मरघायीये।। औरसत्रु देसनीजा
र मर मैं आपनो मर मैं बसाईये।। अथवा दाम मान मर आ
पनो मरलीजे।। ताते देस बसाय मैं दाम उपराजी
जे।। तब यह सब नेद मर गीयमंत्री राजा सौं महीं।।
तब राजा महतु है।। बोहोत महा महेत हौ।। सो सब जा

नी।। जी है तें अनमोबीदो हो यो।। सत्रु मैं हानहोयो।। यह ठीतसेर स्ट है।। औ र
बातन मोपै समर्पी आपी वेमो है।। तब ह र राजा है फेर मैं महीं।। जातें
सास्त्र मोपै ड्यो अर आपने [illegible] मगी मोपै डो ये दोउ नया
न है।। जे जीवरीं ओ मग मैं सास्त्र बीचारीये।। तौ नमीवौ।। जे
सौ अंयमर अर उजीयारा।। ये मठेर नमी व्यौ।। तब जो तीसप
हत मे महे स्नु चक गान भेजा त्रामी मैं पीयार राजा चीत्र बरन हीर
ण्यगरन्न राजाहे समट मई मीनहीं।। ईह बीच [illegible] जो हीरण्य
गरन्न राजा है सहुत मर पठायो हु तो।। जासुस तीन आय मैं रा २६
जा हीरण्यगरन्न सु महीं।। मैंहो म्हारा राजा राजा चीत्र बरन ही
नी मट आयो।। मलीया चक्र प्रबंत मैं बन है ठ ठे राम रा है।। ग
ढ मीरषा नीमा मूरीयें।। जा ते वा मे गीय वडो मंत्री है।। मैं वामी
बात नहीं मैं जान्यो।। उन ह मारे गढ़ मैं आपनो मैं ईदुस्ट पठाये
हैं राजा महीं यह न हो सां।। जैं वा के पठाये हैं। ये तो सु वा मु मों
(बातसुन)
मार न दीठे।। औरसु वा मीं [illegible] ईन सी ज्ञाम बीचारयो।। अर

प्रह सु बा तै पकवै हिम्पायो है ।।[redacted]त्राम हीः। तोहुन[redacted]येसैं होयकै
तासु करीयोराजा महीमें उन ये है[redacted]मा मोऊ पगार मर त है।। सु नैजा
तै जो हि लुम रै सोहि अंपु न हीं[redacted]अपु जोआनहि तु होयः। सोस
कु आनीये।। तै सै अपनी है कि तैजो पडी वा पसत्रु आनीयो अरबरे
म की मंजी वे पद सौ हि तु[redacted]हीपाःओर सु मैहां येमसु द्रव्या
माराज हु तोत ता मे मीर बचना मासे व्या मौनकु देस तें मुसर हैया
तीह धोरे तीदीम मैं राजा मे मारज मौ[redacted]अरप नौ वे दा हुं दे बतायु
दीयौः तब मंत्री पुछी तहै।।[redacted]राजासह मैं सीम[redacted]हैा तब राजा मूह
तुहै।।[redacted]पहे वे सु द्र मनामा राजा मे मीर आमे बागसर वर मे मंपुर की
मना मारा जाहं समी मंपुर मंजरी नामा वे टीा तासैं मरिउ मर तर हैौ।।
तहा बीरबल ना मारा जा पुत्र मौं मकु देस तै आ पमै रजह वार गदौ होयमे
पोष्ये पासु मती।। कहौ द्रुवार पाकु राजा मै पाव देआए। मुन्ना येकु नासै
मेही तु राजा मैं मंयाः पातब पयेषीपे नै जाय राजा सु मती। राजा नै

वहतुलांयौःउहिरमासौं[redacted]राजाःहमसें सेवगकौं कारज
होयःतोवरतनुकरिराषियेःराजाकहीःकहुलेरो[redacted]
तनुहैःतबउनिकैंहीःराजापांचसैंपलसोनौं[redacted]
तोरहौंःराजाकहीतेरेलोगकितनौंहैःतबउंनिकहीराजा
दोयहाथःयेकपांऊँःराजाकहीहंमसौंनदीयौजायःयै
हसुंनिबीरबलजुहारकरिउठिचल्यौःतबमंत्रीकहीःरा
जाच्यारिदिनकौबरतनुदैयाहुराषियेःयाकोंपुरमार
प्रदेषियेःइतनैंलायककहैकनांहिःमंत्रीकोबचनसुं
निराजाःबीरबलकौंबुलाय[redacted]पांनदैराष्यौःताकौंयेक
दिनकोपांचसैंपलसोनौंदीयौःराजाजासूसपठाये
दयौतोक्षहसोनौंकहाकरैःतबबीरबलडेरेजायआधौ
सोनौंदेवतान्मत्रह्मांहमणान्हकौंदीयौःचौथौहिसो

कंगालन्हकौंदीयौंःऐसाहिसाबापुनें कबकौंकामन्नोग
कौराष्योःनित्यहिईहिलातिपरन्वकरिरातिदिनराजहजू
रठाढौरहैःतबराजाप्रागपादेयतबधऊीऐकघरिह्नजाय
ऐकसमयेअंधियारीचोदसिकीआधीरातिराजाकरुए
सौंकोउरोवतीसुंन्यौःतबराजाबोलेःहेकोउदरबारित
बउनिकहीराजाहुंःबीरबलठाढोहौंःतबराजाकहीदेषि
आउःकौनरोवतहैःतबउनेंतसलीमकरिकहीजुराजा
कीआग्यासहकहिचल्यौःराजाबिचारुकीयौःयहऐ
सीतोनेंबुझीयेजुरजपूतकोऐसीअंधारीमेंपठावैजु
तोमेंहुंयाकेपीछेजाउंःदेषौंजुयहकहाकरैःतबराजापांडे
लेजाहीकेपाछेंचाल्यौःतबबीरबलउंहांजायकेंरूपजो
बनकरिजुसबआभरणपहेरेंःऐकस्त्रीरोवतीदेषीः

तबबीरबलपूछीःतूकोहैःकाहेकौरोवतहैःउनिकहीहौंया
राजाकीलछिमीहौंःबहुतदिनयाराजाकीभुजानकीछाया
बिश्रामकीयौहैःअबहौंयाछांडिऔचाहतहौंःताकेंस्नै
हतैरोवतीहौंःतबबीरबलकहीःलछिमीकौंनहुंप्रकारतें
रहिबोहोयःतबलछिमीबोलीःअहोऐकभांतिरहिबो
होयःजौतूंआपनौसकतबरबेटाबतीसलछिणकरि २८
संजुकतःआपनेंहाथिकरिःसरबमंगलानांमांदेवीकों
बलिदांनुदेहिःतोहुंबहोतकालरहौंःयहकहिलछिमी
लोपभईःतबबीरबलआपनेंघरिजायःस्त्रीअरु
बेटादोउजगायेःतेदोउजागिबैठेःतबबीरबललछिमी
कौसबबचनुकह्योःयहसुनिआनंदस्योंसकतिबरबे
टैकहीःपितायंतेमेंजुजातेंस्वांमिकेराजाकीरछ्या

होय: तौ पाताविलंबु कोहै कातुलै कवहुं जो हेद ऐसे लेक
रनकौं माणैतो नलोहोय मालोधमु अरु प्रांण पंडितहोय
सुमरायेकारजकूं देय: ऐकरि नयादेहीकोनासहै: जो का
हू नलेके कारजआवैतो बातैं नलोकहाहै: तवसकलव
रकी माता बोली: जो तुम्ह याकारज राजाके निमित
नकरिहौ तौ यारा जाकौ बीतनौ बरतनु पायौ है: ताके
रिण तें क्यौं छूटिहौ: यह बिचारु करि सबै: सरब मंग
लादेवीके मंडप गये: तहां जाय सरब मंगला भवांनी
की पूजा करी: वीरवल यह कही: देवी सरब मंगला:
राजा सुद्रंक कौ विजै होउ: राज्य लिछमी सिथिर रहौ:
तुम्ह जु बलि मांगी थी सु यहे लेहु: यहु कहि सकत
बरकौ आपु नेंहाथि करि मूंड काट्यौ: काटि देवी कौं

बलिदीनौ: तब बीरबल मनमैं विचारी: राजाके बरतनु के रिण
तें तो छूट्यौ: अबैं पुत्र बिनां जीबौ नाहीं: यह बिचारि आपुनौ
मूंड काट्यौ: तब स्वांमी कौ अरु पुत्रकी यह दसा देषि सोकतैं
उन्हांहीं सकतबरकी मां तांहूं गलौ काटि मूई: आगे राजाहू
लुकि तांतु देषि सुंनि आ अनुमांनि विचारत भयौ: अहो
हमसारिषे जीव बहुत करि उपजतु हैं: अरु मरत है
परु या रजपूत समांन कोनयौ न ह्वै है: या लोकमैं अबैं
ही है: राजा करौ सु यह मोकौं न छूंजै: यह बिचारि करि
राजाहुं अपनौ मूंड काटिबेकौं मांडेउ भयौ: तब सरबमं
गलाभवांनी राजाकौ हाथ पकर्यौ: यह कह्यौ: पुत्र यह
साहस्सु मति करै: अबही तेरे राजा कौ भंग नाहीं: तब
राजा अष्टांग प्रणाम करि कही: देवी मोकौं प्रांण स्यौं अरु ७६

९९ राज्यसोकारजनांहि जौमोबिषेअनुग्रहैकरतसोतोमेरीआ
वरदाकारिसची अरुपुत्रसहितयहबीरबलजीवे मेराजो
लिष्योहे सोईहोयहेः तबसरबमंगलाचव्रानीकहीः राजा
ईहीतुम्हारे सेवकरिसबकस्योंअैसोस्नेहकरिहैः संतु
ष्टहैः जाहुबिजयहोहुः बीरबलकुं पुत्रसहितसचीसहि
तकीयोः तबदेवीकेअनुग्रहतैबीरबलसचीपुत्रसहि
तजीवैयोः अपुनेघरगयोः राजाउन्हकोंबितुहीजनां
येअपुनेमहेलजायरह्याः बहुरिबीरबलराजद्वारजाय
ठाढोभयोः तबराजाबुलायकरिपूछ्योःबीरबलतुम्हक
हादेषिआयेः तबउनिकहीःराजाऐकसचीरोवतीदेषी
मोहिदेषिलोपभईः औरकछूबातनांहीःराजानाकोव
चनसुनिसुषपायोः बिचारतभयोःजाईसहबडोमह

मुरिषहेःयाकीस्तुतिकोनभांतिकरिऐःजातेदयासंतह
येःप्रियबचनकहैःसरमांहोयः आपनीबडाईनकरी
दाताहोयःपात्रकौदेयःसमरथहोयःकठोरबचनक
हेःयेहमहांपुरिषन्हकेलष्यणहैः येबाततोसब
याबीरबलमेहैः आगेराजाप्रातभयेंमहंतन्हकीस
भामेःआइकैंबीरबलकीरात्रिकीसबबातकहीःकहि १००
कैंराजाप्रसन्नभयोःतबकरनाटदेसकौराज्यबीरबल
कौदीयोःतातेंहौंकहतुहौंःजोनबोआयोहोयसुतु
रोनकहिजेःनपेहुंमेउत्तमःमध्यमःअधमःहैः तब
चक्रवाककहीजुराजाकीईछातेंकारजनकरणबूझी
येः ताकौंकरणकहैःसुमंत्रीनहोयः ठाकुरषुरोमा
नैःसुनलोःपा जिहिबाततैंठाकुरकोनासहोयःसुमंत्री

नकरणदेहु सुनोजैसैंएकपक्षीआपनेकुनितेसन्यासी
१०० कौंलाठीकरि[illegible]तहीनिधिपाई तैसैंएकुनावुजोत्पै
तुमैंहुनिधिपायहुं यहजांनिएकेनाईलाठीकरिसन्या
सीमार्यो तबलोगनमिलिनाईमार्यो राजाकहीयह
कैसीकथाहै चक्रवाककहतुहै अजोध्यामेंचूडाम
णिनामएकक्षत्रीरहै तिनिधनुपायबेकोबडोकष्ट
करिश्रीमहादेवकीसेवाकरी तबपापक्षयभएतेंकु
बेरश्रीमहादेवकीआग्यातें वाकोंसुपिनेमेंआपुनो
दरसदिषायो दरसनदिषाय तबयहकही जुआजु
प्रातहीक्षौरकराईहाथिलाठीलेकरिद्वारैछपिरहिजे
तबजुकोउभिक्षुकआवैताकौंलाठीकरिमारिये
तबवा[illegible]

इक्षजोलोभहजीवैलौंलौंआपुनीइछातैंनांमकरिजोआ
गेउनिछत्रीनेसोईकीयो जैसोउनिकह्यौतैसोहीन्ह्यो
यहसबक्षितांतजिनिनाउनेंकीयोहुतौतिहिनाई
सबदेष्यो देषिमनमेंविचारी निधिपायबेकोजोयहेव
पायहैतोमोहुंअैसीकाहेनकरौं वादिनतैंवहनाईमह
लमुंडाईहाथिलाठीलेनित्यहीद्वारैछपिरहै एकदि
निएकसंन्यासीआयौ देषि[illegible]करिलाठीन्हमार्यो १०१
मारतहीसंन्यासीमूवो यहदेषिराजाकेसेवकन्हना
ईमार्यो तातेंहुंकहतहौं औरकीबातदेषिबिनुबिचा
रेंआपुनकीजै तबराजाकही पाछिलीकथाकरिअ
बहीकौंआगमेंकैसेंजानिये जुनलोहैकिबुरोहै यह
बातरहोजुअबहीकारजकरनौंहैसोहीबिचारो मली

१ परवतकेहेठचित्रवरनकौडेरा हे अवकहाकरियेः राजा
बिचारुकीजेः मैंदुजासन्मुनौ सुनीहेः जुबडो मंत्रीगीयहै
ताकौ कह्याउंनि नांहिमान्यौ तातैं हमवा सुरियकौं जी
तहीगेः जातैयहकहीहैः जुअैसो सत्रुवेगिहीजीतिये
कैसैलोभीहोयः क्रोधीहोयः आलसीहोयः मिथ्यावादीहोय
असावधांनहोयः कातरहोयः मूरषहोयः सेवकन्हकौं अ
नआदरुकरैः अैसोसत्रु वहीजीत्योजायः तातैंजौलौं वाहू
आयकरिगौ [redacted] तौलौं नंदीकेघाटिः परवतकेघाटि
तिन्हकेमारिबेकौं आपुनीसेन्यांपतिपठाएजेः जातैंयहबा
तैं औरहुकहीहैः दूरकेचलेथाकेहोयः नंदीपरवतवन
तिन्हनीतरिहोयः बडे आगेहोयः डरप्योहोयः भूषप्यास
करिछीनहोयः असावधांनहोयः जीवतहोयः आधिक
रिः दुरभिछ्यकरि पीडितहोयः फूल्यिप्योहोयः थाक्योहोयः वर
षामैंहोयः कादौकरिः धूरिकरिः आपतहोयः मैदानमैंहोयः
चोरनकरिछीन्योहोयः अैसैसत्रुकीसेन्याकौंजाणिकरिमारै
औरउनकेकरि रात्रिजाग्योहोयः अरुतैंदिनसोवतहोयः औ
सीसेन्यांकौं ताकि ताकिमारैः तातैंयाकौं कटकुसमैं मांय
हमारैलोगजायकरि दिनुरात्रिमारैं [redacted] ः अैसैप्रकारकरि
चित्रवरणकेजोधाबहुतमारे तबचित्रवरणसोचितहै १०२
मंत्रीसौंकही [redacted] हमारीसेनांकीरष्यानहीकरतहो
सुकाहेतैंः कहा कछुमेरोअपराधदेष्योः जातैंमैं राजापासि
[redacted] मंत्रीकोअनुआदरुनांहिकीयोः जातैंगरबल
छमीकौंदूरिकरै जेसैंबुढापैरूपकौंदूरिकरैः औरचतु
रहोयसुलछमीकौंपावैः पथ्यषायसुआरोगिरहैः आ

रोगपहोदीसुषपावे अभ्यासतैंविद्यापावे विजकोतैंअरथ
[redacted] जसुपावे आश्रतनकीदयातैंघरमपावे निहकाम
देतेमोष्यपावे तबगीधबोल्यौ राजामूरषजोराजाहोइकैं
सुपंडितन्हकीसंगतितैंबडीसोजापावे जैसेंनंदीकेंप्र
संगकोरूपहस्योरहे औरसुनौं मंदिरापांनस्त्रीकी
आसकतःसीकारकौषेलिबो जूवाकोषेलिबो अनी
तिकौद्रव्यःअमारगकौषरचिबो कठोरबचनुबडोउग्र
दंडकौकरिबो ऐराजाकौंदूषणहे राजानकरे औ
रजोराजाकेबलसाहसकरे उपावकौआदरुकरै सो
राजासंपदाकौंनपावे जातेउपावअरुसाहिसइनदो
नुहुमैंलिषमीबसतुहे राजातुम्हअपनौकटकुदेषि
गरबतैंसाहसुबिचारिमेरोकह्यौनकीयौ अरुमोसौंबुरो

बोल्यौ साअनीतिकोफलुहैसोतुहे तुम्हैकोजातेयहीदै जुरा
जामंत्रचूकेताकौंनीतिकेदोषहोतहैं जोआपंथिकरैताकोंकौं
नरोगनहोयः लिछमीकौंनकौगरबुनकरेः कालकौंनखैंन
मारेः स्त्रीकौंनकौनमारेः अतिथकेअनआदरतेकौंनकौं
अघरमनहोयः तातैंमैंहुबिचारीराजाबुधिहीनहेः नातरमैंरी
कहीनीतिअपनीबाततनहीकरिकेसैंजातेजाकौंअपुनीबु
धिनहोयः ताकौंसास्त्रकोउपदेसुकहाकरैः जिन्हकेनेत्र १०३
नांहितिन्हकौंआरसीकहाकरेः तातैंमैंहुचुपकरिरह्यौ
तबराजाहाथजोडिकही जोबायहहे तोमेरोरीअपराधुहैं
अबजुकरकुर्उबस्यौहे सुभ्योघरिलै[redacted]करो गीध
अपनेंमनमेंबिचारीः अबहौंयहांउपावकरौं जातेयहक
हीहे देवतासौं गुरुसौं गाइसौं राजासौं ब्राह्मणसौं

बालकसौं बिधिसौं राषीसौं इन्हसौं जो कोऊ धोर्ड प्रज्यै तौ सरब
थानि बारिजे: तब हंसि करि राजासौं गीध कही राजा भतिङर
पो: समाधानु धीरज करौ: राजा सुनौं: मंत्रीन्ह की बुधि तब
जांनियेजब: बिगड़े मैं संवारै [illegible]: बैद सो रोग सुं संनिपात मैं सं
वारै: सुरत सो कौंन पंडितु होय: और अपनी षोरे ही
मैं आकुलाय जाय: बुधिवंत होय तें बडे हु कारज कौं आ
रंभ [illegible] अधीरजु [illegible] न करै [illegible]: तातें राजा तुम्हारै ही
प्रतापु करि कटक सहित ताहि धरि ले[illegible]: तब राजा के
ही अब थोरे ही कटक कौं गढु कैसें तोरे[illegible]गे. तब गीध कही रा
जा सब नीकौं कहै है: जु जी त्यौं चाहै सु बिलंबु न करै: ता
तें आजु ही गढ जाय छेकि जे: यह सुंनि: जासूस जु बु
गला हो[illegible]: तिनि राजा हंस स्यौं [illegible] आंनि कही राजा

चित्रबरन थोरे ही कटक सौं गढु घेरै चाहै है आजु ही गढ छेकौ
चाहत है: तब राजा हंस कही: चक्रवाक अब कहा करिये: चक्र
वाक कहतु है: राजा आपुनौं कटक मैं बिचारि[illegible]: कौंन भलौ है
कौंन बुरो है: यह जानि करि जा भलौ होय: ता लायक सो नौं
कपडा घोडा दीजीयै: जात मीति बिषय ह कही है: जु राजा पुकौ
दमडी आमारग षरचु करै तौ लाष टका कारिजा ऐ: समें पाइ कौ
[illegible]हू उठाय देहु तौ संकोच न करै: सो जु राजा होय ताकौं लिष
मी न छांडै: और यह इतने प्रकार को षरचु अबस्य है: जग्गि बि
षै बिवाह बिषै: दान बिषै: बिद्या अभ्यास बिषै: आपदा बि
षै: सत्रु मारिबे कौं: जा कारज मैं जस होय ताकौं: मित्र क
रिबे कौं: बिदेसी उदासीन्ह कौं: स्त्रियां सत्रीन्ह कौं: दलिद्री
जुनाई होय तिन्ह कौं: पैती ठौर द्रव्य षरचिये: सुद्रव्य श्रेष्ठ

जांगि पें अरथ थोरेहु वरच मैं अनुपतन एजाय॥ जातें असो कौं
न सुबुधी है॥ जो जगात के डर गोंठरी छांडै है॥ तव राजा कही॥ अ
सौं सभ में अति त्यागी कृपी पें जातें आपदा कों द्रव्य राखिजे॥
तव मंत्री कही तुम्हकुं कहा की आपदा॥ तव राजा कही
कवहुं लिछमी जात रिसाई॥ मंत्री कही तो राख्यौं हु धन जाय॥
तातें दान मान करि जो धान कौं समाधान करिये॥ जातें
नीति विषय यह कही है॥ जु आप नौं पराधीं जांने॥ उछाही
होय॥ प्रांण छांडवे कों निर्[illegible]॥ कुलीन होय॥ राजा का
रि वहुगुणी होय॥ असे ज्योधा सत्रु कौं मारि राजा की जय करे
॥ और नीके करि पोष्यें होय॥ सील करि जुकत होय॥ ऐसे
मतें मिलें हों॥ संग्राम विषे सूर कों निश्चै कीयो होय॥ अ
से जो पांच से हौं॥ तो सत्रु की सैन्यां कौं मारें॥ और जो बडे

मांनस हौं हि॥ अरु अविवेकी होय॥ कितघन होय॥ तौ असे
राजा कौं सिग्राम छांडै॥ असे कों मर की सत्रीहु छांडती है॥ औ
र की कहा कहिये॥ और ये राजा के उत्तम गुण हैं॥ पवित्र
ता॥ दान॥ सत्यवचन॥ दया॥ त्याग॥ आश्रितन्ह विषे आद
र॥ ये राजा कैं वडे गुण हैं॥ जिहि राजा विषे ये गुण न होय॥
ताकी सव लोग निंदा करै॥ और राजा मंत्रीन्ह की वडाई स
र्वथा करे॥ जातें जाकौ जो कछु सौं प्रौ होय॥ ताके भले वा १०५
को भलो होय॥ याके बुरे वाके बुरो होय॥ यह जांनिजे॥ अ
ति प्रतीति कौ होय॥ तिहि कौं प्रांण अरु धनु सौंपिजे॥ और
राजा के सत्री॥ अरु पुत्र॥ अरु बालक॥ ऐ मंत्री हाथ हि ता कौ राज
न रहे॥ और राजा कौं आनंद न होय॥ क्रोधी होय॥ अरु मंत्री के
प्रतीति तें उंजारु छीण होय॥ और सेवकन्ह के दुख सुख कौं

बिंचारनकरै ताकौ त्रियबीघनुकमेहुनबढावैः जिन्हमंत्री
न्हको नलौभुरौराजाहीकेसाथिहैः ऐसेमंत्रीन्हकौराजाआ
दरसनकरैःजातेमरकरिअंघाराजाः जबकारजसमुद्रमैंपरै
तबवासमुद्रमेंबूडतमंत्रीअबलुबनहुहैःआगैंमेघवरनना
मकागःजुहारकरिबोल्यौःराजा[illegible]कोप्रसादकरहुमो
कौःसत्रुजुधकरिबेकोगढकेद्वारेआयेहैंःजौतुम्हआ
ग्यादेवौतौःबाहरिनिकसिकरिआपनौंपराक्रमदिषाउं
तबराजातैंडरनहोउंःतबमंत्रीकहीऐसीमतिकरै[illegible]ज्यो
बाहरिनिकसिसंग्रांमकरियेतौगढकाहेकौं[illegible]स्योहैःऔ
रजैसैंनकजलतेबाहरिनिकस्योकौंनहुंकारजकोनांहीः
औरजैसैंबनतेंनिकस्योसिंघस्यालबराबरिहैतैसैंग
ढतें[illegible]हरिजोधाःतातैंगढतैंनउतरिजेःराजाआपुही
जायसंग्रांमुदेषिजेःजातेराजाअपनेंआगेंकरिजोधान्हसौं
संग्रांमकरवावैःराजाआपुजोठाढौरहैतौःराजाकेआगैं
कातरहोयसोउसिंघकीनांईहूजैःयहसुनिराजागढके
द्वारिआयौःआयबडौसंग्रांमुरच्यौःसंग्रांमुकरतुकरत
दिनबतीतभयौःतबचित्रबरनराजादूसरैदिनगीधस्यों
कहीःबाबाजीप्रतग्याकीन्हीःताकोनिरबाहुकरौःतब
गीधकहीराजा[illegible]ताबलौंहोयःथोरजोधाहोयःराजासूर १०६
पहोयःअरुकुबिसनीहोयःजोधाकातरुहोयःतौजाय
गढलदैःसुइन्हकेइहांऐसोपेकौंनांहीःतातैंगढकेलो
गन्हस्यौःसदउपराजीयेःऔरबहुदिनिछोकैरहिजेःअ
नपांणीकौनिरोधकीजेःसबमिलिसहांसुकरैं[illegible]ःतब
राजागढछूटैःराजाकहीतौजैसौबलुहैतैसोजतनुकरिये

तबमंत्री कांनिलागिकही हमारेमंत्रीभीतरिहै कामरहहमारे
कारजसबकरिहै तबप्रातभयौ आगलिदिनच्यारौंदुद्वारे
गढकेबड़ेसंग्रामहोनलागौ जोधायतलतकेबहोतजूझे
तबसंग्रामहोतहीमैं कागगढमैंआगिलगायदीन्हीं आ
गिलगा [redacted] गढटूटौ गढटूटेयहकही सुकारनलागौ
यहसबदसुनि अरुगांवमेंआगिदीयि राजाहंसकेजो
धाअरगांवकेलोगसबैजाजियांणीमैंपैठे जातेसमैंपाय
नीकौ मंत्रीकीजे नीकौ गढसांजिये यहनीति है राजाहंस
सुभीसुकुमारआजिनसकौ तहांयेकसारसुराजाहं
सकेजोधा चित्रबरनकेसेनापतिकुंयेकऔ हंसरा
जसहेतआइलओ तबहंसराजाकही सारसतूमेरै
निमितिकूऔ तू जाजिबेकौसमरथ है जायपांणीमैं

पैठौ हमारिखुसभूड़ाकरणकौसमस्ताकीआगयापायराजा
करिये सारसकहीराजा अदुदुसवचनमो स्यौंमतिकहौ
जौलौंचंद्रमांसूरिजहै तौलौंदुमांसमानिसिमलतदुारमैंसे
पैठैगे औरबिंमांकरिजुकतदातात्ररगुणकौंयग्रहै के
सेठाकुरनपाइजे तबराजाकही नकै तअरुनीकपर
अरुचतुर ऐसौसेवक कहुंनपाइजे यहराजाबचनु
नि सारसुअतिआनंदभयो संग्रामबिषै तबसारसुकहै
तुहै राजाऔरसुनौ जौसंग्रामछांडिजागेतौमरणनहोय १०५
तौजाजिवोबूझिये जोमरणअवस्पहैतौआपनौंजसुम
लीनकरिये सौकाहेकौ औरयाअन्यत्यसंसारमेंपराये
निमितिप्रांणअरुधनुछांडिये तौयातैंऔरकौंनबड़ौ
यहे राजातुम्ह हमारेस्वांमी ऐसीगैरतुमहिकैसेछोडि

औरधनास्वांमीकेछांडेकैसेंकुमजीवैतेसैंआ[illegible]रदाकेमयो
ग्रेनतरसोंवदनीवानसकैः औरराजाकैउदयतैंःसबलो
ककोउदोहोइः प्रस्तानपैअस्तहोयःजैसेंसूरजकेउदय
तैंकमलकोप्रकासहोयःअस्तनपैअस्तहोयः आगेः
कूकडेंआइकरिभास्योःतबसारसआइराजाहंसके
बीचिपस्योःतबकूकडेंकेनयनकरिराजाहंसजाजल
नयोःतबसारसअपनैंपांखनकरिचढायराजाहंसकू
लेपांनीभेजयोःअरुचूंचन्हकरिकूकडोंके[illegible]को
[illegible]सारसुंमास्योःतबचित्रबरनराजागढमैंगयोः
जाइगढकोसबढ्यलीयोःतहांभाटन्हकीस्तुतिसुं
नीआनंदवतुहोयहरिखसहितअपुनेडेरांगयोः
तबराजपुत्रन्हकहीअहोबाराजाहंसकेकटकमैं

बहसारसुबडोजुभवंतहोजिन्हआपुनीदेहीदेकरिस्वा
मिराष्यौःजातैगाइबछडुब्राह्मनतजनतीहैःतिन्हमैंऐककों
असमरथघोरीसारकौलेनीकौरहेःतबजिसनुसरमा
आहमहएणकहीःयहतौअपनौंसत्यकरिबिसाहैस्वरग
लोकमैंअपछरान्हसौंमिलिसुषभोगवंतहैःयहश्
तकहीहैःजोसूरमांसंग्रांममैंठाकुरकैरीज[illegible]निमति
प्रांणछांडैतौस्वरगभोगकरैः औरसूरमांसत्रुन्ह १०८
करिजहांतहांमास्यौहोयतौइंदरलोककौंपावैः[illegible]प
रुजोदीनतानजावैंःऔरराजान्हकौहाथीघोरान्हया[illegible]
न्हसौंविग्रहकबहुंमतिहोयःअरुनीतिअरुमंत्रऐहीः
जुपयनुतिहिकरिउडांनैःसत्रुतेननपरबतकोंआश्रो
करहुः [illegible] ।।३।।

अपसर्यो मित्रयोगी षनः आआ आपन्न ससमाया मस्त प्रः है तु है।
प्रजाहमी आतो महा: अवासथिमी आमहोत हुः सु नाहैः

जाकीयह कहीबात: जनदुरुराजासुं संग्राममहोतमैंसेनांमा
रै: पी बेरसुदोउ मंत्रीभीय अरु चक्रवाककाइन्हों मे
मेलकरायो: तबराजपुत्रन्हकही यहकैसीकथाहै: बिसनु
३ सर्मा कहतुहै जैनिराजाहंस चक्रवाकसौं पूछ्यो: हमारे
गढमैं आगिकौंनलगाई: हमारेगढहीकोकोउबासीक
दाचित उन्हसों मिलिलगो अपबाउन
हीकोकोउगढमैं रहिकरिलगाईयो: तबचक्रवाक
कही: प्रजा तुम्हारोसहजबंधुकारा सबहिकुटंबुसहि
तनदेषीयतुहै: तातैंहौंजानतहौं ब्राहीकौकांमुहै: रा
जायेक मित्रबिचारिकरिकही: ऐसीहीबातहै: मेरो

नाग्य: जातैयहकहीहै: सुबिचारकीयोकारजनसाइ: मैं
त्रीकौदोषुनांही: अपनेंनाग्यहीकोदोषुहै: मंत्रीकही: यह
औरहुकहीहै: मनुष्यकौंजबआपदापड़ै तबदेवकूं दी
षदे: आपणीकीन्हीअनीतिमुंषनबिचारै: औरजो
अपनेंहितकारीमिंत्रकोकह्योनसुनैं: सुकुहुबीजोनि
बेन्नष्टजोथ: राजांकहीयहकैसीकथाहै: मंत्रीकहतहै
मगहदेसमैंप्रफुलोत्पलनांमसरोवरहै: तहांबहुतका
लकैद्वैहंसरहै: उन्हकैमिंत्रएककछूरहै: तहांएक १०८
समएं: जहां झीवरआइकरिकही: आजुइहां बिसिकरि:
बिहांणैंइहांकीमछुरीकछुहामारेंहिंगे: यहसुनिक
छुहैकही: मिंत्रहंस: झीवरन्हकीबाततुम्हसुंनी:
अबहूंकहाकरूं: हंसनकही: अबहीदषेंगे आगैं

उपावबिचारैंहिगे: कछुहैंनहींयहजिनिकहौ: बिचारि
बेकीबारनहीं: यातैंयहकहीहै: जुआपदाबीचिजोउ
पाउकरे तौबोहुआपदाकौंटारे: जुऐसोकहेकैंहैंसो
कौनउपावकरे: यहकहे सु कछपायमरे: तबहंस
नकही: यहकेसीकथाहै: कछुहाकहतुहै: पहिलेंया
हीसरोवरमेंईहीजातिकेजीवरआये: तबतीनमछुरी
नबिचारकीयौ: ऐकमछुरीकोनांमु: अनागतविधा
ता: तिनिकही: हौंतौऔरहीठौरजैंहौं: यहकहिकैंऔर
हीदहमैंगई: दूसरीमछुरीकोनांमु: उतपनमती: उं
निकही: आगैंकहाजांनिऐ: कहाहोयगो: जबहोयगो
तबहीउपावकरेंगे: तीसरीमछुरीकोनांमु: जदम
विष्यावउतपनमतीकैंहैंतीरें: अहोनीतिविषेय
हकहीहै: जोउपजीआपजीवआपदाकोंउपायकरैसो
ईसुबुधीकहिजे: जैसेंबनियांकीस्त्रीपसमकेविद्या
मांनुप्रारूलुकाया: तबहंसपूछतहै: यहकेसीकथा
है: कछुलिकहेतहै: विक्रमपुरमेंसमुद्रदत्तनांमाएक
बनियांरहे: वाकीरतनप्रभानांमास्त्री: अपनेसेवक
सौंरहे: जातेंस्त्रीकौंनकोउनांन्हौ: नकोउअडौ: नीति
हीनऐपुरषकौंचाहै: जैसेंगाइबनमैंनएनएहरेहरेत्रि
णचाहै: ऐकदिनवहस्त्रीसेवककेमुषचुंबनदेतप ११०
समहिदेषी: तबवहपरपंचकरिउतावलीपसमकेपा
सिआइकहनलागी: स्वांमीयहसेवककुनरामिऐइन
सेवकनेंसबचुरायषायौ: मैंयाकोमुषअबहीं
सुंघिदेष्यौ: बासआवतीहै: यहसुंनि: सेवककंदुरिस

कही: जाघरमैं ऐसी सत्री मुषसंघै हि ताघरमैं सेवककैसैं
रहे: यह कहि सेवक उठि चल्यौ: तब ताकौं साह मनायु
ल्यायौ: तातें हौं कहत हुहौं: जब आपदा होत है तब ही मैं उपा
उ करिहौं: यह बात उनपनमती कौ सुंनि: जद नानिष्पक
री जो नाहि नांही सो कबहुं न होय: जु नाहि है सु बिनां
नऐ नांरहे: कौंन चिंता करें: तब बिहांन नऐ: केवट जा
लपसारयौ: ऐक जो और सरोवर गई सु छूटी: केवट के
जाल मैं दोय बांधी: तब उनपनमती भ्रितगमी होय रही:
तब केवट मूई जांणि: जालतें काढि कूं मि[illegible] नाषी: तब कू
दि कैं पांणी मैं परी: यह तौ छूटी: यह दूसरी मकरि केवट
भूंमि मैं पटकी सु मूई: तातें हौं कहत हौं: जु पहिलें ही उ
पाउ करे सु कष्ट न पावे: तातें मित्र हंस कछौ मैं हौं और

सरोवर जांउं: तैसें तुम्ह दोउ मिलि करौ: उन दुहुं कहि ऐडे मैं
लुं के संचले [illegible] गो: कछु है कही ऐसें हौं तुम्हारें साथ आ का
स के पैडै जांउं सो ही करौ: उन कही कौं न उपाय करि [illegible] त
ब कछु है कही: तुम्ह दोनौं ऐक लकरी लेहु: सु लकरी दो
तन्ह करि मैं बीचतें पकरि हौं: अरु दोनहु कौं [illegible] तुम्ह पक
रौ: पकरि कैं मो कुं लै उडौ: तब हंसन कही तुम्ह नीकी
कही: परु जहां जहां उपाउ बिचारिऐ तहां उपाय कुंनि
बिचारिऐ: जैसें बगुला के बालक न्यौल हि: बगुला के देष ११५
तही आऐ: कछु है कही: यह कैसी कथा है: हंस कहतु है:
उत्तरापंथ मैं कावेरी नंदी के तीर: ग्रिधकूट नामा परबत
मैं ऐक बड़ो रूष है: ता रूष उपरि बगुला रहे हैं: ता हेठ
बिल मैं [illegible] ऐक सांपु रहे है: उन्ह सांप बगुलांन्ह के बालक

११२ कौं पाइ: तरह बुगलानि तिन्हरहिरौं सुतकौं सो बात देषि: बूढे
बगुला येक कहा याते करत हैं: अरे तुम्ह यह उपाव करो: कुत्र
व मिलि बहुत मछुरी आंनि सांप के बिल ते न्यौला के बिल
तांई पांति करि राखि जाइ: मछुरी पाइबे कै लोभ ते सांपु न्यौ
ला के बिल तांई जाइगौ: तब न्यौला सांपु कौं देषि मारेगौ:
सहज बैर ते न्यौल सांप कौं बिनु मारें न र[illegible] हैं: उन बगुल
ऐसी ही करी: सांप मछुरी षात षात न्यौल तांई गयो: तब
सहज बैर ते सांप न्यौल [illegible] मास्यौ: तब उनि न्यौलहि रूष
परें बगुलान्ह के बालक बोल न सुनें: सुनि करि न्यौल
रूष परि चढि कै सब बालक षाये: [illegible] कौ उपाय बिचा
स्यौ: पर उपाय न बिचास्यौ: ताते हौं कहत हौं: दोउ बि
चारकी जे [illegible] हम कौं ताहि ले जात देषि पैडे मैं को उ

देषौ देषि हसै: अरु किछु कहत जो तुम्ह बालक कौं ले तो कि
रि परी हौ: तब मरि जांबो जब हम कहा क[illegible] हैं: ताते तुम्ह
इहां ही रहौ: कछुहा कही: कहा हौं बाउरौ हुं: जु बोलिहौं:
तब वै हंस उंही भांति ले चले: तब मारग में कछुहा कौं
लटकत देषि: अहीर सब संगि लागि धाए: यह कहत
न पै: अरे कछुहा कौं पंछि लीए जात हैं: जो इहां यह गि
रि परै तौ इही ठौर हूं [illegible] षांई: काहू कहि घरि ले जांहिं: तब
उन्ह के दुष्ट वचन सुनि क्रोध करि पछिली बात भूलि करि ११२
कछु है कही: तुम्ह [illegible] षाहु: यह कहत ही मुष तें लकरी छू
टि भूमि गिरि परस्यौ: उन्ह अहीरन मारि षायो: ताते हौं कहत
हौं जु हितकारी मित्र को वचनु न सुनें न करै तौ को बुरो हो
इ: इहि बीची बगुला जा सारस पठायो हुतो: तिनि आक

कही: राजामैंयहलैहौ कहौंपढायौहुतौ जुगढमैंनयौउ[illegible]
मतिकौ[illegible]: सानुम्हहमारौवचनुनकीयौ: ताकौफलु
तुम्हपायौ: मेघबरननांमौकागतिनिगढुजलायौ: गीध
कौ पढायौ: यहसहांआयौहुतौ: तबराजास्वालकीयौक
ही: श्रीतितेउपकारतेजौसत्रुकौ प्रतीतिकरैसुदुषपावै:
जैसैंरूषउपरिकौसुतनहारौगिरतौपछितावै: तबजास
सकही: इहांतेजबआगिलगाइकरिमेघबरनकागउ
हांगयौ: तबचित्रबरनराजासंतोषपाइ वास्योकही: इ
हिमेघबरनकौंकपूरदीपकौराजदीजिये: जातेजुसेव
कुकारजकरिआवै: ताकौकीयौठकुरनसावै नांहि:
द्रव्यकरि: सनकरि: दिष्टिकरि: वचनकरि: वाकौंसंतोष
करिये: तबचक्रवाककही: जौतौआगेकहौ: तबजासरस

कहतुहै: वाकौंप्रधांनमंत्रीगीधहू: तिहिकहीराजापाकौं मे:
घबरनकौंयहांकौराज्यनाबूझीये: याकौंआरकछूप्रसाद:
दीजीये: जातेजोजितनैंलाइकहोय ताकौंतितनौंहीदीजि
ये: नीचकौंउपकारुजैसैंवानरमहिकौमूतिवौ: औरराजा
बडेकौजुठौरबूझीये: सुनीचकौंदीजिये: यहबातकहि[illegible]
सुनीचवडौठौरपाइस्वांमीहीकौंमारणचाहतैसैंमूसा
बाघह्वैकरिमुनीश्वरहीकौंमार[illegible]: तबचित्रबरन
पूछीयहकैसीकथा है: तबदुरदर्सीगीधकहैतुहै: गोतम
रिषीस्वरकेतपस्यावनमैंमहातपनांमामुनीश्वररहै: ११३
उनिआश्रमकेनिकटि: ऐकमूंसाकौछौनांकागकेमु
षथेगिरयौदेख्यौ: पीछैदयाकरि: पसाहिकेकणषवा
पोस्यौ: तबवामूंसाकेषाइवेकौंऐकबिलावआवत

सुंन्याव्रत देष्यौ: पीछें अपने तपकें बल वह मूंसा बिलाव
कीयो: पीछें बिलाव के षावे कौं ऐक कूकर आयो: तब
उनि मुनीस्वर बिलाव कौं कूकर कीयौ: तब उनि कूकर
के षांबे कौं ऐक बाघ आयौ: तब वह कूकर मुनीस्वर बा
घ कीयो: तब वह मुनीस्वर पहिलें जैसें मूसा कौं देषे तैसें
बाघहू कौं देषे: वा मुनीस्वर कौं लोग सब कहें हैं: ईनि
ऐक मूसा बाघ कीयो है: यह सुंनि बाघ बिचारयौ: जौलौं
यो तपस्वी जीवत है: तौलों मो सौं लोगन्ह की कहावति
न छूटि है: यह बिचारु करि: मुनीस्वर कौं बाघु मारन
चल्यो: तब मुंनीस्वर ध्यांनु करि वा की यह बात जांणी
जांणि करि वह बाघु बहुरि मूसा कीयौ: ता तें हुं कहत
हों नीच कौं बडी पदई न दीजे: और यह बात सुग

सुनां ही: और सुंनौ: ऐक बगुला बहुत मछुरी छूटी बडी
षाय करि: अपूरबन नवा मांस षाबे कौं बिचारु करि कें
कडा कौ पकरतें कें कडौं मारयौ: तब राजा कही: यह कैसी
कथा है: गीध कहतु है: मालव देस में परंम नगर नांनौं मौं
सरोवर है: तहां ऐक बिध बगुला असमरथ आप कौं
उद्देगी सो जनाय करि कें हौ: सु दूरतें ऐक केकडो देष्यौ
अरु पूछ्यौ: बगुला तुम्ह काहे तें अहारु छांडि दुषी सें
रहतु हो: तब बगुला कहतु है: मेरे मछुरी ही जीवनु है ११४
आजु उन्ह मछुरीन्ह कौं धीवर आइ करि मारहिंगे:
यह बिचारु धीवरन्ह कौं आजु नगर में मैं सुंन्यौ है
ता तें आगें हौ अहारु बिना मरिहौं: यह जांनि मैं आ
जु ही अहारु छांड्यौ: तब ताल माहि की मछुरी बिचा

स्यो इहि समपे हमारो [illegible] बगुला हितु सौं लाग तहै। जुद
मकों करणौ होय स्तु याही तें पूछियें। जातें यह कही है। स
तु जो [illegible] करे तो वाहु सौं प्रीति कीजे। मित्र जो आपका
के करे तो वासों प्रीति [illegible] करिये। [illegible]
[illegible] जातें उपकारु मित्र को लक्षण है। अपका
रु सत्रु को लक्षण है। तब मछुरीन्ह कही। बु[illegible] कैसें हु करि
हम हितु राखिसं के[illegible]। तब बगुला कही। ऐक उपाव है।
हम तुम्ह कौं इहां तें और पांनी में लेराखें। तब मछुरी
डरतें कही। लेराखु। तब वह दुष्ट बगुला ऐक ऐक करि
समस्त मछुरी खाई। आगें केकडा बगुला स्यों कहतु है।
अरे बगुला मोहु कों उहां ले चलु। तब बगुला नवे म
सचाल की इछा करि आदर सौं ताकों ले चल्यो। ले जा

इ करि उहां राख्यौ। केकडें उहां मछुरीन्ह के हाड काटे देषे।
देषि विचारन लाग्यौ। अब तो में मूवा। अब इहि समें जु कू
छि ऐमो ही करौ। जातें तो हितो उरउपजे जो लौं भय आवै
जब भय आइ लागे। जानिऐ। तब डर छांडि मारिजे। और
आपकौं [illegible] मारण आवे। तब उ वरिवे कौ उपाव न
विचारिये। जु यही कस्मिरै लो जलो। अथवा मारे। औ
र जो रून करे तो मरिबो निश्चे है। कहा जानिऐ। आ
बुला कौं मारिजे। यह जांनि ऐसे समऐ संग्राम जलोय ११५
ह विचारु करि बगुला को गलो काट्यो। अपूरब वच्छ के
लोन तें बगुला मूवौ। तब चित्रवरन कही सुनौं तौ मेंघौ
मेच्न सौं हि विचारु कीयो। जु मे भवरनाय हां कौ राजा हो
यतौ यहां की जली जली वस्तु हम कौं पहुचाय देइ तौ

हंमविद्यारि[illegible]परवतकेषगमैंसुषीबैठेरहे[illegible]ःगीधहंसि
करिकहीःआगिलीबातकेबिचारैतैंजुसुष मांनैंसोदु
षपावैःजैसैंकुम्हारकेबासनफोडिःब्राम्हणदुषीजयेः
राजाकहीयहकैसीकथाहैः मंत्रीकहतुहैः[illegible]देवब्र
मो नां भाषे कु ब्राम्हणरहैःतिनिमेषसक्रांतिकौसातु
जस्योःएकसरवापायोःबहलेकरिमांटीन्हकेपात्रलरेः
कुम्हारकेघरमैंधरिस्स्तोःमनमैंहियहबिचारकरनलै
गोःजुयहसांतबेचैतौंदसकौडीपांउंतौउन्हकौडीन्ह
करिऔरसरबालेउंःयहबेचिऔरलेउंःइहिभांतिज
बमेरैबहुतपूंजीहोयःतबनारेलसुपारीमिरचिइन्ह
कौबडौब्यौपारकरिलाभन्हदांमउपराजिःव्यारिब
हकरौंःतबवैसत्रीआपसमैईरषाकरिःलाबीन्हमा

रिहौंःयहमनोरथकरिपांवहालावीचलाईःतबआपनौं
सांतुकौसरवोफूटौःअरुकुम्हारकेबासनफूटेःतबकुं
म्हारवहसनदसुंनिबासनफूटेदेषिबांभनुंघरतेंनीतरि
तैंकाढिदीयौःकमराछिनायलीयेःतातैंहौंकहतहौंः
आगिलीचिंतानकरियेःतबराजागीधकौंएकांतकरि
कहतुहैःबाबाअबजुकरणबूमापैसोईकरो[illegible]ःतब
गीधकहैतुहैःजातैंगरबीराजाभूरषहोयःताकेआगे
सुमंत्रीहोयताकौलोगसबनिंद्राकरैं[illegible]ःजैसैंमदकौ ११६
हाथी[illegible]सबलोगगालिमहावतकौंदे
ःऔरसुंनौंराजायहगढतुम्हअपुनैंबलुतैंताउ
किधुंतुम्हारेप्रतापकरिहमारेउपायतैंटूटोःमंत्रीक
हीतोतुम्ह[illegible]हमाराकहोकस्यौतौतुम्हारीजीतिनईहैः

अबतुम्हअपने घरकौचलो[illegible]मांहितरवरियाकालविर
उपरिआयोहेः सत्रुबराबरिकोहेः अबतोयासौंआंटकी
लौ पराईह्नमितैंनिकसिबोकठिनहेः मूहकोमेलः ह
लनलकरिचलियेः गढलोआजसुनयाः इव्ययायो
जातेजु मंत्रीघरमुरामैंः राजाकीसुहावतीअनसुहां
वतीः बिनिबिचारेंहीअवस्यकहेः जबराजाकौ [illegible]
कारजआइपरेः तबमंत्रीबिनुकहेंनरहेः अैसौमंत्री
राजाकौंसहाईहोयः औरजोबराबरिकौहोयताहूसैं
प्रीतिकरियेः औरमित्रघनुराजआपुनी[illegible]ःकीरति
रूपकरिन्हकौसंदेहमैंलीपैसुकाहेकुंः तबराजाव
हीः सहवातजौअैसीहैतोपहिलैहीकाहेनकहीः घर
हीमेंबेठेरहितेः तबमंत्रीकहीः राजाहमारोबचनुबौ

आदिअंतलौंनसुन्यौंः मैंहीबिचारपहिलैहीबिग्रहकें
रनकौं[illegible]तोः जोतैराजाहिरन्यगरभकेगुणप्रीतिहीं
करिबेलायकहे[illegible]ः यासौंबेरुनबूझीपेः जातैंसत्यब
तहोयः आपुतैबडोहोयः धरमिकहोयः जाकेनाईबें
घघणांहोयः बलवंतहोइः अनेकसंग्रामजीत्योहोय
डुखहोइः इन्हसातहुसुंप्रीतिकरियेः सत्यवंतसौंजु
बोलकरिंप्रीतिकरियेः सुआपुनोसत्युराषिबेंः वहबो ११८
लतैनटरेः बडेसौंप्रीतिकरियेः बडोजुहोइसुप्रांणहुं
कौंसंकटनपेबुरीनकरैः धरम्यकसौंपरलोकप्राप
तिहोइः अरुधरम्यकसौंजीतिबौकठिनः जातैसब
प्रजावाकौसनेहतैवाकेसाथिलडहिः औरजबआ
पनोंबिनासुजांनिपेः तबहुस्हुंसौंप्रीतिकरिये

९७ तरु कष्टसहि आपदाकाढिये परंतु दुष्टसौ प्रीति नकरिये जातै दुष्ट मिले ही मैं मारै जैसैं सरपु समैं पाइ गरु डीहुं कौं काटै और जैसै सीशा ढि मांरी काटेन्ह करि बे ढि होइ तौ लई न जाइ तैसैं जाईन्ह करि जु कातर राजा जी तिन सकी रे और बलवंतसौं संग्रांमु न कूझीयै जातें मेघ बयार के सामुहें कबहुं न चलै और जो अनेक संग्राम जीतो होइ ताके प्रताप ही तें सब हारि मांने जैसें परसरांम ते सब छत्रीनाजै अरु जौ बासों मिल्यौ तौ ताकु सब सत्रु होइ सुषहगुं एस बराजहै सराजा मैं है तातें यासौं मिलि प्रीति कीजै तब सहसुं नि चक्रबाक जासूस सौं कही बगुला बहुरि तु वहां ही जाहु और समांचार होइ सुनी कै नीके

जांणि आवहु आगैं जासूस चल्यो तब राजा हंस चक्र बाक स्यौं कही मंत्री जिन्ह सौं प्रीति न करी ऐ तिनि हि हौं जांणैं चाहत हौं कहौ मंत्री चक्रबाक कहै तुहे राजा हुं कहत हौं सुनौं बालक स्यौं प्रीति न करिऐ बृधि सौं प्रीति न करिऐ रोगी सौं न करिऐ जु जाति सौं बाहरि नयो होइ कातर सौं जाकै नले जो घा न होइ तासौं जाकौ मंत्री लालची होइ जाकी बैराग्य की प्रकति होइ ११८
अरु जो सदा भोग ही मैं आसकत रहै और जौ स्थिर चित न होइ जो मंत्र करि न जांणै अरु देवता ब्राम्हणकी जो निंदा करै जो आसांभी होइ अरु नागन की निंदा करै जो दुरभिष करि दुषी होइ अरु जाके सेवक दुषी होइ अरु जो अपने देसतें छूटो होइ जाके बहुत बैरी होइ

११८

जाकेमरणनिकटिहोइ[illegible]चंचलचितहोइसुधरमकरि
सत्यकरिहीनहोइःसंग्रांमुकरिमारी[illegible]ःईनसोइ
तनैंन्हस्पांप्रीतिसंधिनकरिपेगारुआअवइनकोवि
[illegible]रुकेहि[illegible]लुहौंःबालकस्यौंप्रीतिनकरिपेसुकाहे
तैंःबालककोतेजथोराःतातैवाकैसाथिकोउनलैः
जातैबालकुउंउप्रस्त्यागुनकरिसकेःब्रिथिअस
रोगीपेउछाहकरि[illegible]पेदोउअंपही
तैकष्टपावै[illegible]ःऔरजोजातितैंबाहरिनयोहोइ[illegible]
सुषहिमास्यौजाइःकौनरुसंग्रांमुतेंआपुहीनाजैः
जाकेलो[illegible]काइरहोइःताकौंवहैलोगऊँहीमेंछो
डै[illegible]ःलोभीकेसेवककहिंजुयहराजाअति[illegible]रति
करिहैःयहजांणिवालोभीकेलेगुसंग्रांमनकरे[illegible]ः
औरजोमैंमचीतहोपमत्र नमरैतामुमत्रीछाडे ॥

औरजाकौलोगलोभीहोइःजाकेलोभतैं[illegible]लोगभारै[illegible]ः
बैरागीकौप्रजादूरहीतैंछाडैंःजुदेवताअरुब्रांम्हण
कीनिंदाकरैसुअधरमहीतेजाइःजाकेसेवकदुषी
होइसुठाकुरकौनलोनबांछै[illegible]ःवैहजुधकेसैंकरै[illegible]ः
जुदेसजाकोघूटोहोइःसुछोटेहुसत्रुकरिमार्यौजा
इःजैसैंपांणीमैंछोटोनकाबडेहाथीकौलेजाइःऔ
रजाकेबहुतसत्रुहोइःसुजहांजाइतहांहीमारिजेःसमैं
बिनुजांणैंजोबहुतदुसित्रासहितसंग्रांमुकरैःसुछो ११९
टेहूंसत्रुस्योंहारैःजैसैंकौवाराविसमैंउलु[illegible]करिसं
ग्रांमबिषैमार्योजाइःजैसेंअंधियारामैंआरसीः
जोसत्यकरिधरम[illegible]हीनहोइःतासौंकीन्हीप्रीति
अंतिआगैनरहैःराजाऔरसुनोःसंधिकहीयैः

६ प्रीतिविग्रहकहीऐःवैसेंग्रासनुकहिऐः वैविबोजांनुक
हीयेःजात्राद्वैधकहीयेःभेदग्राश्रमकहिऐजनुःपेछ
हरुणराज्यकेहे[redacted]ःग्ररदेसकालकौंजाणैंसबहिक्का
मकरिबेकोउपावजांणैंःमनुष्यकीग्ररुद्रव्यकीसंप
दाउप[redacted]जांणैंःग्ररु[redacted]जोकष्टग्रावेताकेनसा
इबेकौंउपाइजांणैंःउछाहकीसंकतिहोइःमंत्रकीसक
तिहोइःप्रभुताकीसकतिहोइःऐसबगुणजामैंहोइः
तेदेसकोग्रलंकारहोईःऐसबग्रापनीमईंविचा
रिकैंजोसत्रुपरिचढेसोईजीतेःजातेलक्ष्मीप्रंथगहूंके
दीऐनपाइजेःग्रैसीचंचलालक्ष्मीऔनीतिमारगसु
ंचलेःताकोंग्रापहीधरिबैठेग्रावेःग्रौरजाकेद्र
व्यकोधरकुजहांजितनौंबूझीयेतहांतितनौंबंधा

नसौंवरचैःग्रौरजासूंसीग्रारूमंत्रऐदोर्उगुपलहीराषि
येःग्रौरजोराजाकाहूसौंग्रप्रियवचनुनकहेंसुराजाग्रा
समुद्रांतसंपूरनप्रथ्वीकोठाकुरहोइःराजाजदपिबः
ग्रमंत्रीगीधसंधिकनेकहीहेःतोहुजयकोंग्रवतेराजा
ग्रबहीवाकोंकहोंनमांनिहेःतातैंजुहौंकहोंसुकरेंगु॥
सिंघलदीपकोराजामहाबलुनांम[redacted]सुहमारोमित्र
हेःजंबूदीपमैंमंडलीकटकइकरोःजातेंग्रपुनीसेन्यां ११०
कीरष्याकरिसत्रुकीसेन्याकोंग्रागेपीछेरातिदिनुक
रिदुघर[redacted]ःजातेंदोर्उतातेहौंहितोमिलहिःजैसेंतातैं
कीयोलोहःवेगिमिलेःतबराजाकहीग्रैसीहीकरोः
तबचक्रवाकविचित्रनांमाबगुलागुपतसीकागद
देःसिंघलदीपकोंपठायोःइहिबीचिसिंघलदीपको

बगुलाबीदाकीयो॥ अलतपाहीबुगलाजाम सआयो॥
आइराजासोंकहीः राजा सुनौ महांके समाचारः जहांगी
घंकहीः चित्रबरनस्यौंः यह मेघबरनकागगढमैंबहु
तदिनरहेहैः यहराजाहंसप्रीतिकरिबेलाइकहेकिनौ
हिः तबराजाकागुबुलाइ पूछौ के सोयहराजाहैः केसोवै
मंत्रीहैः तबकागकहीराजाः राजाहंससाम्यातजुधिष्ठि
रहैः अरु मंत्री चक्रवाकः सो मैं नांहिकछु देष्योः तब
राजाकहीः तौतैं केसैबाकोंऊहकंयोः अरु गढमैंके
सैतैंरहनपायोः कागकहीः राजाजुजाकी प्रतीतिकरै
ताकोंऊहकालकौं नविलंबुजैसैंजाकीगोदमैंकोउसो
वैःसुताकेसोवनहारेकोंमारेतौ यहकहाकरैः राजा
सुनौजुवनिचकवाकमोकोंस्थतहीजान्योः परूराजा

बडे महांतलातैमैंऊहकालासैउपमाअरु पुनीकों
दुरजनकौ सत्यवकताकरिजांणैः ताकोंदुरजनुंऊह
कैः जैसैंपेकब्रांम्हणबोकऽानि मितितीनांगमिंक
हौः राजाकहीयहकैसीकथाहैः कागकहैतुहैःगो
तमारन्यबनमैंपेकुब्रांहमणुजग्यकरिबेकोंआर
गांवतेपेकबकसमोलिलीः आवततीनठिगनु
देष्योः तबवैतीन्योंदुरुआगैंजाइपेऊमैंकोसपेक १२१
कोअंतसकरिबैठौः तबसहब्रांम्हणुपेकैंठगपूछ्योः
अरेब्रांम्हणयहकूकराकांधेउपरिचढायेकाहेकों
लीयेजातुहैः तबब्रांम्हणकहीः यहकूकर नहीं
मिंकुबकराहैः आगैंआतकोसपेकउपरिः दूसरेंठी
हीन्योंतिकहीः यहऔसाप्रकारदुइकेवचनुसुनिः

आप्त गुग्रकराकोंयेपर तैउ तारिदेष्योः बहुरिकांधै
धरि संदेहु करतकरत ब्रालण चल्योः जातैदु हूकैबच
नतै महांतहूकी बुधि चलतु हैः संदेहु मैंपरतु हैः तुउ
न्हकै बचनकी प्रतीतिकी[illegible]रेस्तु मरैः जैसैं चित्रकर
न मूत्रोः राजा पूछी यह कैसी कथा हैः कागकहैतु हैः
कौनहु देसबडे बनमें पेकु मदोतकर नामा सिंघ रहै
ताकै सेवक बाघ्र स्पाल काग ऐतीन्यौं बनमैं फिरत
फिरत ऐक उंट देष्योः उंटस्यौं पूछ्योः तुंम कहां तैं आ
ऐः कहां जात होः उंनि वं रि[illegible] अपनी सब बातक
हीः जैसी हुती तैसीः उंट कहैतु हैः हुं आपनैं संगतै चूलि
इहि बनमें आयो हुंः तब उन्हुं लै सिंघ कौं[illegible]योः सि
घ पूछत हैः कोहे यहः कहां तैं आयौः उन्हां कहीराजा

यह उंट हैः संगतै चूलि इहि बनमैं आयो हैः तब सिंघि
अनैदानु दीयोः अरु चित्रकरन नाम नाकौ थ[illegible]
ऐकसमै ऐः अतिबरिषाकालमैं सिंघ अति भूषौ न
योः तब सिंघकौं[illegible] बिनु अहारः बाघ्र स्यालु
कागः इन्ह तीनुहुं बिचारु कीयोः अहो सिंघ जैसैं चि
त्रकरनहीकौं मारै सो उपाय करैतुः यह उंट कौ
नकौ षांनहारोः या तैं हमारौ कौन कारज है हैः तब १२१
बाघ्र कहीः राजा याकौं अनैदानु दरायो हैः कैसैं मा
रि होः काग कहीः इहि समैं राजा छीण आपै करि हैः जा
तैं भूषी महतारी बेटाहू कौं न छांडैः भूषी सांपु नीअ
पनें आंडाकु षाईः भूषा कौंन पाप न करैः जातैं छीण
पुरुषकौं दया नहीं रहतु हैः और मद करि मातो होई

१२ असाभयांन बाछरो अईएक कोछी कूषौ लोनी
कुरीना उतावलो कांमी पैंअरमको राजानें ल्याइ
विचारु करि सिंघके लीयें गये सिंघ पूछतहे
कछु पावेकौ ल्यायौ तब कागकही राजा बहुतज
तनु करि ल्यायौ परि अहारु कहुं न पायौ सिंघक
हीतौ अबकौं जीवेंगे कागकही राजा हाथको
आयौ अहार छांडत हो तातें और कुठौर नांहि पाव
तः सिंघकहीई हां कौन अहारु है कागकोन मेला
गिकही सरु चित्रकरनु है याकौं मारिषाइजे सिंघ
कही मारिपे कैसें मैं याकौं अनैदांनु दीयो है जातें अ
भैदानु सुबरनदान अनदांन आतमादांनु ये
सबदांनु अनैदांनुकी बराबरि नांहि और सबबि

धिकरि जु कलः अस्वमेघजगि कौ पैं जु फलु होइ सु
फलु सरणागतराषें होइ तब कागकही राजा तुं
म मति मारो हम भमावक रिहेंगे तुम्ह आपुहीं
तें आपनौं सरीर देहे सिंघ यह सुनि करि चुपकै रह
यो तब काग सिंघकौ मनु जांणि कपट करि सबहिनु
ले सिंघके पास गयो कागराजासों कही राजा अह
रु कहुं नहीं पायो मोहि मारि षाउ राजा तुं म्हव १२३
हुत दिनके भूषे मरतु हो जातें जु राजा न होई तौ प्र
जा केसें हूं न जीवे जे सें आंबर दान होइ तौ धन तर सारीषा
[redacted] नसके और सब प्रजाकौ मूल राजा
है जैसें ब्रषाकौ मूल रहे तौ आगें पत्र फूल सब होइ
तब सिंघकही यह मरीये सु भलौ पर ऐसौ कर्मु

चलो नांही: जु आश्रित मारिये: तब स्यालहु काग कौं सै
बचनु कह्या: सिंघपुनि नांही उतर दीयौ: ब्या[घ]हुं कै
सि[illegible]ही कही: राजा बहौ उतर दीयौ: आगैं चित्रबरन
राजा स्यौं कही: [illegible] मेरो सरीर षाई कैं तुंम्ह अपनौं
प्राण राषौ: अर कह तही बाघ चित्रबरन कौ पेट फा
डि मास्यौ: तातें हु कहत हौं: दु[ष्ट] के बचन तैं चलेहु
की बुधि चलै: तब तीसरै ठग कही: अरे ब्राम्हणकु
करा कौ यपरका ह कौं ली ऐ जात है: तब ब्राम्हण बी[न]
के कहै बकरा कौं छांडि सचेल सनांनु करि घरि गयौ:
३) बंन्हौं तीनुं [illegible] मिलि बकरा मारि षायौ तातें हौं कह
तहौं जो अपुनी उपमां करि: और दु[ष्ट] की प्रतीति
करै सो उहकावै: तब राजा कही: मेघबरनु तुं

बहुत दिन सत्रुन्ह मैं कैसैं रह्यौ: अरु कैसैं उंन्ह सौं प्री
ति कीन्ही: काग कही राजा स्वामि के कारज कौं अरु
अपने कारज कौं कहा नांही करिए तुरंद षुलैं कजार
[illegible] मांथे करि नांही ल तु जैसैं नदी रूष कौं मू
ल धोवत ही गिरावै: और जौ बुधिवंत होइ: सु अप
ने कारज कौं सत्रु कांधा उपरि चढावै: जैसें ऐक प्रिय
सो पु बहुत मीडुका मारे: राजा चित्रबरन पूछी यह
कैसी कथा है: मेघबरन कहतु है: ाजीरण उद्यान १२४
बन मैं मंदबिस नांमा ऐक सरप रहै: सु अति ब्रिध:
अहारहु कौं फिरन सकै: सरोवर तीर परयौ रहै:
तब ऐकैं मेंडुकनां स्यौं दूरही तैं कही: अहो तुम्ह
आपुं कौं अहारहु नांही षोजत: पर रही रहै त हौ

४ सुकाहेतेः तबसुपकहीजोउ कहांमोआनागेसो
पूछ्यौ तहांउनमेंहुकाआश्रेजमांनिहठकरिपूछ्यौ
तोनीहमस्योंकहोः सरपकहतुहैः अहोयाअहंमधु
रमैंकोडिन्यनांमांब्राम्हणहैः ताकोबीसबरसको
पुत्रगुंणवंतअनागपतैमैंकाट्योः तबब्रांम्हणसु
कोसुपकाट्योरेषिः मुरछाकेसोकतैभूमिमैंगिसौः
पीछैवानप्रवासीलोकउहिकेजाईबंधसबमि
लिआयेः जातेसुषमैंदुषमैंदुरभिषमैंसत्रुकेदु
षमैंराजद्वारमैं मुसांणभूमिमैं जोइन्हठौरमैंःसं
गिरहैसोइबंधुजांणिजेः तहांयेककपिलनांमांब्रा
म्हणकहीः अरेकोडिन्यतुंमूरषहैः जुइहिनोतिरे
षनिहैः सुनुरेजुसंसारमैंउपज्योहैताकोपहिलैं

म्रित[redacted]पीछैमाताकेकोषबैठावतहैःजै
सैंहोइपहिलैंआपगो[redacted]पीछैमाताकेहाथिदे
हुआसेमनुष्यकोलोकुकहाकोजेः औरसीन्यांसहि
तबडेराजाजुधिष्टरआदिदैकहांगयेःउन्हकेबि
योगकीसाषिदेबेकोंभूमिरहीहैः जातैसरीरकोभ
लुनिंडेहीहैः संपदाआगैंआपदाहैः संजोगआगैं
बिजोगहैः तातैंजोउपज्योसुन्हसाइः औरयहदेह
घरीघरीघटतुहैः मूपेहीगयेजांनियेतहैः जैसैंका १२५
चोघडापांनीघडीघडीषुलेःफूटेहीजांनियेःऔरजा
कौंजनमजबभयोःतबहीताकोघडीघडीकालनि
कटिआवतुहैः औरजातेःजोबनुःरूपःद्रव्यःसग्र
हुःजीवनःठकुराईःमित्रन्हकोयेकठौरवासुःसब

पदारथबिजुरीकीनांई चंचलहै तिन्हकोबागु पोरेही
दिनमैंनष्टजातहै तातेपंडितुहोइसुइन्हवस्तुन्हको
सोकनकरै जैसैंनदीमैंप्रवाहकेवेगकरीकहुंकहुंके
काठएकत्रमिलहि बहुरितनदीहीकेप्रवाहतैंन्यारहोंहि
तैसैंप्राणीकालकेवेगकरिएकत्रमिलेहैं अरु
जातेपंचमहाभूतइंद्रीएकत्रमिलेहैं
तबउपजै ऐसेपांचोंन्यारेहोंहिं तबदरीनसजाइ
ऐसीरहीकेउपजै अरुन्हसानै जोपंडितुहोइसुए
सोकनकरै जातेमनुष्यजिहिजिहिवस्तुमैं जितनौ
सनेहकरै तितनौंहीसोककेबीजबोवै सुहसंसा
रमैंकाहूसौं सदाएकत्ररहिबौनांही जातेंआपुनी
देहीसौं सदासंयुनांही औरसौंकहांतेहोइ जाते

संजोगएकदिन[बीजो]योगकौंकारै जैसैंजनममृत्यु
कोआगमुकरै औरअमनेनाई वैघनको मिल
बोमिलहीमैंनीको आगेबिछुरंदुषदै ऐसैंआप
व्यवस्तुमातहीछिणनिकीलागे आगेरोगउप
जावै जैसैंनदीकोप्रवाहजाइपैफिरैनांहि तैसैं
मनुष्यकोरातिदिनुआउलीयेजाइ पररूफिरैनां
हि संसारमैंसाधुकीसंगति सबसुषतैंअधिकु
है जातेंपंडितुमित्रकौसमुझिसमुझि सबजतन जतन १२६
एलेकरतुहै जैसैंबरषाकालमैंचांमकेबंधनछि
लेहोतहै मनुष्यजादिनगरभमैंपरयौ तादिनतैं
मृत्युहीकेसामुहदौरतहै तातैंसंसारकीयहुगति
जांनि सोककरै सुमूरषजांणिये जातेंआत्मान

२५

सोक कौ कारण न होइ: बियोगही कारण है: बियोग
तै सोक दिन दिन बाढै: पै यह नांहि: तातै बहु आपां
नुही न लो: जातै सोकु न बाढै दिन दिन के जात आपां
न के घटै सोक घटतु है: तातै आतमां कौ बिचारु करि
सोक छाडिये: जातै अकस्मात ही लागी आले चरम
कौ न दे: असो जु सोक रूप घाव है ताकौ न समझिये:
बिसार ही डारिजै: है बडौ बाघ रहै तब कौडिन्य आं
मणु जटि करि बाल्यौ: तौ अब हौं ग्रिह रूप नरक
बिषै बासु कहा करौं: अब हौं बन ही मैं जांउं: तब कपि
लकेहतु है: अनुरागी बिषई कौं बन ही मैं दोष उपजै:
अरु बैरागी जितेंद्री जो घर हू मैं रहै तो दोषु नांही: जो
कांम नां फल छांडि बैराकतक मकरि श्री बिसनु

जा नमो न कुसय पल कब मे जौं दु ब

जीकौ न जै ताकौ घरु बन हुं तै अधिकु है [illegible]
दुआइ करि जो धरम करै सब प्राणी बिषै दया करै
सोई तपस्वी जांणिये: ये और हु कही है: जो प्राण रक्षि
बे कौं आहारु करै: संतति निमति मैथुन करै: सत्य बा
लिबे कौ बचनु कहै: ते सब दुष कौ तिरै हैं: जातै यह
कही है: आत्मा रूप जौ नंदी ताबिषै सनांनु करि: कै
सी है नंदी: जहां महा जार घाट है: सती रूप जलु है: ११२
सील [illegible] किनारे है: दया है तरंग [illegible]: जातै
पांणी के नहाये अंतकरण सुध न हो है: और सुनौ:
जन्म मृत्यु बुढाई ब्याधि: इन के बेदनां करि ब्याप
तय हसंसार मैं कछु सारु नांही: तो ले संसार छांडि कै
तौ सुष जातै दुषी है [illegible] दुषही के नास कौं सु

थकरिमानतहैः जैसैनारवाहकुम्हारकेउतारेसु
थकरिमानैंः तबकौडिन्यकहीः यहबातऐसीहै
तबउ[illegible] ब्राम्हणमोकौं आपदीयोः ओरसरपतुंआ
जुलै मेडुकुन्हकौ बाहनु हौ[illegible]ः पुनिकपिलकही
अहोकौडिन्यतेरौ क्रियउपदेसुकौ लाइकहैः अ
बउपदेसनिसंगुसरबथा छांडियेः जो छांडिनसकौ
येतौ साधुजनपंडितन्हकौ संगुकीजेः जातेपंडित
न्हकेसंगुके उपदेसतैसबसंगुछूटै[illegible]ः पंडितसब
[illegible]संगु[illegible] छोडावैः यहसुनिकौडिन्य ब्राम्हणसोकु
छांडि सन्यासुलीयोः तबकौ ब्राम्हणकौ आपनो
गिबकौ मेडुकुः निबाहिबेकौ आयोहोः तबउनि
जालंपदनाम मेडुकन्हकौ राजा तिहिसौ सब [illegible]

तौ तकसाः तबयहमेडुकसांपकीपीठिपरिचढ्योः
तबवहसांपुवाकौ पीठिपरि चढाइलेफिरनलागो
तबदूसरे दिनि चलिनसकैः तबमेडुकन्हकेराजा
कहीः काहेतुम्ह आजुहलवैं हलवैं चलतहौः तबसां
पुकहीः राजा अहार बिनादुर्बलहौंः चलिनसकौंः
तबउनिकहीमेरीसेन्यकौं मेडुकन्हकौं मेरी आग्यातें
भषिः तबसांपुकहीः राजा यह मोकौं बड़ो प्रसाद[illegible]
योः यहकहि मीडुकन्हकौ खागेषाषांनः तबइहि १२८
तिमीडुकसबषाये [illegible] पाछें यहराजाहु षायौः तौ
तैहौं कहतुहौंः अपुनेकाजकौ सत्रुहुकौ घैपर च
ढाइजैः तातें हिरन्यगरनराजा[illegible] प्रीतिकरिबेलाइके
हैः तबराजा यहबचनसुनिंगीधमंत्री सौंकहीमं

१२८ श्री हमनी त्यौ है: यह तुम्हारौ के सौ मंत्री है: जौ हमारौ
होइ बसतौ बसाइ जै: नातरु आपुनौ लोग राखिजै:
इहि बिधि येक सुवै आइ राजा चित्रबरन सौं कही:
राजा सिंगलदीप कौ राजा सारसु जंबूदीप मैं आइ
लाग्यौ है: तब राजा कछु कजय सौं कहौ कहा करौ
तै: तब सुवै वही बात कही: तब गीधमन मैं ही कही
जले मंत्री चक्रवाक: स्रवासि तो कौं: जलौ मंत्र कीयौ:
तब राजा कौं गीध सौं कही यह अवसर है: चलहु बाहिर कौ
[illegible] बहा जै: तब गीध हंसि करि कही: राजा सुनौं:
सरदकाल कै मेघ की नाई बहुत बार ध्यान गरजीयै:
जातै महंत होइ सु बलु नाहि करि दिखावतु है: औ
र राजा पै कही बहुत सत्रुन्ह सौं बैरु न करै जातै

बडे सांपु कौं बहोत चीटी येक त्रमिलि येक ही बर
लागी मारत है: तातै राजा यासौं प्रीति बिहु कीयै जौ
ये दुन ये हो: हमारे चलत ही पि[illegible] मारि है: आरु जो
कारज अकारज बिनु बिचारे कौ आय करै सो पछितां
वै: जैसै येक ब्राम्हण नौलकौ मारि पाछै पछितानौ:
तब राजा कही यह कैसी कथा है: गीधमंत्री कहतु
है: उजेन नगर मैं माधौ नाम येकु ब्राम्हण रहे: वा
की स्त्री येक पुत्र जायौ: वह ब्राम्हणी लरकै की १२९
रष्या कौं नरतार कौं बैठालि आपु सनानु करन
कौं गई: इहि बीचि ब्राम्हण कौं आय कराइ बे कौं
राजा कौं बुलावौ आयौ: तब ब्राम्हणु दरिद्री यह
बिचारु कीयौ: जौ हौं उतावलौ न जाउं हौं तौ औरु कौ

१२९ उलजैह आतैलेबमेदबेमैमेकारजकरनौंहोइः
सुजोवेगिनकरिएतोकाल्तुताकाजकौंरहसावैः
असजांजाउंतौबालककोंकोंनरापैःतौबहुत
दिनकोंपुत्रकरियोपाहेयहन्पोलःयाकोबाल
कसौंपिकैजोउःयहबिचारीन्पोलकौंपुत्रसों
मिञ्चापुगयाःआगैबालककेनिकटिसांपुआ
वतम्पोलदव्योःदेषिकरिसांपुमास्ताःटूकटूक
करि[illegible]ःतबब्राम्हणधरिआयाःआयतन्पो
लहिदब्योःदेषिकरिलोहूलपटानोमुषसौंज
वलाकेपगन्हलरलोटाःतबब्राहमणन्पोल
कौमुषलोहूलपटानौंदेषिमनमैंयहजानीः
सुलरिकाइन[illegible]योःसहजानिक्रोधतैंन्पोल

मास्योःपीछेघरिजाइदेषैतौबालककेपलंगहसां
पुमास्योदेष्योःतबब्राहमणपछितानलागाःमैं
पापीबिनुबिचारैयहकौंनदारुणकरमकीयो॥
तातैंहोंकहतुहौंबिनुबिचारेंक्रोधनकरिऐ क्रो
रकोमःक्रोधलोभमोहअहंकारअसावधान
पेछहौंछांडिपैतोःइन्हकेछांडेसबसुषीहोइःजातैं
मंडवराजाकामतैंमारेःक्रोधतेंजनमेजयमारेः
लोभतैंराजापुरुरवाभूपेःमोहतैंराजाबातपीम्र १३०
पेःअतिश्रवतैरावणमारेःअसावधानतैकुंभ
करणमारेःपेछहोंदोषतैमारपैहूबिषयाकेछां
डेपरसरामभएरामरिषइन्हैजितैंद्वीहोइःबहुत
कालराजकीयोःतबराजाकहीयहतुम्हारोमतौः

गीयकहीहमारोतोग्रहेमतोश्रोरराजामंत्रीन्हकौ
सहसराबूझियेःगोबातसुणोहिसुचितमेंनीके
राखेःश्रोरकारजकौबिचारुसदाकरैःपाछैकी
येकौअनुकीयोःकरिजांणैःश्रोरनिसचैमेंरि
षताकरैःमंत्रकीरछ्यानीकैंकरैःयेमंत्रीकेबडे
गुणहैःश्रोरसुनोःबिनबिचारैंकारजनकरी
येःजोबिनुबिचारैंकरैतोवाकौसबआपदाहै
ःतातेंजुबिचारिकारजकरैताकौवाकेगुणन
केलाचतैसंपदाआसुहीलैआवैःतातेराजाजो
अबहुमेराकह्योकरौतौयासौंप्रीतिकरिचलौ
जातेंकारजसाधिबेकौपारिउपावगीनतीके
प्रहैःतोहुंसबकारजकीसिधिसमैंहुपावहो

तबराजाकहीप्रीतिअबहीजलाकीकेसंहोयःमं
त्रीकहीराजाबेगिहीहूलैःजातेंनीतिबिषैयरुक
हीहैः॥श्लोक॥ ~~[illegible]~~
~~[illegible]~~
वरंकथाबि[illegible]जोसाधुसौंप्रीतिबेगीहीजुडै
जैसैसोनेकौघडैःफूटैबेगहीजुडैःअरुमूर
षबेगहीनसमुझैःपंडितचतुरहोइसुअतिबे
गिहीसमुझैःअरुबीचिकौभूठोहीपंडितुकहा १३१
वैताकौंब्रम्हाहूसमझायनसकैःतातेंवाकौं
सरवगपनांग्रामंत्रीअरुराजापेदोउबडेचतुरहै
ःसुकामककहेअरुउनकीकिरबलितेमैंजा
ण्योहैःजातेंमोदेख्योहोइताकौगुणअरुजस

किरतिहिस्यौंजांणियेः तबराजाकहीःवोहौंतुम्ह
कहेस्याकांमुंनांहिःमूढ़मीएसुकरीयहमंत्रुकरि
गीधश्रासुहीगढमेंगयोःजहांआईकैचक्रवाक
कौंदूतपठायौःतबराजाहंसचक्रवाकस्यौंकहीःअ
बजोगीधकेपीछेंश्रौरकटकुश्रावैतोकहा
करिएःतबचक्रवाकहंसिकरिकहीःराजायहुचिं
तामतिकरोःजातेंयहगीधबडौघरमात्मांहेःअ
थवाकुबुधिकौयहसुनावहेःजहांडरनबूझीएत
हांडरकरेःश्ररुजहांडरूबूझीयेतहांडरूकरैः
~~अबजासांनहीसेसांननहीं~~ःजातेंयहबातदेषि
येःहंससरोवरमैंरातिताराऩ्हकेप्रतिबिंबदे
षिःकमलजांणिनालकौंषोजैःतबनालको

बिनुयांपैडहक्रावतहैतातेदिनहूंफूलेकैमन
केताराजांणिचमतैंनांहिषातःतेसोंमुंधःतातेंराजा
वामंत्रीकीपूजाकोनतनुप्रसन्नुमंगाइजेःयहकौंहः
चक्रवाकआगेंआइगढकेद्वारेतेंगीधकौंश्राणिस
जासौंमिलाइबैठायौःतबगीधराजाहंसस्यौंकहीः
राजायहुगढतुम्हारोहैःजाकौंदीयौचाहौ ताकौंदे
हुःराजाकहीयहबातश्रैसीहीहैःतबचक्रवाकगी १३२
धस्यौंकहीःगढहमारोनहीःतुम्हारोहैःजाकौंजाएौ
ताकौंराबोःतबगीधकहीःनलेजीजुतुम्हारोहै
सुहमारोहीहैःपरूबहुंबातसौकारजनांहीःजा
तैंनोनीकौंघनुदेनलोमनाइजेःजोश्रतिडेचोहौ
इःताकोहाथजोडिस्तुतिकरिनलोमनाइजेःमूर

२ षकौंजुकहसुकारिनलोमनाइजैंःसतनावकरिमित्रक
रुवंधुकोनलोमनाइजैंःदांनअरुमांनकरिसचीज
रुसेवकजीनकोनलोमनाइजेंःअतिदांनःऔरलोक
न्हकोनलोमनाइजेंःतातैंमहाप्रतापीराजाचित्रवरन
सोंप्रीतिकरिबिदाकरुंःतबचक्रवाककही केसैंप्री
तिकरियेसुकहोःप्रीतिकरिबेके केतकउपावहैंःः
सुकहोःगीधकहतुहैंसुनोंःजातैंबलवंतकरिछेक्यो
होइःतबऔरकौउपाव नहोइःतौप्रीतिकरिआपदा
कौंसमयखोवैःअबप्रीतिकेप्रकारसुनोंःएकप्रीति
कपालनांमःएकउपहारःसेतांनःसंगतिःउपन्यासः
प्रीतिकारसंजोगःपुरषतरःअदिष्टनरःअविष्टआ
त्मांमिषःउपस्थितःपरिकर्मःउरतसनःपरूद्रूष

एःसकंधोपनेयःऐसौकाहुप्रीतिकप्रकारहैंःःअब
इन्हकोअरथकहियतहैंःजहांकोउमिलिआयमैंघायपल
टहिंप्रीतिकरहिःसुकपालसंधिकहियेःऔरजहांइकदीयैं रि
प्रीतिहोइसुउपहारसंधिकहियेःऔरकन्यादेकैंप्रीतिकरै
येःसुसंतानसंधिकहियेःऔरसाधुपंचमिलिप्रीतिकरावैं
ःसुसंगतिसंधिकहिजेःजौलौंजीवैतौलौरहैःसुऐसीप्रीति
कबहूनटूटैःवहप्रीतिसबनहीतेंबडीःइहकौनांमकोचन
संधिहैःऔरजौकारजकरिउपदेसकरिप्रीतिहोइसुउपन्या 133
ससंधिकहिजेःऔरमेईयाकोउपकारुकरैःपहुमोस्योउ
पकारकरिहैःसोप्रीतिकारप्रीतिकहिहैःऐसेरामचंद्रसु
ग्रीवसौंःऔरजौदोइराजाएकहीराजाउपरिचढैसुजौप
उमैंमिलिप्रीतिकरहिंःसुसंजोगसंधिकहिजेःऔरहमारे

तुम्हारे जो या मिलि उहि बडे सत्रु कों मारहु यह कहीजो प्रीति
करिये सु पुरअंतर संधि कहिजे ८ और तुम्ह हमारे निमि
ति करि वाकौं मारहु तौ हम तुम्हारे होहिंगे यह कहि जहां
प्रीति करिये सु आदिष्टपुरष प्रीति कहिये ९ और ज
हां बडे सत्रु सौं कछूक भूमि कौ अंस दे प्रीति करीये सु
आदिष्ट संधि कहिये १० और जहां आपनौ कटुक सेना
कौ पठाइजे अरु प्रीति होइ सु आतमामिष संधि कहीजे ११
और जहां प्रांण राषिबे कौं अब संसदे प्रीति करीये सो उपग्र
ह संधि कहिजे १२ और जहां अपनी भूमि दै करि प्रीति
करिये सु उछिंन संधि कहिजे १३ और जहां कोने वो बोलु
दै करि अरु द्रव्य दै करि प्रीति करीऐ सु प्रक्रिय संधिक
हीजे १४ और सरब द्रव्य जेतो देस मैं उपजै सु तुम्ह कौ देहैं

यह कहि जो प्रीति करीये सु परभूषण संधि कहिजे १५ और
इतने द्रव्य हम बरष प्रति देहिंगे पर हम भूरि न मिलि है हम
तुम्हारे है यह कही जो १६ और च्यारि संधि के प्रकार औ
र कहे हैं एक परोउपकार १ दूसरो मैत्र २ तीसरो बंधक ३
चौथौ उपहार ४ इन्ह मैं उपकार प्रीति सब तै बडी है जानत हो
सब उपकार सारिषो न यह मंत्र है अरु न कोउ
प्रीति श्रेष्ठ है १ और जो चढि आवै अरु बली होइ १३४
तो तासौं दीये बिनु प्रीति न होइ यह उपकार संधि कहीहै २
और मैत्री तै चलै ब्योहार तें जु प्रीति होइ सु मैत्री संधि क
हिजे ३ और उपकार जनी करतूति तै यह वाकौ उप
कार करै यह वाकौ करै यह संबंध क प्रीति कहीजे ४
यह सब ब्रितांत गीध के बचनु सुनि चक्रवाक कही

सुनहु यहु आपमों यहु बिरोनों यहबिचार नांन्हें मुन
न्हकौं है महांतन्हकौं सब आपनें बंधु हैं और महांत
कौ यह सहज सुभाव है जथा जार घ पर सत्री कौं माता
करि देखैं पराए द्रव्य कौं मांटी करि देखैं हैं सब प्रांणी
न्ह विषै दया राखैं हैं कीरति कौं जतन करैं हैं सबबात
कौ प्रतिपाल करैं हैं सत्य बोलबे कौं जतनु करैं हैं तातैं
तुंम्ह महांत हौ हमकौं जु आग्या दे हु सु करहिं तब दुर 134
दरसी गीध कही चकवाक तुम्ह असी कहा कहत हौ देषु
मन के संताप करि व्याधि के संताप करि इन्ह करि आगु
काल्हि मैं सरीर बिनासी है असे सरीर कौ धरमु कबहु न
छाडियैा के सोहै यहु सरीर जैसो जल मैं चंद्रमां कौ प्र
तिबिंबु चंचल है तैसो यह प्रांणी कौ जीव चंचल है यह

५ जानिलौलौंजीवतालौंसदाधरमकरैः औरयहसंसारजै
सीम्रिगत्रिसनासौंछिणछिणमिथ्यामूलबिनासीजांणि
धरमुकौसुषकौ साधुपंडितजनन्हसौंसंगतिकरिये
जातेजिन्हपंडितन्हकीसंगतितैंनिरमलबुधिसदाज
कासैः मोरेबिचारश्रेष्ठयहहैः जातैसहंस्रअस्वमेध
तैंसत्यअधिकहैः तातैवचन [illegible] करिकंचननांमसै
धिदोउराजाकरहुः तबचक्रवाककहीऐसीहीकरौः
यहबिचारुकरि तबरतनवस्त्रअलंकारभेटकरिभू
जाकरिमंत्रीगीधराजहिरन्यगरभतैंआग्यामांगिच
क्रवाककौंसाथिलै राजामयूरचित्रबरनकैनिकटि
गयेः उहांराजाचित्रबरनमंत्रीकेकहेंचक्रवाककौ
बहुतआदरसनमांनकरिः भेटलैमंत्रीकौंअंगीका

[illegible] रुकरिअपनौंबसीठऐकसाथदेकरिच
क्रवाककीभलीभांतिबिदाकरी तबदूरदरसी [illegible]
गीधः राजाचित्रबरनसौंकहीः राजाअबतुम्हारीवांछा
सिधिभईः अपुनेंधरकौचलौः तबराजाचित्रबरनमंत्री
केकहें बिंध्याचलपरबतकौंचले [illegible]ः आपुनेंधरिसुषीह्वै
राज्यकरनलागेः राजाहिरन्यगरभआपुनेंगढमेंरहीः
सुषकरनलागौः तबबिसनुश्रमांराजपुत्रन्हसौंक १३६
हीःअबतुम्हारीवांछासुनिबेकौंहोइसुकहौ [illegible]
तबराजपुत्रन्हकहीःतुम्हारैप्रसादतैंसबराजान्हकेयु
णव्यौहारकौअंगजांण्यौः अबहमैंसुषीभयेः हमारै
तुमआपांनुथासुसबैछूटेः मांनौंनयौजन्मभयौः तब
बिसनुश्रमांकहीः औरौंयहुहोउः [illegible] राजान्हसौंभलैंः

५८ अन्य आपसमैं प्रीति होउ. अर प्रतापी विजै यकरिओ
नें दिलहोउः अरु सुकृतीजन्हकी कीरति बढ़ैः निति मं
त्रीन्हके हिरदामैं अरु मुषमैं क्रीडा करो दिनि दिनि राजा
न्हकौं अरु प्रजा कौं उ [illegible] व आनंद होउः और जौलौं
श्री गौरीनाथ के मांथै परि चंद्रमा रहैः अरु जौलौं श्री
गोविंदजी के वक्षस्थल मैं लक्ष्मी रहैः जौलौं मेघवि
तान मैं बिजुछटा सो है जौलौं स्वमेर परबत दावानल
सौं [illegible] मंडल नि से बिराजे तौलौं यह हितोपदेस के प
ढनहारे मनुष्यकी कीरति अरु बुधि अरु वचनु सि
ध रहैः ग्रंथ नी बिथै हितोपदेस इहि ज्ञांति प्रचुरीः
[illegible] जादसं पुस्तकं दृष्ट्वाः तादसं लिषतं मयाः यदसु
धं वा सुधं वाः मम दोष न दीयतेः

सिधि श्री [illegible] सत्तासनं ।
पूर्वधक [illegible]
श्री [illegible]
संवत १८६२
लिपिकृतं साह अणुदास मीति साद वाव दि ८ संवत [illegible] १२८
श्री रामजी सति है जी श्री रामजी [illegible]
[illegible] ॥ दोहा ॥ चंदन
[illegible] १३१
चंदन

३९ ॥मेरे प्रबाबत है श्रीमान जो कोई छूदे तो सुख जावे अगर
मेरे दुख काढ़ पथरसू पथर होय गार गळ जावे फर ये
में आउं तण मानु येक ग्राह कानारा नसहै आउंगा
म मेरा जड पातु सुं जळ जावे जगत जंजाळ के
उर के दीपाकु दीपाकु छाय तळ तेरे पाजळ की ईका
नी गै होवे मेरा रसीक दुखे बीसर जावेगा ॥

हजारीनेरा मोत्याम रीना लक्षमी जी न्हैं बीती आदु गाबड़ी सनी सवा
दमाही महेनामयाद मन पव दे ॥॥ाजी ॥ H१६.३२ ॥
दुडुडनानानोलनामानाजेयामा बहुरवीसहं नीता मे महे
नायपतुमाडीनामोहे

८ कहतहरा [illegible] महमद [illegible] नाहीं [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

न एकन की नीमें [illegible] कर [illegible] ऐसो सु:
जराह कीजे मी सकी [illegible] महमद की ना
करो रम की [illegible] दीन की: [illegible] मेरे [illegible]
जसौ ते रे सवाल [illegible] जुई कर [illegible] की: कीजी
पेगरी बी कृछ दीजीये सकत बीत जीजीये है जाबीजी
दगानी है एकौन की ॥१९८

मौयैमफरऊनाँकेदरीपावरहमंतीजापकफ
जतोसचीबासदऊनापमा॥१२॥
येहामीनतीकरीरमानंलीमीनतलमाप
बानामीनीरीऊनहीगऊदेधनीजगवानाम
दोहा ३ नवायातटकेकातऊजपरीतम
गल्ल
ाश्रीरामजीसादासाप्रदरजीश्रीरामजीसादासा
१ १४ ४१५८ ११ ५ १० १३ २
१६ ३ १२) ← ६

७	२९	८	३०
१५	२२	२१	२०
२५	४	३२	६
२४	१४	१८	१२

१८

यपवीमनरामीग्यारजा वीषतः बीमनरीममता ग ६ परप ड़ तीरा जा परमावी
यपवीमनरामीग्यारजा पीरु ६ परपरु
चमतरीभामम राग ६ परपड़ तो मदन तोहीः तब्बा पा गपरः मरदुमा पीरु ६ परपड़तो
चमतरीभामम राग ६ परपड़ तो धन बा नाहो पुः दोनु नी डाग ६ परपड़तो
अममाप तोहीः बीबा ड़ ६ परपड़तो धन बा नाहो पुः दोनु जो डाग ६ परपड़तोबी
दीनोनोराग ६ परपड़तो धनचा नरागुभमान नी तोहीः थाभाग ६ परपड़तोबी
धनमरः माहीबा भी ६ परपड़तो धन तोहीजै मेम पवनतोही : गावण
आभी ६ परपड़तो माही अपदरा तोहीः गवनी कुजा ६ परपड़तोभा
जानेजैवड़ तीन बोभजैः वाहीकुजा ६ परपड़तो रोगमरः चमतरीमी
जा ६ परपड़तो चमपापमरः चमतरीमामुघ ६ परपड़तो मनावाम
नाप : मबमाग बा ६ परपड़तो मगामः चमनापमरः मरदुमीनाग ६
छमतबीकु मं जमरःमर ६ परपड़ तो वेरीमीनाममरोः दुःलीपानी जीवन

नपरापतीतोही : दीनु जागा ६ परपड़तो बाना तोही ममभुः
ामकहारपरपड़तो हीरबबोनाम तोही ६० ता छै ६ परपड़तो
मरः चमतरीमीजाग ६ परपड़तो पुतर बा नां बताः चरीपुरीचार
ी ६ परबी बीमपड़तो हाली तोहीच चरीमा मीगार ६ परपड़तो मीगा
ः पा ६ परपड़तो गवुनमरः मरदुमापा ६ परपड़तोः बगनाभो बीम
ड़तोच्यामा पुरणामरः गमता धा बीमपड़तो गडु दी चमोमापव
ाडबीबोमरः कुछ नो चालो : जानज मरदुमामप कबड़तो धनोध
ोजैमपरापतीमरः चमतरीमामपा ६ परपड़तो धंनु पुनमबोमी
मतरीमीवाही कु जा ६ परपड़तो न बोजानजे चमन पुर महान
ाजुन कु पड़तोन बोजानजे : महान

मपनांसोबोरीमपनामपतांहेम ब्या नोः गाहीताधीघोगेशंम
घतोमनंनानजेः ६७६७२ मबबरघ६ घतीब्यानजानजैमप
नामंचापरोघतोब्यानजानजेः म७१६घतो ब्यानबानडेःमगड
तोतो
मरू६घतोबुरीजानजैःनागंबंबीमापानेचरमयु ः।चरयुबम
पुकेंबद्नंचामबीमाफुबःघूताहंपतोद्दरबब्यानंबतावाः मुघ
रापतीतोरी।बछी६घतो दीपगा६घतीनबोः मपनामपनोपा

॥॥॥ः॥६॥

॥॥॥॥

॥श्री रामजी

दोहा॥करमगोतजगतेबनीगमनेमुरबद्रिप्रगमनेनंगा
तगमनसमुरबजगतरोया॥दोहा॥गीरसागरबीसमुकरकेना
रचीजकछुनीहिसबदु बदोहिला रहैगमनकेमीनमाफा॥२॥दोह